देश के लिए सर्वोच्च बलिदान

{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 20 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 15 विक्रम सवत 2082
वर्ष 17, अंक 58
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पदमेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	85,186.47
निफ्टी	-	26,052.65
सोना	-	1,24,860
चांदी	-	1,68,000
डॉलर	-	88.50

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हॉकफोर्स इंस्पेक्टर आशीष शर्मा कर्तव्यपथ पर शहीद

पदमेश विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

बोरतलाव एनकॉउंटर में आज मध्यप्रदेश हॉक फ़ोर्स किन्ही केम्प का जाबांज इंस्पेक्टर कनघुर्रा के जंगल में शहीद हो गया. यह छत्तीसगढ़ का इलाका था. जहां दोनों राज्यों की ज्वाइंट ऑपरेशन में शहीद 32 वर्षीय आशीष शर्मा बालाघाट हॉक फ़ोर्स का नेतृत्व कर रहे थे. नक्सलियों की दो गोलियां उन्हें लगी. तत्काल डोंगरगढ़ से आयी चिकित्सकीय टीम ने बचाने की पूरी कोशिश की. किन्तु उन्हें बचाया नहीं जा सका। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है। इंस्पेक्टर आशीष को वीरता के लिए दो बार राष्ट्रपति का पदक मिल चुका है। वे नरसिंहपुर के गाडरवारा के निवासी थे।

राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ पुलिस अनुभाग के बोरतलाव क्षेत्र की घटना

मिली जानकारी के मुताबिक राजनांदगांव और बालाघाट और खैरागढ़ जिले की एक संयुक्त टीम कनघुर्रा के जंगल में गश्त करते हुए आगे बढ़ रही थी तब एकाएक नक्सलियों से सामना हो गया. दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चली। इस घटना में नक्सल ऑपरेशन में शामिल बालाघाट हॉक फ़ोर्स किन्ही चौकी फ़ोर्स कैम्प के इंस्पेक्टर शहीद हुए.नक्सली घने जंगल में छिपकर भाग निकले।

कनघुर्रा के जंगल में बुधवार सुबह नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के बालाघाट का एक इंस्पेक्टर शहीद हो गया। शहीद इंस्पेक्टर का नाम आशीष शर्मा है। वह नक्सल अभियान के लिए गठित बालाघाट के हॉकफोर्स का जाबांज अफसर था। आशीष शर्मा को एक गोली पैर में और एक गोली पेट में लगी थी। घायल होने के बाद उसे बोरतलाव लाया गया, जहां डोंगरगढ़ से तत्काल बुलाई गयी एक आकस्मिक चिकित्सा और एक मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार से बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई।

जब सर्चिंग टीम आगे बढ़ रही थी तब यह घटना हुई । इस बीच आज बुधवार सर्चिंग पर निकले हॉक फ़ोर्स के जवानो और नक्सलियों के बीच आमना सामना होने पर अल सुबह नक्सलियों की ओर से हुई फायरिंग में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को दो गोली लगी। घायल होने के बाद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को बोरतलाव लाया गया। इधर तत्काल डोंगरगढ़ से पहुंची चिकित्सकों की टीम ने इंस्पेक्टर को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलने के बाद तत्काल राजनांदगांव रेंज आईजी अभिषेक शांडिल्य और एसपी अंकिता शर्मा के अलावा अन्य अफसर घटनास्थल की ओर रवाना हुए।

उधर, बालाघाट रेंज के आईज कुमार, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्र ऑपरेशन के एसपी आदर्शकान्त शुक्ला सहित फ़ोर्स और पुलिस के आल अफसर भी मौक़े पर पहुंचे।

नक्सल ऑपरेशन में शामिल थ

उधर बालाघाट एसपी आदित्य मि के अलावा बैहर एएस लांजी एसडीओपी समेत अन्य प्र अफसर मौके पर पहुंचे।यह भी ख़बर है नक्सलियों के खिलाफ सर्चिंग और व ऑपरेशन को तेज कर दिया गया है. खबर है कि तीनो जिलों से हजारों जंगलों में नक्सलियों की तलाश में उता हैं।

बताया जा रहा है कि शहादत की से दोनों राज्यों के पुलिस विभाग में म छा गया। बताया जा रहा है कि शह निरीक्षक आशीष शर्मा मूलतः मध्यप्र के नरसिंहपुर जिले के रहने वाले नक्सल मोर्चे में बेहतर कार्य करने चलते उन्हें 2 बार वीरता पदक से नवा गया था। शहादत की घटना के ब कनघुरा के जंगल में अभी भी फोर्स तैन है। गौरतलब है कि साल 2023 फरवरी माह में भी बोरतलाव थाना के सिपाहियों की नक्सलियों ने गोली मारक हत्या कर दी थी। करीब दो साल ब हिंसक घटना को अंजाम देकर नक्सलि अपनी आमद फिर दर्ज कराई है।

उधर, इस घटना के बाद समूचे इल पुलिस ने घर रखा है. दोनों राज्यों के पु आला अफसर घटना स्थल पर मौजूद नक्सल अभियान कॉबिंग ऑपरेशन त चलाया जा रहा है. सीमावर्ती जिलों व पुलिस फ़ोर्स को नक्सलियों की तलाश

नक्सली मुठभेड़ में हॉकफोर्स के इंस्पेक्टर शहीदः छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश की टीम को लीड कर रहे थे, दो वीरता पदक भी मिल चुके थे।

बालाघाट में नक्सलियों से मुठभेड़ में हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा की गोली लगने से मौत हो गई है। 'बालाघाट एक्सप्रेस' से एंटी नक्सल ऑपरेशन डीजी पंकज श्रीवास्तव ने इसकी पुष्टि की है। डीजी ने बताया कि बुधवार को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के जॉइंट ऑपरेशन चलाया था।

तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तलाव के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी थी। इस दौरान पुलिस पार्टी रवाना हुई थी। इसी दौरान मुठभेड़ में आशीष शर्मा को गोली लगी थी । उन्हें घायल अवस्था में पास ही आकस्मिक बोरतलाव के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आशीष इस टीम को लीड कर रहे थे।

जनवरी में होने वाली थी शादी

बताया जा रहा है कि आशीष शर्मा मूल रूप से मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में गाडरवारा के बोहानी गाँव के रहने वाले थे। उनका चयन 2016 में सब इंस्पेक्टर के पद पर हुआ था। इससे पहले, वह इंटेलीजेंस में आरक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे थे। नक्सलियों का एनकाउंटर करने पर पुरस्कार स्वरूप मप्र सरकार द्वारा आउट आफ टर्न प्रमोशन मिला था। पिछले दो साल में भारत सरकार द्वारा दो वीरता पदक मिला। पारिवारिक मित्रों ने बताया कि उनकी शादी तय हो गई थी, जनवरी में शादी होनी थी।

पुलिस ने खाया वीर योद्धा

बेहद होनहार वीर योद्धा को खोया मध्य प्रदेश पुलिस ने बालाघाट में स्पेशल सेल के आरक्षक से पुलिस की नौकरी शुरू करने वाले इंस्पेक्टर शहीद श्री आशीष शर्मा वर्ष 2016 बैच के सब इंस्पेक्टर थे लगातार नक्सलियों से लोहा लेने की वजह से उन्हें दो बार वीरता पुरस्कार मिला था तीसरी बार भी नॉमिनेट होने की जानकारी मिल रही है.यही नहीं उन्हें नक्सलियों से लोहा लेने की वजह से ही आउट ऑफ टर्न प्रमोशन सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बनाया गया था।

सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा

सीएम डॉ. मोहन यादव ने आशीष शर्मा को X पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा- आज मप्र हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा नक्सलियों से मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम द्वारा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के जंगलों में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व वीरता और साहस का प्रदर्शन किया।

नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्हें पूर्व में कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए दो बार भारत सरकार द्वारा वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

आज शोक सलामी

प्रातः 6 . 30 बजे स्थानीय अम्बेडकर चौक से शहीद की श्रद्धांजलि यात्रा निकलेगी। बालाघाट हॉक फोर्स के जांबाज़ जवान निरीक्षक शहीद आशीष शर्मा कर्तव्य-पथ पर वीरगति प्राप्त की है । उनकी स्मृति में भावपूर्ण श्रद्धांजलि यात्रा अंबेडकर चौक से पुलिस लाइन तक निकाली जा रही है। पुलिस लाइन में अमर शहीद जवान को श्रद्धा सुमन अर्पित कर शोक सलामी दी जावेगी ।

खास खबर

नक्सलवाद पर गहरी चोट जारी, एनकाउंटर के बाद आंध्र प्रदेश में 50 नक्सली गिरफ्तार; कमांडर लखमा भी शामिल

हैदराबाद। नक्सलियों का पिछले दो दिनों में बड़ा नुकसान हुआ है. आंध्र प्रदेश में माडवी हिड़मा और उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ था. दूसरे दिन बुधवार को भी उसी जगह 7 नक्सली ढेर हो गए हैं. वहीं, अब आंध्र प्रदेश की पुलिस ने कई जिलों में 3 र्स्ट्ररू समेत 50 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इसमें नक्सलियों के जगरगुंडा, केरलापाल एरिया कमेटी समेत कई सक्रिय नक्सली शामिल हैं. जगरगुंडा एरिया कमेटी का प्रमुख नक्सली कमांडर लखमा भी गिरफ्तार हुआ है. गिरफ्तार होने वालों में नक्सली छड्ढश्चष्टरू मदन्ना उर्फ़ जग्गु दादा का भी नाम शामिल हैं. इलाके में चर्चित एरिया कमांडर सोड़ी मनीला भी गिरफ्तार हुआ है।

नीतीश कुमार चुने गए एनडीए विधायक दल के नेता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिली. अब नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है. इसे लेकर एनडीए के नवनिर्वाचित विधायकों की बुधवार को बैठक हुई, जिसमें नीतीश कुमार को नेता चुना गया. इसके बाद यह तय हो गया कि नीतीश कुमार ही गुरुवार को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में हुई बैठक में एनडीए घटक दलों के सभी नवनिर्वाचित विधायक मौजूद हुए. इसके अलावा, कई बड़े नेता भी शामिल हुए. बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया. इसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार को नेता चुनने पर बधाई दी.

इससे पहले भाजपा और जदयू के विधायक दल की अलग-अलग बैठक हुई थी. भाजपा की बैठक में जहां सम्राट चौधरी को नेता और विजय कुमार सिन्हा को उप नेता चुना गया, वहीं नीतीश कुमार को जदयू विधायक दल का नेता चुना गया. पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा. इसे लेकर गांधी मैदान में व्यापक तैयारी चल रही है. इस समारोह में आम से लेकर खास लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए उसी तरह की तैयारी की जा रही है.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह बृहस्पतिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना. जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना गया. वहीं, भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना. जदयू की बैठक पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर के 'संवाद' में आयोजित की गई, जिसमें सभी नवनिर्वाचित विधायक और पार्टी से विधान परिषद के 22 सदस्य मौजूद थे।

राहुल के खिलाफ 272 रिटायर्ड जजों-अफसरों का लेटर कहा-

चुनाव आयोग की छवि बिगाड़ रही कांग्रेस; राहुल वोट चोरी पर 3 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने 4 नवंबर को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे।

चुनाव आयोग पर लग रहे वोट चोरी के आरोपों पर देशभर के 272 रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने बुधवार को एक ओपन लेटर जारी किया है। इसमें लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आलोचना की गई है। लेटर में 16 पूर्व जज, 123 सेवानिवृत्त ब्यूरोक्रेट (14 पूर्व राजदूत सहित) और 133 रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के सिग्नेचर हैं।

इन रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने ओपन लेटर में आरोप लगाया है कि कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की साख कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनावश्यक अविश्वास फैलता है।

लेटर में यह भी कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार-बार सवाल उठाने से जनता का भरोसा कमजोर होता है और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है। राजनीतिक मतभेद जरूरी हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार आरोप लगाना देशहित के खिलाफ है।

दरअसल, राहुल गांधी चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप में अब तक तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं। उन्होंने आयोग को मोदी सरकार की 'B टीम' भी कहा था। भाजपा के साथ वोट चोरी करने का आरोप लगाया था।

लेटर की 5 बड़ी बातें....

पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाए गए, और अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह एक फ़खतरनाक चलनफ़ बन गया है, जिसमें चुनावी हार को छिपाने के लिए संस्थाओं की साख पर हमला किया जा रहा है।

राहुल गांधी चुनाव आयोग पर फ़वोट चोरीफ़ का आरोप लगाया, उसे फ़गद्दारीफ़ तक कहा और अधिकारियों को धमकाया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कोई आधिकारिक शिकायत या हलफनामा पेश नहीं किया। यह सिर्फ फ़राजनीतिक नाराजगीफ़ है, जिसका कोई ठोस आधार नहीं है।

जब विपक्षी पार्टियां जीतती हैं, तब चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं लगता,

लेकिन हार मिलते ही आयोग को दोषी ठहराना शुरू हो जाता है। यह फ़राजनीतिक अवसरवादफ़ है।

टीएन शेषन और एन गोपालस्वामी जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग को बेहद मजबूत और निष्पक्ष संस्था बनाया है, इसलिए आज उस पर बेबुनियाद हमले लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक हैं।

सभी भारतीय चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखें। उन्होंने कहा कि फर्जी वोटर, गैर-नागरिक और अवैध प्रवासियों को वोटर लिस्ट से बाहर रखना देश की सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों के लिए जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- संसद हमारे फैसले नहीं पलट सकती

गैरजरूरी बदलाव संविधान पर चोट पहुंचाता है; ट्रिब्यूनल रिफॉर्म एक्ट 2021 के प्रावधान रद्द किए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के ट्रिब्यूनल रिफॉर्म एक्ट 2021 के कई महत्वपूर्ण प्रावधानों को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि संसद मामूली बदलाव करके कोर्ट के फैसले को नहीं बदल सकती।

कोर्ट ने कहा कि सरकार ने वही प्रावधान कानून में फिर से डाल दिए, जिन्हें पहले भी कोर्ट ने खारिज किया था।

CJI बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन ने बुधवार को 137 पेज का फैसला सुनाया। 11 नवंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पूरा मामला 2020 से जुड़ा है। नवंबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल पांच साल तय किया था। सरकार 2021 में नया कानून ले आई और कार्यकाल चार साल कर दिया। इसके बाद मद्रास बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

कुछ ना कहना

'फ्लैट नंबर-107' 2021 में बनवाया फर्जी पते पर पासपोर्ट, फिर गया अमेरिका

अनमोल बिश्नोई पर चौंकाने वाला खुलासा

फरीदाबाद । गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने फरीदाबाद के एक फर्जी पते पर फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अनमोल विश्नोई ने साल 2021 फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। उसने पासपोर्ट के लिए ग्रेटर फरीदाबाद के ओरिक सोसाईटी के टावर नंबर-टी-4 स्थित फ्लैट नंबर-107 का पता दिया था। बताया जा रहा है कि उस फ्लैट मे साल 2021 मे तीन युवक किराये पर रहते थे। पंजाबी गायक सिद्धू मुसेवाला की हत्या के बाद एनआईए की टीम ओरिक सोसाइटी भी जांच करने आई थी और फ्लैट के मालिक से पूछताछ की थी।

अनमोल बिश्नोई को 11 दिन की एनआईए रिमांड

पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को कुख्यात गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार शर्मा की अदालत में एनआईए ने 15 दिन की रिमांड

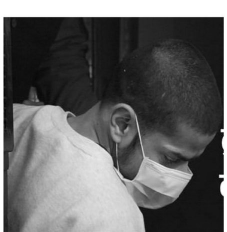

की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने 11 दिन की रिमांड मंजूर की। मामले की सुनवाई इन-कैमरा हुई और कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

'बब्बर खालसा जैसे आतंकी संगठन से कनेक्शन'

एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि अनमोल बिश्नोई सिंडिकेट का आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से सीधा संबंध है। इसलिए खालिस्तानी कनेक्शन की गहन जांच के लिए उससे पूछताछ जरूरी है। अनमोल, जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई और सबसे करीबी सहयोगी है।ह्र की प्रमुख दलीलेंहिरासत में पूछताछ से गिरोह के अन्य सदस्यों, फंडिंग के स्रोत, सोशल मीडिया अकाउंट्स, नेटवर्क की गतिविधियों और सहयोगियों की पहचान हो सकेगी। अनमोल बिश्नोई के पास दो भारतीय पासपोर्ट हैं, जिनमें से एक फर्जी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने गोल्डी ब्रार, सचिन थप्पन, विक्रम ब्रार और अनमोल बिश्नोई जैसे लोगों के जरिए अपना नेटवर्क विस्तार किया।

बालाघाट में नशे के खिलाफ लोगों का अभूतपूर्व जनसैलाब

नशामुक्त बालाघाट जन जागरण पदयात्रा,विशाल रैली एवं जनसभा संपन्न, सरकार की शराब नीति पर संगठन के पदाधिकारियों का तीखा हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में नशामुक्त समाज निर्माण की दिशा में बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा बालाघाट के तत्वावधान में बुधवार 19 नवम्बर को निकाली गई नशामुक्त बालाघाट जनजागरण पदयात्रा में पहली बार हजारो लोगों का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। पदयात्रा में शामिल हजारों नागरिकों, समाजसेवियों और युवाओं ने नशे के खिलाफ कड़े कानून और शराबबंदी लागू करने की जोरदार मांग की।संगठन के केंद्रीय महासचिव सौरभ द्विवेदी और मुख्य सचिव आशीष शुक्ला की उपस्थिति में यह पदयात्रा कमला नेहरू भवन से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक, हनुमान चौक, महाराणा प्रताप चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक, अहिंसा द्वार, काली पुतली चौक, बस स्टैंड, बूढ़ी हॉस्पिटल रोड और जय स्तंभ चौक से होते हुए पुनः अंबेडकर चौक पर पहुंची। इस विशाल यात्रा ने शहर में नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना का अनूठा संदेश दिया।

मंच से सरकार की शराब नीति पर भी किया तीखा प्रहार

यात्रा के समापन के पश्चात डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर जनसंकल्प सभा आयोजित की गई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों ने नशे के दुष्परिणामों और समाज में बढ़ते मद्यपान पर गहरी चिंता जताई। सभा में वक्ताओं ने कहा कि नशा परिवार, समाज और युवा पीढ़ी को गर्त में ले जा रहा है, जिसे रोकना अब समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।संगठन के पदाधिकारियों ने मंच से सरकार की शराब नीति पर भी तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार मंदिर, सनातन और हिंदुत्व की बात करती है, लेकिन वहीं सरकार शराब ठेकेदारों को लाइसेंस देकर जगह-जगह शराब दुकानें खुलवाती है। यदि समाज को मजबूत बनाना है, तो शराबबंदी की दिशा में ठोस कदम जरूरी हैं।

50 हजार से अधिक लोगों को किया गया नशामुक्त

आयोजित जनसंकल्प सभा में बताया गया कि सद्गुरुदेव योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के मार्गदर्शन में कार्यरत संगठन पिछले 30 वर्षों से नशामुक्ति अभियान चला रहा है। संगठन का दावा है कि बालाघाट जिले में अब तक 50 हजार से अधिक लोगों को नशामुक्त किया जा चुका है। संगठन ने इस अभियान को पूरे जिले के प्रत्येक गांव और कस्बे तक पहुंचाने का संकल्प लिया ।सभा के दौरान महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो- नशामुक्त बालाघाट बनाओ का एक स्वर में नारा दिया।पदयात्रा और जनसंकल्प सभा ने जिले में नशे के खिलाफ नई जागरूकता का संचार किया है। संगठन ने कहा कि जब तक जिले का प्रत्येक गांव नशामुक्त नहीं हो जाता, तब तक यह जनजागरण अभियान निरंतर जारी रहेगा।

नशा छोड़कर संस्कारयुक्त जीवन अपनाए- सौरभ द्विवेदी

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव सौरभ द्विवेदी ने बताया कि ,नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को कमजोर करता है। आज का युवा यदि नशा छोड़कर संस्कारयुक्त जीवन अपनाए तो भारत विश्व में सबसे सशक्त राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार अब पूर्ण शराब बंदी करे और बालाघाट को नशामुक्त बनाया जाए। इसके अलावा सरकार की मौन स्वीकृति से बालाघाट में जगह-जगह बिक रही अवैध शराब का विरोध किया। इसी के साथ बालाघाट निवासियों को शहडोल जिले के पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम में 22-23 जनवरी 2026 को होने वाले शिविर में आमंत्रित किया।

यह केवल आंदोलन नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति है- आशीष शुक्ला

वहीं केंद्रीय मुख्य सचिव आशीष शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा की नशामुक्ति केवल आंदोलन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति है जिसे घर-घर तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। संगठन आने वाले समय में पूरे प्रदेश में व्यापक अभियान चलाएगा।सभा के दौरान सभी उपस्थित नागरिकों ने नशा छोड़ो ङ्क जीवन जोड़ो का सामूहिक संकल्प लिया और बालाघाट को नशामुक्त जिला बनाने का प्रण किया।संगठन द्वारा रैली को सफल बनाने के लिए बालाघाट शाखा के जिला अध्यक्ष जगदीश बिल्लोरे ने सभी शाखाओं, स्थानीय पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों, युवाओं, महिलाओं का आभार व्यक्त किया गया।

कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 19 नवंबर कों मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 06 बीएलओ कों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मप्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) की प्रक्रिया जारी है। इस अभियान के अंतर्गत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य किया जा रहा है, जिसमें बालाघाट जिले की अलग-अलग विधानसभाओं के मतदान केंद्रो में निर्धारित बीएलओ द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

जिले के विधानसभा क्षेत्र बालाघाट-111 के मतदान केन्द्र क्रमांक-53 सोनेवानी के बीएलओ चतुर्भुज राणा द्वारा 100 प्रतिशत डिजिलाईजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 108 बैहर के मतदान केन्द्र क्रमांक-93 जल्दीदाण्ड के बीएलओ रविन्द्र सोनवाने द्वारा 98.71 प्रतिशत एवं मतदान केन्द्र क्रमांक-164 दुगलई के बीएलओ कृष्ण कुमार रहांगडाले द्वारा 96.30 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक-82 भारी के बीएलओ रजनीश गजभिए द्वारा 91.25 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक-95 सुमेरीखेडा के बीएलओ अजय सिसोदिया द्वारा 91.26 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक 86 पोगांरटोला के बीएलओ देवलाल जामने द्वारा 90.48 प्रतिशत, विधानसभा क्षेत्र परसवाडा-110 के मतदान केन्द्र क्रमांक-19 कोसमी की बीएलओ श्रीमति प्रमिला पटले द्वारा 91.86 प्रतिशत और विधानसभा क्षेत्र लांजी-109 के मतदान केन्द्र क्रमांक-292 टाटीकला के बीएलओ ओमप्रकाश ढाण्डेकर द्वारा 90.48 प्रतिशत डिजिलाईजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

कलेक्टर श्री मीना द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में तत्परता व सुगमता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने पर शीर्ष 06 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। उन्होंने शेष सभी बीएलओं से कहा कि वे भी एसआईआर के कार्य में शत प्रतिशत डिजिलाईजेशन सुनिश्चित करें। मतदाता सूची के सत्यापन कार्य में किसी भी तरह से लापरवाही न बरते। अपने दायित्वों का निर्वहन तत्परता व पूर्ण ईमानदारी के साथ करना तय करें।

युवक को सिर में जलती लकड़ी से मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के उप नगरी बूढ़ी के वार्ड नंबर 13 धोबी मोहल्ला में एक युवक को उसी के मोहल्ले के एक व्यक्ति ने सिर में जलती लकड़ी से मारकर घायल कर दिया। घायल युवक सचिन पिता दिनेश कनौजिया 27 वर्ष धोबी मोहल्ला बालाघाट निवासी का जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन कनौजिया मजदूरी करता है। 18 नवंबर की रात्रि 9 बजे सचिन अपने घर के सामने खड़ा होकर अपने भाई अभिषेक कनौजिया से बात कर रहा था। उसके बाद वह मोहल्ले के योगेश के घर के सामने जाकर आग ताप रहा था। तभी किसी बात को लेकर योगेश और सचिन के बीच विवाद हो गया था। उसके बाद सचिन अपने घर के सामने आ गया था। उसी समय योगेश हाथ में जलती लकड़ी लेकर आया और सचिन के सिर में जलती लकड़ी से वार कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया और खून निकलने लगा था ।सचिन के चिल्लाने सुनकर उसका छोटा भाई अभिषेक कनौजिया के अलावा परिवार के लोग दौड़े और बीच बचाव किये सचिन को उसके छोटे भाई अभिषेक कनौजिया ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया है। मामले की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

जिले में एसआईआर डिजिटाइजेशन में 35 प्रतिशत कार्य पूर्ण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र2026) का कार्य बालाघाट जिले में तेजी से जारी है। 19 नवंबर 2025 की शाम 4ञ्05 बजे तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का 35.04 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन एवं सतत मॉनिटरिंग में बालाघाट जिले के सभी 06 विधानसभा क्षेत्रों—बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी और कटंगी में यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर चल रहा है। जिले के 1675 मतदान केंद्रों से प्राप्त गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन संबंधित बीएलओ द्वारा प्रतिदिन लक्ष्य अनुसार किया जा रहा है। गणना पत्रक के डिजिटाइजेशन का विधानसभा क्षेत्र बैहर में 48.9 प्रतिशत, लांजी में 34.93 प्रतिशत, परसवाड़ा में 31.64 प्रतिशत, बालाघाट में 30.70 प्रतिशत,वारासिवनी में 34.18 प्रतिशत एवं कटंगी में 28.82 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिले के कुल 13 लाख 70 हजार 312 पंजीकृत मतदाताओं में से अब तक 04 लाख 80 हजार 112 गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। प्रशासन ने बीएलओ को प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि आगामी चरणों की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा है कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैहर विधानसभा क्षेत्र में अच्छा कार्य होने पर एसडीएम अर्पित गुप्ता एवं उनकी टीम की सराहना की है। जिला प्रशासन इसे समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। एस आई आर में अच्छा कार्य करने वाले बीएलओ को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत धनसुआ
जनपद पंचायत बालाघाट विकासखण्ड बालाघाट
जिला बालाघाट

क्रमांक/क्यू/ग्राम पं./धनसुआ दिनांक-19/11/2025

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत धनसुआ के ग्राम ओदा में सड़कबत्ती हेतु एलईडी स्टेटलाईट का कार्य कराये जाने हेतु कार्यालय कनिष्ठ अभियंता म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. वितरण केन्द्र भरवेली बालाघाट से पंजीकृत फर्म से दरें दिनांक 20/11/2025 से 26/11/2025 तक आमंत्रित की जाती है। दरे बंद लिफाफे में कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत धनसुआ में जमा की जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत धनसुआ
जनपद पंचायत
बालाघाट

सचिव
ग्राम पंचायत धनसुआ
जनपद पंचायत
बालाघाट

जबलपुर में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला क्रिकेट संघ सचिव निशांत मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आगामी समय मे अंडर 15 व अंडर 22 पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर के नीमखेड़ा स्टेडियम में किया गया है,जिसके लिए बालाबाट जिले की मजबूत टीम बनाने के लिए खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट

खेल प्रदर्शन के आधार पर गुरुवार की शाम करीब 4 बजे नगर के मुलना स्टेडियम में किया जाएगा। जिसमें मुख्य चयनकर्ता, शशी वर्मा, सलीम अन्सारी, सरफराज हुसैन व महेन्द्र सोनवाने दोनों ही आयु वर्ग की मजबूती टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन करेंगे। चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस, तकनीक, खेल कौशल और प्रदर्शन के आधार पर टीम का गठन करेंगे।जिला क्रिकेट संघ ने कहा है कि यह अवसर उन खिलाडियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो जिला और राज्य स्तर पर क्रिकेट में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। ट्रायल में अधिक संख्या में खिलाडियों की भागीदारी से जिले की मजबूत और प्रतिभाशाली टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। जिन्होंने विज्ञप्ति के माध्यम से युक्त चयन प्रक्रिया में अधिक से अधिक खिलाड़ियों के शामिल होने की अपील की है।

खेलो इंडिया विमेंस लीग' पेंचक सिलाट टूर्नामेंट सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पहली बार 'खेलो इंडिया विमेंस लीग पेंचक सिलाट टूर्नामेंट' का आयोजन 19 नवम्बर बुधवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय हॉल, में किया गया। जिसमें अपनी प्रतिभा दिखाने सिवनी, सतना ,देवास, जबलपुर ,रीवा और बालाघाट सहित अन्य जिलों के लगभग 300 महिला खिलाड़ी शामिल हुए।इस टूर्नामेंट का आयोजन बालाघाट प े ं च क सिलाट एसोसिएशन द्वारा किया गया।एसोसिएशन के सचिव प्रवीण नन्हेट ने बताया कि यह पहली बार है जब बालाघाट जिले में 'खेलो इंडिया विमेंस लीग' के अंतर्गत पेंचक सिलाट जैसी मार्शल आर्ट प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना और आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।प्रवीण नन्हेट ने आगे बताया कि प्रतियोगिता के लिए उत्कृष्ट विद्यालय का हॉल उपलब्ध कराया गया है, जहां खिलाडियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई थी। इस आयोजन से जिले की महिला खिलाडियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए एक बेहतर मंच मिलेगा।यह आयोजन न केवल बालाघाट बल्कि पूरे मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणादायक पहल साबित होगा।इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र लड़ संगठन के सचिव एवं अंतर्राष्ट्रीय रेफरी अभय श्रीवास, उत्कर्ष विद्यालय के प्राचार्य जोशी, क्रीड़ा अधिकारी शिक्षा विभाग दीपक गिरी गोस्वामी, एमएलबी स्कूल की खेल अधिकारी कंचन दास, उत्कृष्ट विद्यालय की खेल शिक्षिका सुनीता बिसेन,क्रीड़ा भारती प्रांत से कौशलेंद्र भाई, क्रीड़ा भारती बालाघाट के अध्यक्ष लालचंद पीपल्वर सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवक की आवश्यकता है, सिर्फ 35 वर्ष से नीचे के युवक ही आवेदन करें बालाघाट एवं आसपास के रहने वालेही संपर्क करें।
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कड़कड़ाती ठंड में सुबह स्कूल जाने को मजबूर नौनिहाल

प्रदेश के कई जिलों में सुबह लगने वाले स्कूल के समय में किया गया परिवर्तन, जिला प्रशासन ने अब तक स्कूल समय बदलाव के जारी नहीं किए आदेश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट सहित मध्य प्रदेश के कई जिलों में ठंड अपना रौद्र रूप दिखा रही है,नवंबर के पहले पखवाड़े से ही बालाघाट जिले सहित सिवनी छिंदवाड़ा डिंडोरी मंडला जैसे पड़ोसी जिलों में दिनों दिन पारा लुढ़कता जा रहा है। वही जिले के ग्रामीण अंचलो में लोगों के ठंड से बुरे हाल है। लगातार बढ़ रही ठंड अपना सितम दिखा ही रही है। इसी बीच खासकर भोपाल सहित प्रदेश के कुछ जिलों में सुबह लगने वाले स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया है। लेकिन बालाघाट जिला ऐसा जिला है जहां अब तक ठंड को लेकर सुबह लगने वाले स्कूलों के टाइमिंग में परिवर्तन नहीं किया गया है जिसके चलते जहां एक ओर नन्हे-मुन्ने स्कूली बच्चे इस कड़कड़ाती ठंड में ठिठुरते हुए स्कूल जाने के लिए मजबूर है। तो वहीं दूसरी ओर उनके अभिभावकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिसे देखते हुए स्कूली बच्चों के अभिभावकों सहित अन्य ने भोपाल सहित अन्य जिलों की तर्ज पर सुबह लगने वाले स्कूलों के समय में परिवर्तन किए जाने की मांग की है।

भोपाल में हो सकता है समय परिवर्तन तो बालाघाट में क्यों नहीं ?

आपको बताए की लगातार बढ़ती जा रही कड़कड़ाती ठंड को देखते हुए भोपाल कलेक्टर ने भी भोपाल जिले में संचालित होने वाले स्कूलों के समय मे बदलाव किया है।जारी आदेश के अनुसार भोपाल जिले में संचालित शासकीय, अशासकीय, सीबीएससी, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं समस्त बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालियों में शीत ऋतु एवं तापमान में आई गिरावट को देखते हुए वहां के कलेक्टर ने शाला लगने के समय में परिवर्तन कर दिया है।जिसमें स्पष्ट उल्लेख किया गया है छात्रहित में जिले में सभी शासकीय व आशसकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक समस्त विद्यार्थियों के लिए प्रात: 8.30 बजे से सायंकाल 5 बजे के मध्य ही शालाएं आगामी आदेश तक के लिए संचालित होंगी। उक्त आदेश भोपाल कलेक्टर के द्वारा जारी किया जाकर तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सवाल यह उठता है कि जब भोपाल में सुबह लगने वाले स्कूलों के समय में परिवर्तन करने के आदेश जारी किए जा सकते हैं तो फिर बालाघाट में क्यों नहीं। जिला प्रशासन को भी इस दिशा में पहल कर नन्हे-मुन्ने स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को राहत पहुंचानी चाहिए। लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो सका है।वहीं जिले में अब तक बालाघाट कलेक्टर द्वारा प्रात कालीन स्कूल के समय में बदलाव के ऐसे कोई आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

सर्दी खांसी जुकाम से ग्रसित हो रहे बच्चे

बताया जा रहा है अभी शीतलहर चल रही है बच्चों को उठने में तकलीफ होती है ,उन्हें स्कूल जाने और अभिभावकों को उन्हें स्कूल ले जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्दी के मौसम में एकदम सुबह-सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से सर्दी खासी बुखार हो रहा है।हर बार जिला प्रशासन द्वारा सर्दी के मौसम में स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जाता था लेकिन इस बार स्कूल की टाइमिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

हर साल आते हैं आदेश, पर इस साल नहीं आए

बताया यह भी जा रहा है कि स्कूलों के समय बदलाव को लेकर कोई आदेश नहीं आए हैं।जबकि हर साल शीतलहर में स्कूलों का समय बदलता था।लेकिन इस बार समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है ।बच्चे ठंड में स्कूल आ रहे हैं बच्चों की परेशानी को देखते हुए स्कूल लगने के समय में बदलाव किया जाना चाहिए।बताया गया कि ज्यादातर छोटे बच्चों का स्कूल सुबह 7:30 बजे लगता है।इस ठंड वाले मौसम में ना सिर्फ बच्चे, बल्कि बड़े और बुजुर्ग भी परेशान हो रहे हैं।हर साल शीतलहर को देखते हुए प्रात: कालीन स्कूल के समय में बदलाव किया जाता है।लेकिन अभी तक समय बदलाव की कोई आदेश नहीं आए हैं।

आदेश आने पर पालन कराया जाएगा-उपाध्याय

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी एके उपाध्यक्ष ने बताया कि वे भोपाल मीटिंग में आए हुए हैं ।फिलहाल सर्द मौसम को देखते हुए सुबह लगने वाले स्कूलों को लेकर जिले के लिए आदेश विभाग को प्राप्त नहीं हुए हैं। जैसे ही इसके कोई आदेश आते हैं तो उन आदेशों का पालन कराया जाएगा।

मारपीट के मामले में आरोपी सहित पत्नी और मां को 6-6 माह का साधारण कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी श्रीमती शीनी जैन की अदालत ने मारपीट के मामले में एक व्यक्ति उसकी पत्नी और मां को 6-6 माह का साधारण कारावास की सजा सुनाई। ये तीनो आरोपी जिनमे विनोद पिता बलिराम मिसारे 41 वर्ष,मीराबाई पति विनोद मिसारे 41 वर्ष और हिरनबाई पति बलिराम मिसारे 61 वर्ष तीनों ग्राम सेवती थाना किरनापुर निवासी है। जिन्हें 3 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया गया है। इस मामले के विचारण के दौरान एक आरोपी बलिराम मिसारे की मृत्यु हो चुकी है।

घटना की संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है कि ग्राम सेवती में बलिराम और उसके छोटे भाई मनीराम के बीच खेत की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। 1 जुलाई 2019 को 11बजे मनीराम अपने लड़के अनिल एवं पत्नी दुर्गा के साथ अपने खेत धान की खार डालने के लिए गये थे। तभी बलिराम अपने बेटा विनोद, पत्नी हिरन बाई और बहू मीराबाई के साथ खेत में आए और मनीराम को अश्लील गालियां देने लगे और बोले कि उनके हिस्से में खार क्यों डाल रहा है। मनीराम ने उन्हें गाली देने से मना किया तभी बलिराम अपने बेटे विनोद हिरन बाई और बहू मीरा बाई के साथ मनीराम को मारपीट करने लगे बीच बचाव करने मनीराम की पत्नी दुर्गाबाई और बेटा अनिल आए तब उन्हें भी इन लोगों ने मिलकर पत्थर और लकड़ी से मारपीट किए। इन लोगों द्वारा की गई मारपीट में मनीराम उसका बेटा अनिल और पत्नी दुर्गा घायल हो गए थे। इसके बाद बलिराम ने इन लोगों को दोबारा खेत में आने पर जान से मार डालने की धमकी दी थी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल मनीराम अपनी पत्नी दुर्गाबाई और बेटे अनिल के साथ रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर थाना पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने तीनों घायलों का इलाज और मुलाहिजा करवाये। और मनीराम मिसारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर बलिराम उसकी पत्नी हिरणबाई बेटा विनोद और बहू मीराबाई के विरुद्ध धारा 294 323 325 506 और 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था और इस मामले में चारों को गिरफ्तार कर अभियोग पत्र अदालत में पेश किया गया था विद्वान अदालत में इस मामले के चलते आरोपी बलिराम की मृत्यु हो चुकी है।

हाल ही में यह मामला माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी श्रीमती शीनी जैन की अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष तीनों आरोपी के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा।माननीय न्यायालय ने इस मामले में विनोद मिसारे उसकी पत्नी मीरा मिसारे और मां हिरण बाई मिसारे को धारा 323/34 भादवि के तहत न्यायालय उठने तक का कारावास, और 500-500 रुपये अर्थदण्ड, धारा 325/34 भादवि के तहत 6-6 माह का साधारण कारावास और 500-500 रुपये अर्थदंड , इस प्रकार कुल 3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।इस मामले की पैरवी कपिल कुमार डहेरिया सहायक संचालक (अभियोजन) के मार्गदर्शन में श्रीमती शाहजहां अंसारी सहायक जिला अभयोजन अधिकारी द्वारा की गई थी।

ट्रैक्टर ट्राली में दबने से मजदूर की मौत

वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम बोदलकसा- नारवंजपार सड़क का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोदलकसा से नारवंजपार मार्ग में एक मजदूर की ट्रैक्टर ट्राली में दबने से मौत हो गई। मृतक का नाम थाना रामपायली ग्राम बोदलकसा निवासी 28 वर्षीय अतीत पिता रामनाथ बिसेन बताया गया है।जिसकी देर शाम मौत होने के बावजूद भी उसके परिजनो को ट्रैक्टर चालक व मालिक द्वारा मामले की जानकारी नहीं दी गई थी, जहां रात्रि करीब 10 बजे परिजनों को वारासिवनी थाने से अतीत की मौत की जानकारी मिली। जिसके शव का बुधवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। वही मामले की जांच सम्बधित थाना पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

ट्रैक्टर ट्राली में दबने से हुई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोदलकसा निवासी अतीत बिसेन अविवाहित था।जो किसानी के साथ साथ गांव में ही एक ट्रैक्टर मालिक जगदीश जैतवार के यहां ट्रैक्टर में मजदूरी का काम भी करता था।बताया गया कि मंगलवार को अतीत बिसेन ट्रैक्टर मालिक जगदीश जैतवार और दिनेश जैतवार के साथ किसी किसान का धान लेकर नारवंजपार गया हुआ था।जहां से वापस लौटते समय गांव की समीप अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया,जिससे ट्रैक्टर मालिक जगदीश जैतवार, दिनेश जैतवार और मजदूर अतीत बिसेन, टैक्टर से गिर गए, जहा अनियंत्रित ट्रेक्टर की ट्राली पलटने से अतीत ट्राली की चपेट में आ गया।जिसकी अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते मे ही मौत हो गई।

हादसे के बाद निकटतम स्वास्थ्य केंद्र नहीं ले जाया गया

परिजनों द्वारा बताया गया कि घटना के वक्त ट्रैक्टर, जगदीश जैतवार चला रहा था, जबकि दिनेश जैतवार और अतीत बिसेन दोनों ट्रैक्टर पर बैठे हुए थे,परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मालक द्वारा सीधे अतीत बिसेन को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया जा रहा था ,जहां रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।इस हादसे पर परिजनों ने संदेह व्यक्त किया है। परिजनों के मुताबिक हादसा गांव के नजदीक हुआ था इसलिए हादसे के तुरंत बाद, घायल अतीत को गांव से नजदीक स्वास्थ्य केंद्र बुदबुदा, झालीवाड़ा या वारासिवनी लेकर उसका प्राथमिक उपचार कराया जाना था, लेकिन ट्रैक्टर मालिक द्वारा ऐसा नहीं किया गया, बल्कि निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों को छोड़कर घायल अतीत को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया जा रहा था, जहां रास्ते में ही अतीत की मौत हो गई।उधर शाम करीब 7 बजे की दरमियान जिला अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने अतीत को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है शाम को अतीत की मौत होने पर भी मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को नहीं दी गई, बताया गया की रात्रि करीब 10 बजे वारासिवनी पुलिस द्वारा मामले की जानकारी से मृतक के परिजनों को अवगत कराया गया है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

चिकित्सकों से मार्ग डायरी मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर, शव को अपने कब्जे में लिया। वही रात अधिक हो जाने के चलते शव का पोस्टमार्टम नही हो सका।जिसपर शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। उधर बयान के लिए मृतक का कोई भी परिजन मौजूद नहीं था ,इसीलिए अतीत के साथ उपस्थित ग्रामीणो के प्राथमिक बयान दर्ज किए गए, जिनके कथन, भी परिजनों के कथन अलग-अलग होने की बात कही जा रही है। उधर वारासिवनी पुलिस से देर रात मामले की जानकारी मिलने पर बुधवार की सुबह मृतक के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई, जिसके उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। वही इस पूरे मामले की जांच के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई गई है जिसके आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

दो लोगों ने मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्किट हाउस रोड भाजपा कार्यालय के सामने दो लोगों ने एक मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर उसे हाथ मुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। घायल मोटरसाइकिल सवार युवक प्रवीण पिता हरिदास मोहारे 24 वर्ष ग्राम सिहोरा थाना नयागांव निवासी है जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। इस युवक को मारपीट करने वाले कुलदीप लिल्हारे,अनिल लिल्हारे बताए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवीण मोहारे भरवेली माइंस में ठेकेदारी में काम करता है।जिसकी कुलदीप लिल्हारे और अनिल लिल्हारे के साथ पूर्व से किसी बात को लेकर रंजिश बनी हुई थी। 19 नवंबर को दोपहर में प्रवीण मोहारे भरवेली माइंस से अपना काम निपटा कर मोटरसाइकिल में अपने घर जाने निकला था। तभी भाजपा कार्यालय के पास से जाते समय पुरानी रंजिश को लेकर कुलदीप लिल्हारे और अनिल लिल्हारे ने प्रवीण मोहारे को रोका और पुरानी रंजिश को लेकर उसे हाथ मुक्के से मारपीट करने लगे। जिसका बीच बचाव कृष्ण कुमार नगपुरे महेश झलपे ने किया। उसके बाद मारपीट में घायल प्रवीण मोहारे को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल लाकर उसका इलाज करवाये। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रवीण मोहारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

भतीजे ने चाचा की धान की खरई में लगाई आग चाचा ने भतीजे को पीटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गन्नाटोला में घर के सामने रखी धान की खरई में आग लगने से गुस्सा आए एक व्यक्ति ने अपने भतीजे की डंडे से पिटाई कर दी। डंडे से की गई मारपीट में घायल युवक महेश पिता पांडुरंग पटले 28 वर्ष गन्नाटोला कान्द्रीकला निवासी को किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किया गया। जिसके विरुद्ध धान की खरई में आग लगा कर नुकसान करने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया हैऔर इस युवक के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके चाचा लुरधन पिता भागचंद पटले 46 वर्ष के विरुद्ध भी मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कान्द्री कला के गन्नाटोला निवासी लूरधन पटले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसने अपने 1 एकड़ खेती की धान की फसल काट कर घर के सामने आंगन में खरई (पूजना) बनाकर रख दी थी। 18 नवंबर की शाम 7:30 बजे लुरधन पटले अपने काका दीवान जी पटले के घर में बैठा था। तभी उसके भतीजे महेश पटले ने धान की खरई में आग लगा दिया। महेश पटले को धान की खरई में आग लगाते हुए लूरधन पटले की पत्नी किरण पटले ने देख ली थी और वह घर में चिल्ला रही थी, कि महेश पटले ने धान की खरई में आग लगा दिया है। आवाज सुनकर लूरधन पटले के अलावा मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बाल्टी से पानी डालकर धान की खरई में लगी आग बुझाने का प्रयास किये। किंतु आग काफी भड़क चुकी थी। आग से धान की खरई जलकर राख हो गई। जिससे 40हजार रुपये की नुकसान हुई। धान की खरई में महेश पटले द्वारा आग लगने से लूरधन पटले आवेश में आ गया और वह डंडा लेकर के अपने भतीजे महेश पटले के घर पहुंचा और लूरधन पटले ने अपने भतीजे महेश पटले को अश्लील गालियां देते हैं उसे डंडे से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर दिया। और दोबारा धान की खरई तरफ दिखने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल महेश पटले को किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किया गया। किरनापुर पुलिस ने लूरधन पटले 46 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे महेश पतले के विरुद्ध फसल में आग लगाकर नुकसान करने के आरोप में धारा 326(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया वहीं महेश पटले 28 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके चाचा लुरधन पटले के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है।

आनंद आश्रम में साई नाथ महाराज का 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव कल से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नाहरवानी केशलेवाड़ा स्थित ओम श्री सिद्ध साईं शक्तिपीठ आनंद आश्रम में श्री सच्चिदानंद सतगुरू साईनाथ महाराज के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 21 से 23 नवंबर तक आयोजित इस 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव में रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे ।जिसमें 21 नवंबर शुक्रवार प्रात: 5:30 बजे कांकड़ आरती, मंगल स्नान, 6:15 बजे डिण्डी यात्रा, ग्राम सफाई, भजन मंडल साई मंदिर भालवा द्वारा होगा। दोपहर 2 बजे मध्यान्ह आरती, शाम 6:30 बजे धूप आरती, मेहंदी रस्म, व रात्रि 10 बजे शेजारती का कार्यक्रम होगा। इसी तरह 22 नवंबर दिन शनिवार को प्रात: 5:15 बजे कांकड़ आरती, मंगल स्नान, 7:30 बजे साई चालीसा पाठ, 11 बजे गुरुदेव हजरत आजाद शाह वारसी सुल्तानपुरी (यूपी) के दिव्य सानिध्य में एवं बाबा पतिराम सहारे साई मंदिर परसवाड़ा का आगमन व ध्वजारोहण संपन्न कराया जाएगा। वहीं दोपहर 12 बजे मध्यान्ह आरती, दोपहर 2 बजे हवन पूजन, शाम 5 बजे साई सेवा मंडल बुढेना खुर्द एंव नागपुर द्वारा चादर भेंट की जाएगी ।वही शाम 6:30 बजे धूप आरती, 7:30 बजे सुंदरकांड ,रात्रि 10 बजे शेजारती का कार्यक्रम होगा। इसी तरह इस वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन 23 नवंबर रविवार को प्रात: 5:15 बजे कांकड़ आरती ,अभिषेक पूजा ,8:30 मंगल आरती पश्चात श्री सच्चिदानंद सद्गुरु साईनाथ महाराज की पालकी यात्रा का भ्रमण नाहरवानी केशलेवाड़ा में कराया जाएगा। वहीं शाम 5 बजे दहीकाला श्याम साधक महाराज संत गोपाल आश्रम, श्री विठ्ठल रूखमणी सिध्दपीठ जागपुर द्वारा किया जाएगा ।जिसके उपरांत शाम 6:30 बजे धूप आरती, 7:30 बजे साई भजन संध्या(एक शाम साई के नाम का आयोजन कर 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव का समापन किया जाएगा ।आयोजन के दौरान महाप्रसाद का कार्यक्रम नियमित रूप से चलता रहेगा ।21 से 23 नवम्बर तक आयोजित इस वार्षिक उत्सव में समस्त ग्रामवासी एवं साई भक्तो द्वारा उपस्थिति की अपील की गई है।

मवेशियों को डंडे से निर्दयतापूर्वक मारते ले जा रहा एक आरोपी गिरफ्तार- दो फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बरसा पुलिस ने मवेशियों को डंडे से निर्दता पूर्वक मारपीट कर ले जाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति शिवप्रसाद पिता मोहनलाल बिसेन 55 वर्ष ग्राम सारसडोल थाना मलाजखंड निवासी है।जिसके पास 6 नग मवेशी बोदे पाये गये। इन मवेशियों को बंजारीटोला मलाजखंड कांजी हाउस के सुपुर्द कर दिया गया है। इस मामले के दो अन्य आरोपी मुकेश बंजारा ग्राम सीतापुर और भैयालाल तिनसाटोला दोनो मलाजखंड निवासी फरार है। मलाजखंड पुलिस के मुताबिक 18 नवंबर को सुबह उप निरीक्षक शिवलाल परते अपने स्टाफ के आरक्षक नेमी सिह राजपूत आरक्षक विनोद प्रजापति के साथ देहात भ्रमण में थे। इस दौरान सूचना मिली कि बिरसा तरफ से एक व्यक्ति मवेशियों को मारते पीते दौड़ाते हुए ले जा रहा है। इस सूचना पर उप निरीक्षक शिवलाल परते पुलिस टीम के पतासाजी करते हुए बिरसा बस स्टैंड के आगे पहुंची थी कि मेन रोड में एक व्यक्ति कुछ मवेशियों को डंडे से निर्दयता पूर्वक मारते पीते ले जा रहा है।पुलिस टीम ने इस व्यक्ति को रोके किंतु वह व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा था। किंतु पुलिस टीम ने उसे व्यक्ति को पकड़ कर पूछताछ किये। जिसने अपना नाम शिव प्रसाद बिसेन ग्राम सासडोल मलाजखंड निवासी बताया। जिसके पास 6 नग मवेशी बोदा पाए गए। पूछताछ में इस व्यक्ति ने बताया कि मवेशी मालिक मुकेश बंजारा निवासी सीतापुर और भैया लाल ग्राम तिनसा टोला निवासी ने 6 नग बोदा ग्राम गंडई छत्तीसगढ़ से सीतापुर पहुंचने के लिए प्रति जोड़ी 1000 रुपये मजदूरी देने के लिए बोले और वह उक्त मवेशियों को गंडई से सीतापुर मलाजखंड लेकर जा रहा था। इस व्यक्ति के पास इन मवेशियों के खरीदी बिक्री के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं पाए गए। इस मामले में शिवप्रसाद बिसेन और मुकेश बंजारा, भैयालाल के विरुद्ध धारा 11(घ) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 और धारा 4,11 मध्य प्रदेश कृषक परिरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया और इस अपराध में शिव प्रसाद बिसेन को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मुकेश बंजारा और भैयालाल फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। 6 मवेशियों को बंजारीटोला मलाजखंड स्थित कांजी हाउस के सुपुर्द कर दिया गया है।

करोड़ों की लागत से बना मंडी कॉम्पलेक्स के नीलामी न होने से बेरोजगार मायूस

देखरेख के अभाव में जीर्ण-शीर्ण हो रहा भवन, अवैध कब्जे और गंदगी का अंबार, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग पर करोड़ों रूपयों की लागत से मंडी निधि से निर्मित विशाल मंडी कॉम्पलेक्स विगत कई वर्षों से बनकर तैयार हो चुका है। जिसका लोकार्पण भी हो चुका है, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती और नीलामी की धीमी प्रक्रिया के कारण यह मंडी काम्पलेक्स अब तक बेरोजगार युवाओं के लिए व्यवसाय का केंद्र नहीं बन पाया है। करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स की यह संपत्ति आज देखरेख के अभाव में जीर्ण-शीर्ण होते जा रही है। साथ ही गंदगी का अंबार भी लगा हुआ है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स में बने कमरे औचित्यहीन साबित हो रहे है। अगर मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी कर दी जाती है तो बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा एवं शासन को राजस्व भी प्राप्त होगा। लेकिन जिस मंशा से करोड़ों रूपयों की लागत से काम्पलेक्स का निर्माण किया है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते अब तक नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण नही हो पाई है। जिससे क्षेत्र के बेरोजगारों में नाराजगी देखी जा रही है और बेरोजगार युवा सहित फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों के द्वारा जल्द नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण कर कमरे आवंटित करने की मांग की है।

बेरोजगार युवाओं की आस पर फिरा पानी

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने करीब 5 करोड़ रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण कर 72 कमरे बनाये गये है। ताकि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को कमरे आबंटित कर उन्हे रोजगार उपलब्ध करवा सके। साथ ही करीब 3 वर्ष पूर्व मंडी काम्पलेक्स का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद लोकार्पण भी कर दिया गया है परन्तु अब तक नीलामी की प्रक्रिया पूरी नही हो पाई है। वहीं देख-रेख के अभाव में भवन एवं परिसर में गंदगी फैली हुई है एवं कुछ स्थानों से टुट-फुट भी हो चुकी है। साथ ही रात्रि के समय असामाजिक तत्व शराब का सेवन भी करते है। इस तरह से मंडी काम्पलेक्स असामाजिक तत्वों का अड्डा भी बनते जा रहा है। साथ ही जल्द मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर कमरे आवंटित नही किया गया तो धीरे-धीरे भवन देख-रेख के अभाव में जीर्णशीर्ण होने लगेगी। जबकि इस मंडी काम्पलेक्स का निर्माण स्थानीय बेरोजगार युवाओं को सस्ती दरों पर दुकानें उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से किया गया था। निर्माण कार्य पूरे हुए 3 से 4 वर्ष होने लगे है। बावजूद इसके अब तक दुकानों के आवंटन हेतु नीलामी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। जिससे स्थानीय बेरोजगार युवाओं में निराशा देखी जा रही है। बेरोजगार युवाओं ने बताया कि मंडी काम्पलेक्स की बिल्डिंग तैयार देखकर हमें आस जगी थी कि हमें जल्द ही एक स्थायी दुकान मिलेगी, लेकिन वर्षों से यह बिल्डिंग बस खड़ी है और प्रशासन एवं बड़े जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स औचित्यहीन साबित होने के साथ ही देख-रेख के अभाव में धीरे-धीरे खराब भी होने लगी है।

गंदगी का अंबार और अवैध कब्जा

देखरेख के अभाव में यह नव-निर्मित मंडी काम्पलेक्स अब समस्याओं का गढ़ बन चुका है। साथ ही परिसर के अंदर और बाहर चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं सूत्रों के अनुसार मंडी काम्पलेक्स परिसर में बने कमरों में कुछ लोगों के द्वारा अवैध कब्जा कर दुकानें संचालित की जा रही हैं या इसका उपयोग निजी भंडारण के लिए किया जा रहा है। जिससे पात्र एवं जरूरतमंद बेरोजगारों का हक मारा जा रहा है, जिनके लिए यह कॉम्पलेक्स बनाया गया था।

विधायक से निरीक्षण की गुहार

स्थानीय नागरिकों और बेरोजगार युवाओं ने करोड़ों रूपयों की लागत से बने मंडी काम्पलेक्स जिसका लोकार्पण हुए करीब 3 वर्ष होने लगे है। लेकिन अब तक नीलामी प्रक्रिया कर बेरोजगार को आवंटित नही किये जाने एवं देख-रेख के अभाव में भवन खराब होने लगी है। इस पर क्षेत्रीय विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से निरीक्षण कर नीलामी की प्रक्रिया जल्द पूर्ण करवाकर बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध हेतु कमरे आवंटित करवाने की मांग की है। वहीं बेरोजगार युवा व स्थानीयजनों ने विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से जिस तरह से उनके द्वारा जिले में अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण कर गति प्रदान की जा रही है। उसी तरह वे लालबर्रा के इस महत्वपूर्ण मंडी कॉम्पलेक्स का भी निरीक्षण करें और अधिकारियों को नीलामी की प्रक्रिया तुरंत पूरी करने के निर्देश दे। वहीं मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की जल्द से जल्द क्रियाशील बनाना न केवल सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

देख-रेख के अभाव में काम्पलेक्स हो रहा खराब - जितेन्द्र

जितेंद्र गोयल ने बताया कि मंडी निधि से लालबर्रा हाई स्कूल रोड़ पर करोड़ों रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है लेकिन अब तक कमरों का आवंटन नही हुआ है। जिसके कारण यह अनुपयोगी साबित हो रहा है। श्री गोयल ने बताया कि कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूर्ण कर आवंटित कर दिये जाते है तो बहुत से लोगों को रोजगार मिलेगा। क्षेत्रीय विधायक महोदया से अपील है कि वे इस मामले को संज्ञान में लें और जनता को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए जल्द से जल्द मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी और आवंटन करवाने की पहल करे क्योंकि देख-रेख के अभाव में काम्पलेक्स खराब होने लगा है। साथ ही जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नगर मुख्यालय में बहुत से दुकानदार फुटपाथ पर दुकान लगा रहे है। कमरों की नीलामी होने से उन्हे स्थाई दुकान मिल जायेगी।

जल्द की जायेगी ई-नीलामी - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी लालबर्रा के सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि जल्द ही मंडी काम्पलेक्स का निरीक्षण कर जिन लोगों के द्वारा शासकीय कमरों के ताला तोड़कर अवैध कब्जा कर दुकान एवं सामग्री रख रहे है और गंदगी करने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। साथ ही जल्द ही शासन स्तर से ई-नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण कर कमरे आवंटित किये जायेगें।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का नगरागमन आज

जगह-जगह किया जायेगा स्वागत, संगठन को मिलेगी मजबूती - प्रसन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का 20 नवंबर को लालबर्रा नगर में प्रथम आगमन हो रहा है। जिनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है, जिनका जगह-जगह स्वागत किया जायेगा एवं लालबर्रा विश्राम गृह के सामने दोपहर 2 बजे भव्य स्वागत भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा किया जायेगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि यह लालबर्रा के भाजपा परिवार के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पहली लालबर्रा आगमन हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष का काफिला सर्वप्रथम जिले की प्रवेश नगरी कंजई पहुंचेगा जहां पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया गया। जिसके बाद वे लालबर्रा पहुंचेगें और लालबर्रा विश्राम गृह के सामने दोपहर 2 बजे भाजपा मंडल लालबर्रा के तत्वाधान में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया जायेगा। श्री अवधिया ने बताया कि लालबर्रा में स्वागत कार्यक्रम के पश्चात श्री खंडेलवाल बालाघाट के लिए रवाना होगें। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नगरामन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होने के साथ ही संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं आगामी कार्ययोजनाओं को एक नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्या श्रीमती सरिता माते, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, महामंत्री राजेन्द्र परिहार, धनेन्द्र भलावी, उपाध्यक्ष रूपचंद मानेश्वर, सत्यनारायण श्रीवास, राजेश नगपुरे, अनिता अग्रवाल, उपेन्द्र तुरकर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजीव अवधिया, डॉ. अरूण लागने, देवेन्द्र अवधिया, हितेश ठाकरे, गुलशन नागेश्वर, राजू एड़े, डॉ. सुरेन्द्र हनवत, विजय पटले, थानेन्द्र ठाकरे, शोभा सोनी, हुकुमचंद ठाकरे, सतानंद दमाहे, पूर्व मंडल अध्यक्ष योगेश लिल्हारे, वेदसिंह ठाकुर, ईश्वरी बिसेन, अरूण गौतम, राकेश अग्रवाल, बालकृष्ण बिसेन, बालकरण पंचेश्वर, खुमान ठाकरे, प्रशांत जैन, राजेश गोस्वामी, विजय बोपचे, सुजीत बिसेन, हिमालय टेंभरे, सोमेश क्षीरसागर, मयंक माते सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

नेवरगांव वा. हायर सेकेण्डरी स्कूल में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में दो सौं से अधिक ग्रामीण एवं विद्यार्थियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का जन्मदिन को कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत 19 नवंबर को जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों के द्वारा 200 से अधिक ग्रामीणजन एवं विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयां प्रदान कर स्वास्थ्य के संबंध में उचित मार्गदर्शन दिया गया। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे ने सभी के स्वास्थ्य जीवन की सकुशल होने की कामना की है। आपकों बता दे कि विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के जन्मदिन को कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के द्वारा क्षेत्र में एक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत 19 नवम्बर को नेवरगांव (वा.) में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों सहित स्थानीय चिकित्सकों ने अपनी सेवा दी और ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया। वहीं 20 नवंबर को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का जन्मदिन जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत धपेरा के आदिवासी ग्राम कट्टीटोला में समर्थकों व कार्यकर्ताओं के द्वारा विधायक श्रीमती मुंजारे की उपस्थिति में मनाया जायेगा। नेवरगांव वा. में आयोजित इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खमरिया अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, बालकृष्ण बिसेन विधायक प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधिसोमेंद्रसिंह पटले, ईश्वरी चौधरी मंडल अध्यक्ष नेवरगांव (वा.), महेशपूरी गोस्वामी, निसार खान, रजक चौहान, श्रीमती लक्ष्मी वाघाडे प्रदेश महिला कांग्रेस महासचिव, पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती रंजना चौहान, नेवरगांव (वा.) सरपंच श्रीमती दिलेश्वरी हनवत, पाथरी सरपंच श्रीमती धनवंता पटले, श्रीमती जीरनबाई बोपचे, श्रीमती शर्मिला बोरकर, श्रीमति लक्ष्मी हनवत, श्रीमती अनिता शेन्द्रे, श्रीमती सुनीता मेश्राम, श्रीमती ऊषा मिश्रा, लालबर्रा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे, डॉ. पारूल, डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया, श्रीमती सपना धुर्वे, श्रीमती लक्ष्मी पंचेश्वर, चंचल प्रधान, शैलेश वर्षेकर, खिलेश भारती, मनीषा मसखर, सत्यभामा पारधी, माहेश्वरी चौधरी, कांता देवारे, पूजा खडसे, लक्ष्मी बिसेन सहित स्कूल प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री प्रियदर्शनी स्व. इंदिरा गांधी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 19 नवंबर को देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री प्रियदर्शनी स्व. इंदिरा गांधी की 108 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे सहित अन्य कांग्रेसियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसीजनों ने देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और उनके बताये मार्गो पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान कांग्रेसियों ने 'जब तक सूरज चांद रहेगा इंदिरा तेरा नाम रहेगा, इंदिरा गांधी अमर रहे' सहित अन्य नारे लगाते हुए उन्हें याद किया। जिसके बाद सभी कांग्रेसी पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा पहुंचे जहां भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना एवं जल्द स्वस्थ होने की कामना की और मरीजों को फल वितरित किये। इस जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कांग्रेसी पदाधिकारियों ने देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रनेत्री प्रियदर्शनी, आयरन लेडी सहित स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी जी को अन्य नामों से जाना जाता है जिनका जन्मदिन आज पूरे राष्ट्र में मनाया जा रहा है। उसी प्रकार लालबर्रा विकासखण्ड में भी उनकी 108 वीं जयंती मनाई गई। साथ ही उपस्थितजनों ने संगठित होकर स्व. इंदिरा गांधी जी के बताये मार्ग पर चलकर पार्टी व देशहित में काम करने का संकल्प लिया है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि 19 नवंबर को देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की 108 वीं जयंती लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा मनाई गई और उन्हे आयरन लेडी के नाम से भी जाना जाता था। जिन्होने देशहित में अनेकों कार्य किये है, आज सभी कांग्रेसी उनकी जन्म जयंती बनाकर उन्हे याद किया है एवं उनके बताये मार्ग पर चलकर देशहित में काम करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किये गये। इस अवसर पर मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, बलेश रहांगडाले, सुनिल अवधवाल, ओपी बिसेन, इमरान खान, नितिन साखला, श्री सोनी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर आध्यात्मिक गीत-भजन और अन्य कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

धूमधाम से मनाया जा रहा है भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे अस्पताल कालोनी स्थित मनकामेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में 16 नवंबर से भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्म जयंती समारोह सप्ताह हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस 8 दिवसीय जन्म जयंती समारोह सप्ताह कार्यक्रम में रोजाना विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में श्री सत्य सांई बाबा के जन्म जयंती समारोह के चौथे दिन 19 नवंबर को महिला दिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित महिलाओं के द्वारा भगवान श्री सत्य सांई बाबा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात ओमकारम्, वेदपाठ, पांच भजन एवं अन्य कार्यक्रम संपन्न हुए। जिसके बाद विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें आध्यात्मिक लोकगीत, भजनों की प्रस्तुती, आध्यात्मिक भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। वहीं इस महिला दिवस के अवसर पर ढोलक मास्टर को शाल, श्रीफल एवं अतिथि श्रीमती शुभांगी सोनी, श्रीमती संगीता पारधी, संगीता दीदी को भी उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित श्री सत्य सांई समिति के महिला पदाधिकारियों के द्वारा भगवान श्री सत्य सांई बाबा के जीवन पर प्रकाश डालकर उनके जीवन गाथाओं व महिला दिवस मनाने का उद्देश्य के बारे में बताया गया और श्री सत्य सांई बाबा की महामंगल आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण का कार्यक्रम का समापन किया गया। श्री सत्य सांई समिति सदस्या श्रीमती अनिता देशमुख ने बताया कि भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव सप्ताह 16 नवंबर से 23 नवंबर तक मनाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन सुबह 5.30 बजे से 6.30 बजे तक ओमकारम्, सुप्रभातम्, नगर संकीर्तन, शाम 6.30 बजे से रात 8.30 बजे तक भजन, सांई कथा, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी, बाल विकास बच्चों के कार्यक्रम, सांई संदेश, महामंगल आरती की जाती है एवं 19 नवंबर को महिला दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें विविध आध्यात्मिक गीत-भजन व अन्य कार्यक्रम आयोजित कर श्री सत्य सांई बाबा के जन्म जयंती समारोह के बारे में जानकारी दी गई।

श्रीमती देशमुख ने बताया कि 23 नवंबर को दोपहर 12 बजे ध्वजारोहण एवं अस्पताल का विजिट किया जायेगा, शाम 6.30 बजे से माँ सरस्वती प्रांगण लालबर्रा में विशेष भजन बाल विकास बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण, महामंगल आरती के बाद प्रसादी का वितरण के साथ ही भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्म जयंती समारोह का समारोहपूर्वक समापन किया जायेगा। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति लालबर्रा की महिलाएं एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रमरमा सरपंच पुत्र और अन्य को अपहरण के अपराध में न्यायालय ने भेजा जेल

मामला रमरमा के महिला अपहरण, चोरी एवं मारपीट का

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रमरमा में घटित अपहरण चोरी एवं मारपीट के अपराध में पुलिस के द्वारा १९ नवंबर को न्यायालय के समक्ष चालान प्रस्तुत किया गया। जिसमें अपराध से संबंधित साथ आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए जिन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या सिंह के द्वारा जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना वारासिवनी में आवेदिका २१ वार्षिय युवती के द्वारा शिकायत की मैं कक्षा १२ वीं तक पढ़ाई की है। मेरे परिवार में मेरे पति ,मेरी दादी सास ,ससुर और जेठानी रहते है। ३१ मई २०२५ के रात १ बजे की बात है मैं अपने मायके पिता के घर में सोई थी घर पर मेरी नानी, छोटी बहन जो अलग कमरे में सो रहे थे। कमरे में सो रही थी तभी जोर जोर से मेरे कमरे का दरवाजा खटखटाने की आवाज सुनकर मेरी नींद खुल गई। तब चंद्रप्रकाश उर्फ रोनू बिसेन जोर जोर से मेरे कमरे का दरवाजा खोल बोल रहा था मैंने दरवाजा खोलने से मना किया तो दरवाजे को धक्का मारने लगा। जिससे दरवाजा का कुंदा टूट गया तब चन्द्र प्रकाश उर्फ रोनू बिसेन ,अनुपचंद मरार, राकेश बिसेन ,रमेश बिसेन, करण परते ,मोहित पवार, मनोज राउत सभी मेरे कमरे के अंदर घुसकर मुझे जबरदस्ती

पकड़कर मुझे कमरे से बाहर ले गये। इन्होने एक सफेद रंग की मार्सल में बैठाकर ले गये। मैं बेहोश हो गई थी मुझे सुबह सुबह होश आया तो मुझे उन लोगों ने एक रिसोर्ट में लेकर गये। जहाँ गाँव की सरपंच विमलाबाई बिसेन और गाँव के चार पांच पंच जिनका मुझे नाम पता नहीं मामुल है। जानती पहचानती हूँ कि यो गाँव के पंच है उनको भी रिसोर्ट में रखा था। २ जून की दोपहर करीबन २ बजे सभी को गाँव वापस लेकर आये तब मुझे भी लेकर आये। फिर ३ जून को मेरे पिता तथा गाँव का सरपंच के द्वारा मेरे पति के विरुध्द झूटी रिपोर्ट करायी थी कि उन्होंने मुझे अगवाकर ले गया है। फिर ४ जून को मैं स्वंय थाना रिपोर्ट करने आयी थी कि रितिक गिरी मुझे अगवाकर नहीं ले गया था। मुझे गाँव के सरपंच पुत्र चन्द्रप्रकाश उर्फ रोनू बिसेन ,अनुपचंद मरार, राकेश बिसेन ,रमेश बिसेन ,करन परते ,मोहित पवार, मनोज राउत ने अगवाकर ले गये थे। मामले में पुलिस ने शिकायत जांच में घटना के संबंध में पूछताछ कर कथन लेख किये गये। इसमें चंदप्रकाश उर्फरोनू बिसेन पिता रावन बिसेन, अनुपचंद पिता धरमचंद मरार ,राकेश पिता झनकलाल बिसेन ,करण पिता मदनलाल परते, रमेश शिवचद बिसेन, मोहित पिता अनूपचंद पवार, मनोज पिता दुर्योधन राउत सभी निवासी रमरमा वारासिवनी से भी शिकायत के संबंध में पृथक पृथक विस्तृत पूछताछ करने पर आवेदिका को घटना दिनांक को उसके पिता के साथ उसकी माँ के पास खवासा रिसोर्ट साथ में लेकर जाना बतायें। जिस पर पुलिस के द्वारा सरपंच पुत्र चंद्रप्रकाश उर्फ रानू बिसेन सहित अन्य के खिलाफ २६ सितंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा १४० ३, ३३१ २, १९० के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया था। इसके बाद मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना की गई इसके बाद विवेचना पूर्ण कर चालान वारासिवनी न्यायालय में दिव्या सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। इस दौरान अपराध में बनाए गए आरोपियों में चंद्रप्रकाश उर्फ रोनू बिसेन सहित अन्य सभी निवासी ग्राम रमरमा न्यायालय में उपस्थित हुए। जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा मामले में सुनवाई करते हुए अपराध की गंभीरता को देखते सभी सातों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

विधायक विवेक पटेल ने भोपाल प्रवास में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से की भेंट

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। विधायक विवेक पटेल ने अपने भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश के लोक निर्माण मंत्री व जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक राकेश सिंह से भेंट कर कई विषयों पर चर्चा की और क्षेत्र की जर्जर सड़कों से जुड़ी समस्या को लेकर अवगत कराते हुये उन्हें प्राथमिकता दिये जाने का आग्रह किया। विधायक पटेल के द्वारा अनेंक विभागों के प्रमुख अधिकारियों से भी भेंट की गई। विधायक विवेक पटेल ने अपने भोपाल प्रवास के दौरान विगत दिवस राजधानी भोपाल में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा लम्बित विकास कार्यों को तीव्र गति से किए जाने के सन्दर्भ में मुलाक़ात कर विस्तृत चर्चा की। साथ ही संबंधित कार्यो से अवगत कराया गया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता के पी राणा भी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कन्हड़गाँव से भानपुर के बीच पुलिया लम्बे समय से क्षतिग्रस्त होने की जानकारी से विस्तार पूर्वक अवगत करवाया। साथ ही नवीन पुलिया,सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों का प्रस्ताव प्रेषित करने की मांग की उक्त मुलाकात के दौरान प्रदेश मंत्री राकेश सिंह ने आश्वस्त किया की जन हित के कार्यों में पूरा सहयोग किया जाएगा। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि विभागीय अधिकारियों से भेंट मुलाकात सकारात्मक रही। क्षेत्र के विकास को लेकर अवगत कराया गया और पत्र व्यवहार किया गया हैं। उम्मीद हैं कि संबंधित दिये गये कार्यो के प्रस्ताव को प्राथमिकता मिलेगी और वह क्षेत्र के विकास में अहम होगें। विधायक बनने के बाद मेरे द्वारा लगातार विकास कार्यों को किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों के मंत्री से मुलाकात किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता मुझे जो काम करवाने की मांग करती है मैं उन्हें पूरा करने का प्रयास करता हुं । बहुत जल्द डोंगरमाली ,साकडी,चंगेरा लगभग ४७ किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

लड़सड़ा निवासी राधेश्याम चौरागड़े के ट्रैक्टर ट्राली में अज्ञात व्यक्तियों ने लगाई आग

मामले में पुलिस ने आगजनी कायम कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत लड़सड़ा स्थित सामुदायिक

भवन के समीप खड़ी ट्रैक्टर की ट्राली में १६ नवंबर की दरमियानी रात अज्ञात असामाजिक तत्वों के द्वारा आग लगा दी गई। यह ट्राली ग्राम के किसान राधेश्याम चौरागड़े की बताई जा रही है जो घर १०० मीटर दूर भवन किनारे खड़ी थी तब यह घटना कारीत की गई। मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आगजनी कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी राधेश्याम पिता मूलचंद चौरागड़े उम्र ३८ साल निवासी लड़सड़ा थाना रामपायली के द्वारा थाने में शिकायत की गई की मैं ग्राम लड़सड़ा रहता हूँ खेती किसानी का काम करता हूँ। १६ नवंबर की रात्रि करीब १ से ५ बजे के बीच की बात है। मैने अपनी ट्राली को खेत में काम करने के बाद करीबन शाम ५ बजे ग्राम लड़सड़ा सामुदायिक भवन के बाजू में मेरे घर से १०० मीटर की दूरी पर खड़ा कर दिया था। जो सुबह करीबन ५ बजे गांव के मंगल बारेवार जो मेरे घर के सामने रहता हैं ने बताया कि तेरी ट्राली जल रही है। फिर मैं व मोहल्ले के लोग तुरंत जाकर देखे तो ट्राली पूरी तरह जल गई थी। मैने व मोहल्ले के लोगो ने जो थोडी बोहोत आग जल रही थी। उसे बुझाये ट्राली जलने से मुझे करीबन ७०००० रूपये का नुकसान हुआ है। मुझे संका है की हो सकता है रात्रि के समय आने जाने वाले राहगीरो द्वारा बीडी पीकर रोड़ किनारे रखे पैरा में फेक दिया होगा। जिससे पैरा में अचानक आग लगने से पास खड़े ट्राली में आग लग गयी है। हालांकि वहीं पुलिस के द्वारा मौका निरीक्षण भी किया गया जहां पर ताश के ५२ पत्ते सहित कागज में अंक लिखे हुए पत्ते सहित अन्य प्रकार की वस्तु मौके पर पड़ी थी। वहीं पैरे में आग लगाकर ट्रैक्टर ट्राली को जलाने का प्रयास किया गया है। ऐसे में ग्रामीणों के अंदर जारी और नशेड़ियों के द्वारा इस प्रकार रात्रि में की गई हरकत से आक्रोश व्याप्त है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि घटना की सूचना पर मौका निरीक्षण किया गया था इसमें पता लगा कि उक्त दिवस ग्राम का बाजार भी था। रात्रि ११ बजे तक सभी जाग रहे थे ऐसे में किसी बाजार वाले या ताश खेलने वाले के द्वारा आग तापने के लिए पैरा जलाया गया था। जिससे यह घटना होना प्रतीत हो रहा है मामले में जांच की जा रही है।

सुनील पांचाले
सहायक उप निरीक्षक थाना रामपायली

राष्ट्रगीत वंदेमातरम का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान-प्रदीप

वंदेमातरम के १५० वर्ष पूर्ण होने पर जयस्तंभ चौक पर किया सामूहिक गायन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। माँ भारती के गौरवगान, राष्ट्रगीत वंदेमातरम के १५० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल वारासिवनी के द्वारा जय स्तंभ चौक पर गरिमामय सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ताओं, महिला मोर्चा, शक्ति केंद्र प्रभारी, मंडल के पदाधिकारी समस्त पार्षद गण, बूथ अध्यक्ष और राष्ट्रभक्त नागरिकगण भारी संख्या में उपस्थित भी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियो ने अपनी आस्था और श्रद्धा व्यक्त करते हुए भारत माता के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और भावपूर्ण माल्यार्पण किया। इस दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो उठा। जिसने सामूहिक गायन के लिए एक पवित्र और प्रेरक मंच तैयार किया। इस दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, अभय कोचर, जितेंद्र मोहारे, निरंजन बिसेन, किशोर नगपुरे, संतोष लिल्हारे, किशोर अमूले, रेखा गोखले, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, सुनील जैन, संदीप मिश्रा, वेद प्रकाश पटेल, शैलेंद्र सेठी चिरौंजी पारधी, प्रदीप शरणागत, सुश्री किरण शर्मा आदि मंचासीन रहे। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण युवा पीढ़ी की भागीदारी रही। शासकीय कमला नेहरू, एस. एस.पी कॉलेज, इंदिरा मेमोरियल कान्वेंट स्कूल, आइडियल पब्लिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय और सांदीपनि स्कूल के सैकडो छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का अनुसरण कर अपनी अटूट राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया और इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदेमातरम के १५० वर्ष पूर्ण होने पर बधाई प्रेषित की। साथ ही कहा की सभी को विदित है की यह गीत स्वतंत्रता संग्राम से जुडा हुआ है। देश की आजादी में भी इस गीत का योगदान है इसके रचियता बंकिम चंद्र चटर्जी थे। और इसका गायन महाकवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने किया है। आज देश के हर बड़े आयोजन और प्रदेश की केबिनेट की बैठक भी वंदेमातरम गीत से ही शुरू होती है। जब तक सुरज व चांद रहेगे तब तक यह गीत भी अमरता को प्राप्त करेगा। मुख्य वक्ता संतोष लिल्हारे ने बताया कि यह गीत केवल एक धुन नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की अमर ज्वाला है। जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रगीत के मूल भाव और त्याग को अपने जीवन में उतारें। वहीं अभय कोचर ने कहा की राष्ट्र गीत वंदेमातरम का पूर्ण गायन पूर्व में तुष्टिकरण की नीति के कारण कांग्रेस ने बंद कर दिया था। उसके दो ही पद गाये जाते थे। किंतू अब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की फिज्ञाओं में पुरा गायन हो इसकी अपील की है। जिस तरह गुलाम भारत में यह राष्ट्र गीत प्रासंगिक था। अब आजाद भारत में भी यह गीत प्रासंगिक है। पुरे देश को एक करने की ताकत वंदेमातरम राष्ट गीत रखता है। कार्यक्रम के समापन पर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने सभी नागरिकों विशेषकर युवा छात्र छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रप्रेम का अद्भुत संगम बताया। कार्यक्रम का सफ ल संचालन महामंत्री सुनील पिपरेवार के द्वारा किया गया।

खाद्य विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर में खाद्य सुरक्षा विभाग बालाघाट की टीम के द्वारा १९ नवंबर को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में पहुंचकर जांच की गयी। यह कार्यवाही खाद्य विभाग के अधिकारी योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकार के द्वारा की गई। जिसमें पूर्व में की गई कार्यवाही का उल्लंघन करने की शिकायत पर खाद्य अधिकारी सत्कार होटल पहुंचे। जहां बंद की गई दुकान को खुला देख होटल का निरीक्षण कर रखी हुई मिठाइयों का नष्टीकरण कर होटल को दोबारा सील कर दिया गया। वहीं आशियाना होटल में सुधार के दिए गए निर्देश का निरीक्षण किया। तत्पश्चात ताज पान पैलेस एवं नगपुरे गिफ्ट के लाइसेंस की जांच कर पटले ?री में दबिश दी गई। जहां बनाई जा रही खाद्य सामग्री सहित दूध पनीर और अन्य खाद्य सामग्री के सैंपल एकत्रित किए गए। तत्पश्चात नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई। इस दौरान सभी जगह अधिकारियों के द्वारा खाद्य सामग्री निर्माण करने के स्थान उपयोग की वस्तुओं की क्वालिटी स्वच्छता सामग्री बनाए जा रहे बर्तन की स्थिति के साथ गैस सिलेंडर सहित लाइसेंस बैठक व्यवस्था जैसी आने को चीजों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। वहीं मौके पर मिलने वाली कमियों पर दिशा निर्देश देकर प्रकरण तैयार भी किया गया। उक्त संबंध में खाद्य अधिकारी योगेश डोंगरे ने बताया कि ११ नवंबर को बस स्टैंड में आशियाना होटल एवं सत्कार होटल में कार्यवाही कर व्यवसाय बंद करवाया गया था उनके शटर गिरवा दिए गए थे। पर किन्हीं कारण से सत्कार होटल के द्वारा शटर उठाकर कार्यवाही का उल्लंघन किया गया दुकान खोलकर खाद्य व्यवसाय प्रारंभ

किया गया। जिसकी शिकायत पर हम जांच करने पहुंचे तो व्यापार तो नहीं हो रहा था। परंतु शटर खुला हुआ था जहां पर साफसफाई और टाइल्स लगाई जा रही थी। मौके पर एक सप्ताह से रखी हुई सभी मिठाइयों का नष्टीकरण किया गया और होटल को दोबारा सील किया गया है। वहीं आशियाना होटल में सुधार का निरीक्षण किया गया और दोनों प्रकरणों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा हमने निरीक्षण किया तो राठौर होटल के बाजू में ताज पान पैलेस और नगपुरे गिफ्ट में पंजीयन नहीं पाया गया था तो उसे बंद करवाया। फिर पंजीयन करने पर उसे खुलवा दिया गया है। इस प्रकार विभिन्न स्थानों पर भी जांच कर सैंपल एकत्रित किए गए और लगातार यह कार्यवाही की जा रही है। लोगों से अपील है कि वह शुद्धता साफ सफाई और अच्छे सामान का उपयोग करें ताकि आम जनता के स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर ना पड़े।

दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि डॉ. पीआर चंदेलकर अतिरिक्त संचालक जबलपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. गोविंद सिरसाठे प्राध्यापक हिन्दी, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट, डॉ. अशोक कुमार मराठे प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की उपस्थिति में किया गया। इस दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव में प्रथम दिवस साहित्यिक विधा के अंतर्गत भाषण, वाद-विवाद, ललित कला अंतर्गत रांगोली, चित्रकला, पोस्टर, क्ले मॉडलिंग का आयोजन किया गया एवं द्वितीय दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एकल गान, समूह गान, एकल नृत्य, समूह नृत्य, माइम, मिमिक्री व हास्य नाटिका विधायें संपन्न कराई गई। इस युवा उत्सव में जिले के 14 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के संयोजक, दल प्रभारी एवं प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में अपनी शिरकत की।

सुरक्षित एवं सुविधाजनक शौचालय की उपलब्धता एक बुनियादी आवश्यकता है-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विश्व शौचालय दिवस पर प्रदेश व्यापी अभियान के तहत टॉयलेट २०२५ के अंर्तगत नगर में दुर्गा माता मंदिर के सामने सब्जी बाजार चौक में डबल स्टोरी सर्वसुविधायुक्त शौचालय का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,न पा परिषद के मुख्य अधिकारी, पार्षगगण, भाजपा मंडल के पदाधिकारी ,नागरिकगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की स्वच्छता केवल स्वास्थ्य से जुडा विषय ही नही बल्कि यह नागरिको की गरिमा,सुरक्षा और सामाजिक समावेशन का भी प्रतिक है। साथ ही सुरक्षित एवं सुविधाजनक शौचालय की उपलब्धता एक बुनियादी आवश्यकता है। इस दौरान प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री, श्रीमती स्मिता जायसवाल पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका, श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष नगर पालिका, संदीप मिश्रा पार्षद सभापती,आशुतोष कोहाड़ , योगेंद्र लिमजे , मनोज दांदरे, श्रीमती मनीषा सुनील पिपरेवार, सुश्री किरण शर्मा, सूर्यप्रकाश ऊके मुख्य नगर पालिका अधिकारी, श्रीमती अंशिका चौहान उपयंत्री, राजेंद्र बोकडे, सुरेन्द्र लड़कर, विशाल लोधे उपस्थित रहे।

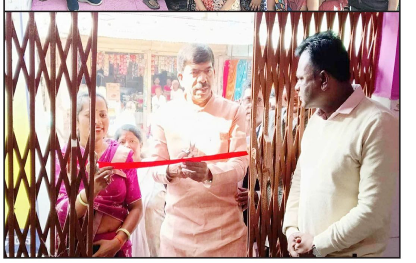

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

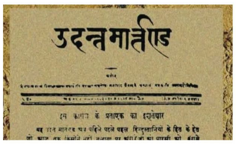

सरकारी क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अमेरिका के साथ एलपीजी के आयात के लिए जो एकवर्षीय करार किया है, वह कई वजहों से महत्वपूर्ण है। लेकिन, सबसे अहम यह है कि इससे भारत को अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता को मुकाम तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

करार से उम्मीदें

देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने वर्ष 2026 में अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के आयात के लिए जो एकवर्षीय समझौता किया है, वह सिर्फ इसलिए अहम नहीं है कि यह पहली बार है, जब भारत अमेरिका से एलपीजी खरीदने जा रहा है, बल्कि इसलिए भी है कि यह देश की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक और कदम है, जिससे लाखों घरों में सस्ता व स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह समझौता ऐसे वक्त हुआ है, जब वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े अक्तूबर में निर्यात में गिरावट की ओर इशारा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है। दरअसल, अमेरिका पिछले काफी वक्त से भारत पर दबाव बना रहा है कि वह अपनी ईंधन जरूरतों की पूर्ति के लिए रूस के बजाय अमेरिका को अधिक तवज्जो दे। दूसरी बात यह कि भारत के भारी व्यापार अधिशेष को देखते हुए ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। ऐसे में, अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी के आयात का वार्षिक करार, आकार में बेशक अधिक बड़ा न हो, लेकिन इससे भारत को अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में आ रही अड़चनों को दूर करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए जाने से, इसकी खपत में भारी वृद्धि हुई है। वर्तमान में भारत एलपीजी से जुड़ी घरेलू जरूरतों का करीब 60 फीसदी हिस्सा आयात करता है। देश की एलपीजी की 90 फीसदी मांग यूएई, कतर और सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशियाई देशों से पूरी होती है। लेकिन, भू-राजनीतिक अस्थिरता, वैश्विक मूल्यों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला में आ रहे व्यवधानों के चलते एक ही क्षेत्र पर निर्भरता जोखिम भरी साबित हो सकती है।

ऐसे में, एक नए स्त्रोत से एलपीजी के आयात का निर्णय स्वागतयोग्य है। हालांकि, इतनी दूरी से इसे आयात करना आसान नहीं होगा और लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियां भी आएंगी। इसके बावजूद, वर्तमान भू-राजनीतिक व आर्थिक वैश्विक परिदृश्य में यह समझौता भारत के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति कर सकता है। वैसे भी द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता कि व्यापारिक संबंधों का प्रसार किया जाए। भविष्य में ऐसे अनुबंधों को और लंबी अवधि का बनाया जा सकता है, ताकि ऊर्जा क्षेत्र में निवेश व रोजगार, दोनों क्षेत्रों में इसका प्रभावी असर दिखे।

तुर्किये और पाकिस्तान का खेल

देश में आतंकवाद की एक के बाद एक परतें खुलने से पता चला है कि सिरफिरे डॉक्टरों के आतंकी समूह के तार पाकिस्तान और तुर्किये से जुड़े हैं। यह वही तुर्किये है, जहां 2023 में आए भूकंप के बाद मदद करने वालों में भारत सबसे आगे था। आखिर क्यों इन देशों से कृतज्ञता की उम्मीद नहीं की जा सकती?

भारत चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र है, जहां 2024 में दुनिया भर से करीब 20 लाख विदेशी इलाज के लिए आए थे। लेकिन तुर्किये से प्रेरित होकर पाकिस्तान भारत को मेडिकल आतंकवाद का केंद्र बनाने की कुत्सित मंशा रखता है। बीते 10 नवंबर को लाल किले के बाहर आत्मघाती कार विस्फोट मुस्लिम चिकित्सा पेशेवरों द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था व इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए किए जाने वाले आतंकी प्रयासों का एक हिस्सा था। यह वह दिन था, जब चिकित्सा का महान पेशा सिरफिरे डॉक्टरों द्वारा की गई हत्याओं की मशीन बन गया। आखिर ऐसी कौन-सी बात है, जिसने पाकिस्तान और तुर्किये को आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला राष्ट्र बनने और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती उदारवादी अर्थव्यवस्था तथा विकसित देश का दर्जा पाने की ओर अग्रसर भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रेरित किया?

पाकिस्तान के लिए, भारत को परेशान करना उसकी शपथबद्ध प्रतिबद्धता है, भले ही उसकी पागलपन की सीमा तक शत्रुता ने उसकी अपनी राजनीतिक संरचना को अपूरणीय रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया हो। तुर्किये का रवैया समझ से परे है, क्योंकि भारतीयों में तुर्किये के प्रति बहुत सद्भावना थी, जो लाखों भारतीयों के लिए एक लोकप्रिय पर्यटन गंतव्य था। भारत ने 2023 की शुरुआत में तुर्किये में आए भीषण भूकंप के बाद वहां चिकित्सा और बचाव दल भेजे। लेकिन तुर्किये जैसे मुस्लिम राष्ट्र से कृतज्ञता की उम्मीद करना ही बेकार है।

दरअसल, पिछली सदी की शुरुआत से ही तुर्किये ने हमेशा ही गलत फैसले किए हैं। विशाल ओटोमन साम्राज्य या खलीफा के रूप में इसने प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी और ऑस्ट्रिया-हंगरी की ओर से मित्र राष्ट्रों (ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस और रूस) के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। बुरी तरह पराजित होने के कारण ओटोमन साम्राज्य ध्वस्त हो गया। उसने अपने क्षेत्र खो दिए और विघटित हो गया। हालांकि, भारत की उस युद्ध में कोई प्रत्यक्ष महत्वाकांक्षा नहीं थी, फिर भी कुछ भारतीय राजनेताओं ने ओटोमन मुद्दे को मुसलमानों का पक्ष लेने के एक अवसर के रूप में देखा, क्योंकि वे खलीफा को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे, और इसलिए उन्होंने 1919-1924 तक खिलाफत आंदोलन शुरू किया। खिलाफत तो खत्म हो गई, लेकिन तुर्किये में बच्चों को अब भी पढ़ाया जाता है कि कैसे पाकिस्तानियों ने ओटोमन का समर्थन किया। कोई बच्चों को यह नहीं बताता कि तब पाकिस्तान का अस्तित्व भी नहीं था। काफी हद तक यह इस्लामी पाकिस्तान के प्रति तुर्किये के नरम रुख को स्पष्ट करता है। पाकिस्तान के एक पूर्व प्रधानमंत्री (जो क्रिकेटर भी थे) ने तो पाकिस्तान के राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर तुर्की धारावाहिकों को अनिवार्य कर दिया था और यह घोषणा की कि पाकिस्तानी मूल के लोग तुर्की हैं, और वे पाकिस्तानी स्कूलों में तुर्की भाषा को अनिवार्य करने पर भी विचार कर रहे हैं। तुर्किये के लोगों को यह चाटुकारिता काफी पसंद आई। तुर्किये के वर्तमान कट्टर इस्लामवादी राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, जिन्होंने अपने देश की धर्मनिरपेक्ष छवि को ध्वस्त कर दिया है, संयुक्त राष्ट्र महासभा की हर बैठक में कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं।

तुर्किये उन पहले देशों में से एक था, जिसने अत्यधिक परिष्कृत सशस्त्र ड्रोन विकसित किए और उन्हें पाकिस्तान को बेचा। पाकिस्तान ने उनका इस्तेमाल तुर्किये के सलाहकारों की मदद से भारत के खिलाफ किया, जब भारत ने मई, 2025 में पाकिस्तानी आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में एक प्रमुख पाकिस्तानी हवाई अड्डे पर कई तुर्किये %सलाहकार% मारे गए। अंकारा ने बाद में बताया कि इराक की एक गुफा में आतंकवादियों की तलाश करते

हुए तुर्किये के एक दर्जन सैनिक मारे गए। तुर्किये के वर्तमान इस्लामवादी राष्ट्रपति इस्लामी दुनिया के नए खलीफा बनना चाहते हैं। उनके सामने राजनीतिक, आतंकी, आर्थिक और बेरोजगारी की गंभीर चुनौतियां हैं। 2016 में अमेरिका में निर्वासित मौलवी फतेउल्लाह गुलेन के अनुयायियों द्वारा किए गए तख्तापलट के प्रयास में वह बाल-बाल बच गए थे। इस विफल तख्तापलट के बाद सरकार ने बड़े पैमाने पर दमनकारी कार्रवाई की, जिसमें हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया या उन्हें नौकरियों से बर्खास्त कर दिया गया और गुलेन से जुड़े संस्थानों को बंद या जब्त कर लिया गया। दिवंगत गुलेन ने एर्दोगन पर पर्याप्त रूप से इस्लामी न होने का आरोप लगाया था, और इसलिए एर्दोगन अपनी इस्लामी साख चमकाने के हर मौके का फायदा उठाते हैं।

एर्दोगन वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार से इसलिए नाराज हैं कि उसने भारतीय नौसेना के लिए पांच बेड़े सहायक जहाजों के निर्माण के लिए दो अरब डॉलर के आकर्षक नौसैनिक अनुबंध को रद्द कर दिया, जो तुर्किये के लिए एक बड़ा झटका है। मानो यही काफी नहीं था, मई 2025 में तुर्किये की कंपनी सेलेबी, जो भारत के नौ प्रमुख हवाई अड्डों पर अधिकांश सेवाएं संभालती है, ने ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को तुर्किये के समर्थन के बाद अपनी सुरक्षा मंजूरी खो दी। लाल किला विस्फोट के बाद, जांचकर्ताओं ने पाया है कि कई भारतीय डॉक्टरों के समूह डॉक्टर्स फॉर टेरर का मुख्य संचालक (कोड नाम अकासा) तुर्किये में था, जो संभवतः एक पाकिस्तानी नागरिक था। वह दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद के संचालकों के बीच प्राथमिक कड़ी भी था। डॉक्टर्स फॉर टेरर मॉड्यूल के कुछ सरगना संभवतः भारत में बड़े पैमाने पर आतंकी हमले की साजिश रचने के लिए 2022 में तुर्किये गए थे।

भारतीय एजेंसियां योजनाबद्ध हमले में तुर्किये की संलिप्तता के पुख्ता सबूत जुटा रही हैं। इस बीच, कई देशों ने 10 नवंबर के आतंकवादी हमले की निंदा की है। जाहिर है, भारत की कुशल कूटनीति पहले से ही काम कर रही है। जांचकर्ताओं ने पाया कि तुर्किये व जर्मनी से प्राप्त धन का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश और पंजाब में मदरसों तथा मस्जिदों के लिए जमीन खरीदने में किया गया था।

पाकिस्तान को उम्मीद है कि अगर उसकी आतंकी गतिविधियों का यूरोपीय संघ और नाटो द्वारा खुलासा किया जाता है, तो नाटो सदस्य तुर्किये उसका बचाव करेगा। एर्दोगन को जल्द ही एहसास हो जाएगा कि पाकिस्तान को बढ़ावा देकर वह एक बड़ी गलती कर रहे हैं। दुनिया में उसके ज्यादा दोस्त नहीं हैं।

-दीपक वोहरा,पूर्व राजनयिक

जीवन धारा

एपिकुरस

कृतज्ञता वह जादू है, जिससे जो प्राप्त है, वही पर्याप्त लगने लगता है। जब आप अपने लोगों, अपने पलों और अपने आशीर्वादों को इस नजरिये से देखते हैं, तो भीतर की बेचैनी अपने आप शांत होने लगती है।

बिना कृतज्ञता के हर उपलब्धि खोखली है

जो चीज आपके पास नहीं है, उसकी चाह में अपने पास मौजूद अनमोल उपहारों को व्यर्थ मत जाने दीजिए। इन्सान की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह लगातार उन इच्छाओं का पीछा करता है, जो अभी उसकी मुट्ठी में नहीं हैं, और इसी भागदौड़ में वह अपने आसपास बिखरी छोटी-छोटी खुशियों को अनदेखा कर देता है। कृतज्ञता ही शांति की बुनियाद है। और अतृप्त इच्छा वह चोर है, जो धीरे-धीरे हमारे आनंद को चुरा लेती है।

एक क्षण रुकिए। अपनी आंखें खोलिए और देखिए कि जीवन ने आपके हाथों में कितना कुछ सौंप रखा है। जरा सोचिए कि वह घर, जिसमें आप रहते हैं, वे रिश्ते, जो हर कदम पर आपका साथ देते हैं, वह मन की शांति, जिसके लिए आपने कभी प्रार्थना की थी, क्या यह सब कभी आपकी अधूरी इच्छाओं की सूची में नहीं था? फिर आज, जब यह सब आपका है, तो भी आप इसे साधारण मानकर एक नई इच्छा के पीछे दौड़ रहे हैं। अधिक पाने की यह भूख कभी खत्म होने वाली नहीं है। यही वह जाल है, जो आत्मा को लगातार असंतोष के बंधन में जकड़े रखता है। सच्ची समृद्धि अधिक इकट्ठा करने में नहीं, बल्कि कम चाहने में है। यदि आपका मन हर क्षण क्षितिज का पीछा करता रहेगा, तो आप कभी उस तक नहीं पहुंच पाएंगे, क्योंकि क्षितिज कदम दर कदम दूर खिसकता जाता है। हर इच्छा पूरी होने पर एक नई इच्छा जन्म लेती है और कानों में फुसफुसाती है कि तुम अभी अधूरे हो। और इसी तरह इन्सान एक ऐसे संसार में जीता है, जहां उसके पास बहुत कुछ है, फिर भी उसे हमेशा किसी न किसी कमी का एहसास होता रहता है। इस भ्रम को तोड़िए। याद रखिए कृतज्ञता वह जादू है, जो प्राप्त चीजों को भी पर्याप्त बना देती है। जब आप अपने लोगों, अपने पलों और अपने आशीर्वादों को सच्चे नजरिये से देखना शुरू करते हैं, तो भीतर की बेचैनी अपने आप शांत होने लगती है। तभी समझ आता है कि खुशी कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक अनुभव है और यह तब जन्म लेती है, जब आत्मा वर्तमान क्षण को अपनाकर कहती है कि बस यही पर्याप्त है। मैं यह नहीं कहता कि सपने देखना छोड़ दीजिए। सपने और महत्वाकांक्षा तभी तक अच्छे हैं, जब तक वह आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा दें। लेकिन जब वही आपको अपने ही हाथों बंधक बना दें, तब वही आपके सुख की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है। जब इच्छाएं तुलना में बदलने लगती हैं, तो संतोष ईर्ष्या में और शांति प्रतिस्पर्धा की धूल में गुम हो जाती है। कृतज्ञता ही वह जड़ है, जहां से सच्चा विकास पनपता है। वही आपकी महत्वाकांक्षाओं को दिशा देती है, अर्थ देती है। बिना कृतज्ञता के हर उपलब्धि खोखली लगती है, चाहे आप कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाएं।

सूत्र - अधिक की लालसा न रखें

जो आपके पास है, उसी में आनंद खोजिए, क्योंकि निरंतर और अधिक पाने की लालसा दुख का मूल कारण है। कृतज्ञता ही वह शक्ति है, जो साधारण को भी पूर्णता में बदल देती है और शांति की नींव रखती है। जब इन्सान अपनी तुलना दूसरों से करना छोड़ देता है, तभी उसे असली सुख मिलता है। हर पल को एक उपहार समझकर जीना ही सच्ची विलासिता है।

इस अंदाज़ से बचेगी मीडिया की भाषा

एंकरिंग-रिपोर्टिंग के नाम पर चीखने-चिल्लाने, रौब झाड़ने और बॉलीबुड में जाते-जाते रह जाने की मीडियाकर्मियों की कुंठा से अलग मीडिया की भाषा की पहली शर्त है कि वो जो कह रहा है, उससे लोग जुड़ सकें. मुश्किल, अभाव और संघर्ष के बीच जी रहे लोग यदि दिखाए जाएं तो दिखाए गए लोगों के प्रति संवेदना की एक ज़मीन दर्शकों के बीच तैयार हो सके. कारोबारी मीडिया ने इसकी गुंजाईश लगभग ख़त्म कर दी है. हम इससे लगभग नाउम्मीद हो चुके होते हैं कि इसी बीच

कोई न कोई मीडियाकर्मी अपना प्रस्तुति, भाषा, अंदाज़ और अपनी मौज़ूदगी से इस उम्मीद को पूरी तरह से ध्वस्त होने से बचा लेते हैं. स्थ्ठ्ठड्ढ क्क्षुह्लह्द्धड्ढ हमारे दौर की ऐसी ही मीडियाकर्मी हैं. उनकी मौज़ूदगी से मीडिया में एक ऐसी भाषा की गुंजाईश अभी भी बची हुई जान पड़ती है जिसे मनुष्य के लिए मनुष्य की भाषा कहा जा सकता है. दरअसल भाषा तो अनिवार्य रूप से ऐसी होनी चाहिए कि उससे गुज़रने के बाद हम थोड़े और बेहतर मनुष्य हो सकें.

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान पटैरिया की रिपोर्टिंग आपने दि लल्लनटॉप पर देखी होगी तो आप मेरी बात को बेहतर महसूस कर रहे होंगे. वो तब भी क्लिक-वेट की आपाधापी से अलग मानवीय संवेदना की ज़मीन छूती हुई फील्ड में मौजूद रहीं. मैं ख़ासतौर पर इनकी भाषाई शालीनता को मन को छू जानेवाले अंदाज़ के कारण इनकी रिपोर्टिंग देखा करता. कुछ समय के अंतराल के बाद जब नए प्लेटफॉर्म पर उनकी वीडियो पर नज़र गयी तो रूक गया. वही पुराना अंदाज़, वहीं भाषाई सहजता. आप ये रिपोर्ट देखकर खुद से पूछिए- कारोबारी मीडिया में इस अंदाज़ की गुंजाईश अब है कि ख़बरें-रिपोर्ट पेश करने का यह

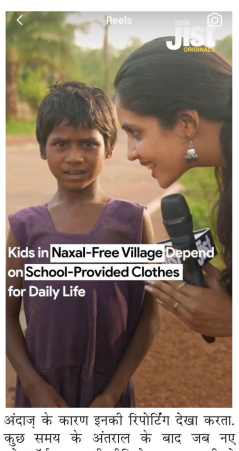

स्क्रीनशॉट: सोनल पटैरिया इन्स्टा अकाउंट

जनजातीय विकास का असली सवाल

जनजातियों के विकास के लिए लाया गया पेसा कानून अपने उद्देश्यों को तभी पूरा कर सकेगा, जब उसका क्रियान्वयन प्रभावी हो।

हाल ही में, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़े के रूप में मनाया गया। ये दिवस और पखवाड़े महज औपचारिकता न रह जाएं, इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी दृष्टिकोण को साथ लेकर सांविधानिक प्रावधानों को लागू किया जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने संविधान के भाग-9 के अनुच्छेद-243 से जुड़े पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम, 1996 अर्थात %पेसा कानून% बनाया था। 24 दिसंबर, 1996 से प्रभावी यह कानून विशेष रूप से %अनुसूचित क्षेत्रों% के लिए बनाया गया था, जहां सामान्य पंचायती राज व्यवस्था सीधे लागू नहीं की जा सकती थी। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 में पंचायतों के गठन, शक्तियां और कार्यप्रणाली का उल्लेख तो है, परंतु प्रावधान किया गया है कि यह भाग अनुसूचित और आदिवासी क्षेत्रों पर

लागू नहीं होगा। इसलिए, इनके लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता हुई। पांचवीं अनुसूची के प्रावधान अनुसूचित क्षेत्रों और वहां के जनजातीय समुदायों के प्रशासन से संबंधित हैं। इसी के तहत राष्ट्रपति को अधिकार है कि वे इन क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान करें। इन्हीं सांविधानिक प्रावधानों के आधार पर भारत सरकार ने पेसा कानून लागू किया था। अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सरकार व जिला स्वायत्त परिषदें केवल प्रशासनिक ढांचे

नहीं हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों के विकास के सांविधानिक साधन भी हैं। परंपरागत न्याय व्यवस्था के अनुसार ग्राम सभा विवादों को निपटा सकती है। ग्राम सभा की अनुमति के बिना भूमि हस्तांतरण या अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। ग्राम सभा से अनिवार्य परामर्श के बिना कोई विकास परियोजना शुरू नहीं की जा सकती। भारत जन आंदोलन के विजय भाई कहते हैं कि पांचवीं अनुसूची के ढांचे में केंद्र व राज्य सरकारों तथा राज्यपालों को कृपालु पालनकर्ता जैसा बनाया गया है। उनके मन में आया तो कोई कानून बनाएं, वरना नहीं, लेकिन संसद ने जो पेसा कानून बनाया है, वह राज्य व केंद्र सरकारों, राज्यपालों के विवेक पर निर्भर नहीं है। हालांकि,

पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में पेसा कानून लागू होने के करीब 29 वर्षों बाद भी कुछ राज्यों ने इसके नियम नहीं बनाए हैं। संविधान की सातवीं अनुसूची के मुताबिक राज्य विधानमंडल को इस हेतु कानून बनाना पड़ेगा। पांचवीं अनुसूची के पैरा-3 के तहत संसद ने जो पेसा कानून बनाया है, वह सिर्फ राज्य को निर्देश है। पेसा कानून केवल अनुसूचित क्षेत्र में संविधान के भाग-9 को विस्तार देते हुए निर्देशित करता है कि राज्य सरकार कानून बनाकर उसे लागू करे। पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के 10 प्रदेशों में 1997 तक कुछ-न-कुछ नियम बनाए गए थे, लेकिन ग्राम सभा का अधिकार क्षेत्र व्यापक नहीं था। अब सरकार ग्राम सभा को थोडा कार्यभार देने की जगत में है, लेकिन

वह पेसा सम्मत स्वशासी हो ही नहीं सकता, क्योंकि मूल कानून पंचायत राज कानून ही है। पंचायत राज कानून संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत है, इसलिए हर वाक्य में अंग्रेजी भाषा का %में% (एमएवाई) शब्द उपयोग किया गया है, अर्थात इसे लागू करना राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर है। पेसा कानून संविधान की पांचवीं अनुसूची से निकालकर भाग-9 में प्रस्तावित है, जहां राज्य सरकार के पास विवेक जैसा कोई बहाना नहीं है। इसलिए, पेसा कानून के हर वाक्य में अंग्रेजी के %शैल% (एसएचएएलएल) शब्द का उपयोग किया गया है, जो बाध्यकारी है। संसद को यह सांविधानिक अधिकार दिया गया था कि वह अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों की विशेष व्यवस्था बनाए। इसका अभिप्राय था कि जनजातीय और अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन लागू करने के लिए एक विशेष कानून बनाया जाए, लेकिन इस बाध्यकारी बात को विवेकाधीन ढांचे में जोड़ देने से %पेसा% का महत्व खो सा गया है। पेसा लागू होने पर निर्णय लेने की शक्ति ग्राम सभा को मिलती है। इनमें खनन, वनोपज व भूमि अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों से सरकारी और निजी कंपनियों के आर्थिक हित जुड़े हैं। अगर ग्राम सभा को वास्तविक अधिकार मिल जाएं, तो खनन व ठेकेदारी नेटवर्क पर रोक लग सकती है। हालांकि, राज्यों ने अब तक पेसा के नियम देर से या अधूरे बनाए हैं। जहां नियम बने भी हैं, वहां ग्राम सभा को सिर्फ सलाह देने वाला निकाय बनाकर रखा गया है, निर्णय लेने वाला नहीं। पेसा कानून को नौकरशाहों और राजनेताओं के चक्रव्यूह से निकालने की जरूरत है।

-राजकुमार सिन्हा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। छुटपुट लेवाली से बुधवार को अनाज मंडी में चने व मसूर में बाजार मजबूती के रहे। उड़द व मूंग में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश टिके रहे। सोयाबीन में सुस्ती आयी। किराना बाजार में शक्कर हल्की पड़ी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने व मसूर में छुटपुट माँग के बाद बाजार सुधार पर रहे। चने व मसूर में आज 25-50 रू. प्रति क्विंटल का सुधार रहा। उड़द, मूंग व मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार नरमी पर रहे। किराना जिंसों में शक्कर में नरमी दर्ज हुई। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4190, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 175-200, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 2950-3050, (200) 3200-3250, (250) 3300-3350

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1425, राजकोट तेलिया 2350, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1425-1450, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1260,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800-9000, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4500-4700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5725, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 157500, चॉंदी (99) 157000, टंच 156500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 126600,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 88.52 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ 88.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला हालांकि वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.57 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 88.51 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.60 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 99.49 पर आ गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 142.60 अंक ऊपर आकर 26,052.65 पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.97 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.16 फीसदी , निफ्टी कंजम्पशन 0.40 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी एनर्जी 0.25 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 0.38 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 127.05 अंक की बढ़त के साथ 60,949.05 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.80 अंक नीचे आकर 18,075.95 पर रहा था। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टीसीएस, एचयूएल, सन फार्मा, टाइटन, एसबीआई, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा, बीईएल, भारती एयरटेल, एलएंडटी, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और आईटीसी, ट्रेंट के शेयर नुकसान में रहे थे। जानकारों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी की संभावना से भी आईटी शेयरों में तेजी रही है। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 261.59 अंक की तेजी के साथ 84,934.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी50 52.15 अंक की बढ़त के साथ 25,962.20 के लेवल पर आ गया। एशिया के बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 0.67 फीसदी बढ़ा, चीन का सीएसई300 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, हांगकांग का हैंग सेंग 0.09 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.46 फीसदी गिर गया। बीते दिन अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट रही।

रेलवे की नई नीति से सीमेंट सस्ता, घर बनाना हुआ आसान

नई दिल्ली ।एजेंसी। रेलवे ने सीमेंट ढुलाई का किराया घटाकर 90 पैसे प्रति टन प्रति किलोमीटर कर दिया है। इससे पुरानी वेट और डिस्टेंस स्लैब प्रणाली खत्म हो गई है, जो जटिल और महंगी थी। नई प्रणाली ग्रॉस टन किलोमीटर के हिसाब से काम करेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे सीमेंट की कीमतों में 30 से 50 रुपये तक कमी हो सकती है। सीमेंट के लिए 20 फीट लंबे, 8 गुणित 8.5 फीट आयाम वाले कंटेनर बनाए जाएंगे। प्रत्येक कंटेनर की क्षमता 26 टन (ग्रॉस 31 टन) होगी और लोड-अनलोडिंग में सिर्फ 25-30 मिनट लगेंगे। यह कंटेनर पॉल्यूशन फ्री होंगे और सीधे रेलवे और रोड तक आसानी से पहुंच सकेंगे। रेलवे शहरों के पास बल्क सीमेंट टर्मिनल बनाएगा। इन टर्मिनलों में ऑटोमैटिक लोडिंग-अनलोडिंग सिस्टम होगा। प्राइवेट कंपनियां या सीमेंट कंपनियां इन टर्मिनलों का निर्माण और संचालन कर सकेंगी। इससे कंटेनर मूवमेंट आसान होगा और समय व लागत की बचत होगी। नई नीति के तहत सीमेंट अब बोरियों में नहीं, बल्कि सीधे कंटेनर में भरा जाएगा। इससे लागत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और सीमेंट खराब होने की घटनाएं कम होंगी। सड़क मार्ग की तुलना में रेल मार्ग अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल साबित होगा।

टीआईए मंच आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप को देगा नई जानकारियांः गोयल

नई दिल्ली ।एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच की शुरुआत की। इस मंच का उद्देश्य भारत के आयातक, निर्यातक, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को व्यापार संबंधी नवीनतम जानकारियां उपलब्ध कराना है। मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की गहन जानकारी देगा। इससे व्यवसायियों को नए बाजारों और निर्यात अवसरों की पहचान करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य विभाग द्वारा विकसित यह मंच विभिन्न वैश्विक और राष्ट्रीय डेटाबेस को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में जोड़ता है। मंच 270 से अधिक प्रकार के विश्लेषण प्रदान करता है, जिसमें बाजार अनुसंधान, क्षेत्रीय व्यापार विश्लेषण, प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति और निर्यात अवसर शामिल हैं। टीआईए प्लेटफॉर्म व्यापारियों को वास्तविक समय में इंटरैक्टिव डेटा प्रदान करता है। इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजनाओं और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित रिपोर्ट शामिल हैं। यह व्यापार प्रवृत्तियों पर लगातार नजर रखने में सक्षम है। वाणिज्य विभाग ने कि आर्थिक सलाहकार ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है और उनके सुझावों के आधार पर इसे और विकसित किया जाएगा। टीआईए एक केंद्रीकृत डिजिटल हब के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विकऔर द्विपक्षीय डेटाबेस को एकीकृत प्रणाली में समेकित करता है। इस मंच से छोटे और बड़े व्यवसायों को रणनीतिक और डेटा-आधारित निर्णय लेने में आसानी होगी, जिससे भारतीय व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है।

मेष- आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से कारोबार में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। बड़े कार्यों में सफलता हासिल होगी। कुछ पुराने मित्रों से संपर्क बन सकते हैं। आय के स्रोत विकसित होंगे। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम बरतें। धार्मिक कार्यों में खर्च होने की संभावना है। नए कार्य का शुभारंभ कर सकते हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। सरकारी क्षेत्र में लाभ मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी तथा कारोबार के क्षेत्र में धनलाभ के योग हैं। परिवारजनों के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। शारीरिक, मानसिक स्वस्थ्य और उत्साही बने रहेंगे। अपनी वाणी पर संयम बरतें। नए कार्यों को शुरू करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष की ओर से मन खुश रहेगा।

मिथुन- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। नए कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है। धन संबंधित लेन-देन में सतर्क बरतें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। धार्मिक कार्य तथा किसी यात्रा पर जा सकते हैं। दफ्तर में कार्यभार के कारण थकान महसूस हो सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से व्याकुलता का अनुभव रहेगा। परिवार के साथ समय गुजारेंगे और खूब मजा करेंगे।

कर्क- आज का दिन सामान्य रहेगा। मन अशांत और शरीर थोड़ा थकान से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने की संभावना रहेगी। वाहन के रखरखाव में खर्च बढ़ेंगे। अपनी भावनाओं को वश में रखें। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम बरतें। क्रोध से काम बिगड़ सकते हैं। धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है।

सिंह- आज का दिन अच्छा बीतेगा। आकस्मिक धनलाभ होने की भी संभावना है। दोस्तों से लाभ हो सकता है। नौकरी-पेशे वाले लोगों को लाभ होगा। सहकर्मियों से लाभ मिलेगा। नया कार्यों से आपको यश की प्राप्ति होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान पर विशेष ध्यान दें। घर में परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। सोच समझ कर लिए गए फैसले आपको खुशी देंगे।

कन्या- आज का दिन शुभ रहेगा। पूरा दिन अद्भुत अनुभव व जोश से भरा रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। अधिकारी आप के कार्य से संतोष का अनुभव करेंगे। मित्रों और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बीतेगा। नए वाहन का सुख मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से लाभ रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा।

तुला- आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ के योग रहेंगे, लेकिन परिश्रम की भी अधिकता रहेगी। नौकरी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। परिवार में कलह होने की संभावना है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य परेशान कर सकता है। अधिक धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ मिल सकता है। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आनंदायक रहेगी। छात्रों के लिए अच्छा समय है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। आपके द्वारा परोपकार का कार्य हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होने की संभावना है। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है।

धनु- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, खर्चों की अधिकता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक स्वास्थ्य बना रहेगा। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें। अनावश्यक खर्च और परिवार में वाद-विवाद से बचें। नकारात्मक मानसिकता आपको नुकसान पहुंचा सकती है।

मकर- आज का दिन लाभदायक रहेगा। निवेश करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक व मानसिक रूप से उत्तम रहेगा। परिजन व पड़ोसियों से बहस करने से बचें, क्योंकि कोई छोटी सी बहस भी बड़े झगड़े में परिवर्तित हो सकती है। खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना है। घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुम्भ- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। अधिक परिश्रम करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च भी अधिक बढ़ेगा। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद करने से बचें। संतान या रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं।

मीन- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। खुद पर संयम रखें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। दोस्तों से मुलाकात होगी और उनके सहयोग से लाभ प्राप्त होगा। धन और यश की हानि होने की संभावना है। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्दजाल - 8085

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा.

शब्दजाल - 8084 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.00 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	08.20 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.25 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.11 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.44 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.15 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.53 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.06 बजे से
		सिंह	23.23 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	01.34 बजे से
		तुला	03.45 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 324 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 12.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 10.59 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 09.53 बजे को समाप्त। **करण** नाग 12.17 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 01.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 42' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872534 **जूलियन दिन** 2460999.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 28 **विशेष** मार्गशीर्ष अमावस्या।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7029

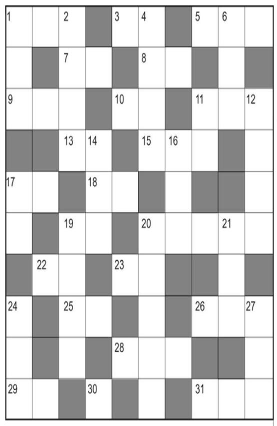

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं आँचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7028

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संपत्ति बनाम सुख

बहुत पुरानी कथा है। एक बड़ा व्यापारी था। उसका नाम था माइडाज। वह बेहद लालची था। उसके पास किसी चीज की कमी नहीं थी लेकिन दिन-प्रतिदिन कुछ और पाने की उसकी ललक बढ़ती ही जाती थी। सोने के लिए उसके भीतर खास कमजोरी थी। वह दिन-रात सोने के ख्यालों में खोया रहता। वह कल्पना किया करता कि उसका विशाल घर सोने से भर जाए। उसने धन कमाने के साथ-साथ देवता की आराधना की। उसकी साधना से प्रसन्न होकर देवता ने उससे कोई वर मांगने को कहा। सोने के लालची माइडाज को ओर तो कुछ सूझा नहीं। उसने कहा, 'प्रभो, आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो मुझे यह वर दीजिए कि मैं जो भी छुऊं, वह सोना का हो जाए।' देवता ने कहा, 'ऐसा ही होगा।' यह कहकर वह चले गए। माइडाज ने सबसे पहले अपने महल के खम्भे छुए। वे एकदम सोने के हो गए। फिर तो उसने एक-एक करके अपने घर की सारी चीजें छू डालीं। सब सोने की हो गईं। उसे भूख लगी। उसने खाना मंगवाया। जैसे ही उसने खाने को छुआ वह सोने का हो गया। यह तो बड़ी मुसीबत हो गई। वह सोना खाकर पेट नहीं भर सकता था और भूख रहकर जी नहीं सकता था। उसका सारा आनंद विषाद में परिणत हो गया। उसकी एक लड़की थी। वह पिता के वरदान से बड़ी खुश थी पर पिता की व्यथा से बहुत दुखी हुई। वह दौड़ी-दौड़ी पिता के पास आई। उसका पिता तो शोक-सागर में डूबा था। बेटी के सामने आते ही वह बिलखते हुए उसकी ओर बढ़ा। जैसे ही उसके कंधे पर हाथ रखा लड़की सोने की हो गई। माइडाज की दुनिया लुट गई। वह समझ गया कि आदमी को धन-दौलत जीवित नहीं रखती। वह जीवित रहता है प्यार के लिए, वह जीवित रहता है सुख के लिए। लेकिन वह प्यार, वह आनंद, वह सुख धन-संपत्ति में नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7338

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7337 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 8553

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8552 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी-सालेटेकरी से हैदराबाद की बसों में प्रति बस 10 हजार रूपये की रिश्वत ले रहे आरटीओ अनिमेष गढ़पाले-किशोर समरीते

टूरिस्ट परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर धड़ल्ले से किया जा रहा परिवहन विभाग द्वारा भ्रष्टाचार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने बालाघाट जिले में पदस्थ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाले द्वारा 50 हजार टूरिस्ट परमिट नेशनल परमिट एवं आल इण्डिया परमिट जारी कर लांजी, सालेटेकरी से हैदराबाद प्रतिदिन चल रही बसों में प्रति बस 10 हजार रूपये रिश्वत लेने की जांच करने तथा म.प्र. शासन को 200 करोड़ राजस्व की क्षति पहुँचाने का आरोप लगाते हुए पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त पुलिस भोपाल को पत्र लिखा है। श्री समरीते ने अपने पत्र में उल्लेख किया है की म.प्र. के बालाघाट जिले से लांजी से हैदराबाद, करीमनगर तथा सालेटेकरी से हैदराबाद एवं रायपुर से बालाघाट होते हुये सागर एवं छिंदवाड़ा लगभग 100 बसें नेशनल परमिट तीन माह का 90 हजार रूपये देकर आल इण्डिया परमिट पांच वर्ष के लिये तथा टूरिस्ट परमिट पर 100 बसें चल रही है। ये सभी बसें लांजी से प्रतिदिन हैदराबाद एवं तेलंगाना, करीमनगर चल रही है। टूरिस्ट परमिट में यात्रीयों की सूची तथा प्रति यात्री 12 रूपये की दर से टैक्स लगाकर परमिट दिया जाता है। किंतु ये सभी बसें टूरिस्ट परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर नेशनल परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर चलायी जा रही है। श्री समरीते ने लोकायुक्त पुलिस भोपाल को लिखे पत्र की प्रतिलिपि माननीय लोकायुक्त महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय म.प्र . शासन, मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन, प्रमुख सचिव परिवहन विभाग म.प्र. शासन, आयुक्त परिवहन विभाग ग्वालियर, म.प्र. शासन, माननीय नेता प्रतिपक्ष म.प्र. विधानसभा को भी भेजी है।

8 वर्षों से 200 करोड़ की राजस्व क्षति पहुँचाने का भी आरोप....

श्री समरीते ने कहा बालाघाट से सागर एवं छिंदवाड़ा, छत्तीसगढ़ रायपुर से 10 बसें प्रतिदिन बिना परमिट के चल रही है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सालेटेकरी, रजेगांव, बोनकट्टा बेरियरों से बिना परमिट के वाहनों का मध्यप्रदेश में प्रवेश करवाकर शासन को विगत 8 वर्षों से 200 करोड़ की राजस्व क्षति पहुँचायी है। वर्तमान में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से परमिट जारी करने के अधिकार राज्य शासन ने माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर वापिस ले लिये किंतु निरीक्षण एवं नियंत्रण के अधिकार यथावत रखे हैं। विगत आठ वर्षों में अनिमेष पढ़पाले की सम्पत्ति भी 10 गुना बढ़ी है। साथ ही बालाघाट से लगभग 6 लाख मजदूरों का इन बसों से पलायन हुआ है। अतः इस मामले की जांच कर विगत 7 वर्षों से बालाघाट में लगातार पदस्थापना होने की भी राज्य शासन ने जांच नहीं की। इस गंभीर अनियमितता की भी जांच होनी चाहिये।

सरकार की तन्ख्वाह से टाईमपास और रिश्वत के पैसे से कामकाज...

श्री समरीते ने परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाले पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की जब से परिवहन अधिकारी बालाघाट में पदस्थ हुए है जिले की यातायात व्यवस्था एवं परिवहन की कार्यप्रणाली पूरी तरह भ्रष्टाचार के आकंठ में डूब चुकी है। उन्होने कहा की परिवहन कार्यालय में जो काम बिना किसी शुल्क के हो सकता है उसकी भी मूल्य सूची परिवहन अधिकारी द्वारा बिचौलियों के माध्यम से तय कर दी गई है। उन्होने कहा की परिवहन अधिकारी द्वारा सरकार की तन्ख्वाह से केवल टाईमपास किया जा रहा है और रिश्वत के पैसे से कामकाज करने का रवैया अपना लिया गया है जिससे परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। अंत में उन्होने कहा की डिप्टी कमिश्नर जितेंद्र रघुवंशी के नाम पर परिवहन विभाग में पदस्थ बाबुओं द्वारा 25-25 हजार की रिश्वत केवल इस नाम से ली गई है की उनका रिटायरमेंट आगामी 1 दिसंबर को हो रहा है जिसकी भी जांच की जानी चाहिए।

आज माघी अमावस्या पर प्रसिद्ध चौंडादेव मेले का भव्य आयोजन

रात्रि में दुय्यम शाहिरी मुकाबला

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराष्ट्र सीमा पर बसे ग्राम लाड़सा में बाघ नदी के तट पर चौंडादेव जनकल्याण सेवा समिति लाड़सा द्वारा ग्रामीणजनों के सहयोग से माघी अमावस्या पर प्रतिवर्ष पारम्परिक रूप में मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी आज 20 नवंबर 2025 को माघी अमावस्या पर मेले का आयोजन किया

गया है। इस अवसर पर मेला समिति के द्वारा दुय्यम शाहिरी का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, दुलीचंद राजनीरे जिला पंचायत सदस्य, नीलकंठ ठाकरे जनपद सदस्य योगेश कुर्राहे, विजय मस्करे, टीकाराम मेंढे, श्रीमती गीता बाई कालबेले सरपंच लाड़सा, राधेश्याम नखाते, रंजनाबाई मंगरूलाल ढवरे सरपंच उमरी, रमेश लिल्हारे सचिव, विजय नखाते एवं समस्त पंच गण, ग्राम वासी ग्राम पंचायत लाड़सा, चौंडादेव समिति के अध्यक्ष सुशील टेंभरे, चुड़ामन कंकरायणे उपाध्यक्ष, कृष्णकुमार मेश्राम सचिव, कुँवरलाल नखाते कोषाध्यक्ष, राजू टेंभरे कार्यक्रम अध्यक्ष, सरंक्षक व्यवस्थापक समिति डुलेश्वर टेंभरे, लक्ष्मीकांत रावते, सतीश कंकरायणे, होमेश्वर नखाते, हासीचंद उरोड़े, पारस टेंभरे, बृजलाल मर्सकोले, बसंत टेंभरे, सुकलाल टेकाम, शिवचरण नखाते, गणेश उइके, आलोक महिन्दे, ज्ञानीराम शांडे, छबीलाल ठाकरे, मोतीलाल नखाते,देवेन्द्र कंकरायेणे, देवाजी टेकाम, बालराम मेश्राम, थानेश्वर उरोडे, रूपचंद जांभुरे, अंगद कंकरायणे, रामचन्द्र मेश्राम, राजहंस मेश्राम, कैलाश कंकरायणे, रमेश मालाधारी, संतोष हरिणखेडे, शिवाजी दखने, मधु बावनथड़े, नामदेव दखने, प्रवीण मेढे, यादोराव दखने, प्रेमलाल उइके, बुधराम बावने, धनकुमार कंकरायणे, विनोद मेढे, बसंत रावते, देबीलाल रामटेके, यशवंत कुंभरे, जामवंत ककंरायणे, मुलचंद पटले, आशीष मेश्राम, विजय टेंभरे आलोक कंकरायने, देवेन्द्र नखाते, मोहन ठाकरे, अंकुश टेंभरे एवं समस्त ग्रामीण जन ग्राम लाडसा ने सभी अपील की है उक्त मेले में पधारने हेतु। वहीं समिति ने व्यापारी बंधुओं को सुचित किया जाता है कि मेला स्थल की दुकाने 18 नवंबर 2025 को सुबह 10 बजे से आंवटित की जावेगी अतः आप अपनी समय पर आकर अपना स्थान सुरक्षित कर लेवे। मेला अन्तर्गत रात्रि 8 बजे से दुय्यम शाहिरी का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती गीता उपवंशी मोहगांव धपेरा जिला बालाघाट एवं श्रीमती दीपीका तुरकर बरघाट जिला सिवनी के मध्य शाहिरी का आयोजन किया गया है।

देवरबेली के टेमनी व नल्लेझरी में महिला सशक्तिकरण थीम पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले व खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में मिशन शक्ति जागरूकता शिविर व बाल अधिकार सप्ताह (14 से 20 नवंबर तक) के तहत विभिन्न स्थानों पर महिला एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में 19 नवम्बर को ग्राम पंचायत देवरबेली के ग्राम टेमनी एवं नल्लेझरी में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। टेमनी में आयोजित कार्यशाला में केराडेही, खमारदेही एवं सायर के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को अधिकारों, आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, शिक्षा, एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संबंधित प्रमुख अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की गई घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 अंतर्गत घरेलू हिंसा में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं भावनात्मक हिंसा शामिल है। पीड़िता हेतु रहने का अधिकार, सुरक्षा आदेश, भरण-पोषण एवं आपातकालीन सहायता का प्रावधान अधिनियम अंतर्गत दिया जाता है। शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोटेक्शन ऑफिसर, पुलिस, या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम में ग्रामीण बालिकाओं, महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई।मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में (महिलाओं के विकास एवं ज्ञान आधारित उन्नति के लिए सहयोग अंतिम पड़ाव तक पहुँच और क्षमता विकास के प्रयास, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिलाओं के केन्द्रीय कानून (घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005), कार्यस्थल पर महिलाओ का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) 2013, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम (1961), मिशन वात्सल्य, बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006), लैंगिक अपराधों से बच्चो का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम (2012), गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994), मेडिकल टर्मिशन ऑफ़ प्रेगनेंसी (एमटीपी),, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह से रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। उक्त अवसर पर क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा भी आपातकालीन संपर्क नंबरों से अवगत कराया, जिससे आमजन इन सेवाओं का आवश्यकता पड़ने पर तत्काल लाभ ले सकें। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा, देवरबेली सरपंच सुरेन्द्र सिंह मरावी, घोटी सरपंच श्रीचंद कामड़े, स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन, धीरज वाहने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, माध्यमिक शाला टेमनी के शिक्षक श्री सहारे, माध्यमिक शाला नल्लेझरी के दानेश्वरी चोरवाड़े, उमाकांत उईके, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मानकुंवर यादव टेमनी, गीता विश्वकर्मा संदूका, सावित्री मरावी नल्लेझरी एवं सहायिका, आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लांजी पुलिस ने 24 घंटे में मोटर सायकल चोर को वाहन सहित किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में मोटर सायकल चोरी की घटनाओं को लेकर लांजी पुलिस के द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है जिसमें पुलिस के द्वारा एक मोटर सायकल चोरी की घटना में 24 घंटे के भीतर मोटर सायकल चोर को वाहन सहित हिरासत में लेकर कार्यवाही की गई है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत भानेगांव निवासी सुनील पिता

परमानंद छुट्टानी उम्र 35 वर्ष ने 17 नवंबर को पुलिस थाना लांजी पंहुचकर रिपोर्ट लेख कराई की मेरी भानेगांव में मोबाईल की दुकान है मैने अपनी मोटर सायकल एचएफ डीलक्स वाहन क्रमांक एमपी 50 एमटी 8089 अपने घर के पीछे आंगन में रखा था। 15 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे मै अपनी मोटर सायकल घरेलु कार्य से जाने के लिये देखा तो मेरी मोटर सायकल आंगन मे नही थी जिसकी पतासाजी मैने आस पडोस में किया तो पता नही चला जो कि अंदाजा लगाया गया कि मेरी मोटर सायकल चोरी हो चुकी है। फिर आस पास के गांव मे पतासाजी भी कि गई लेकिन कुछ पता नही चला तो 17 नवंबर को मोटर सायकल चोरी के संबध में पुलिस थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराया गया। लांजी पुलिस के द्वारा उक्त प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुये अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 299/25 धारा 303-2 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला के द्वारा आदेशित कर चोरी की मोटर सायकल की बरामदगी हेतू टीम का गठन कर आरोपी के गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया जिनके द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी ओमप्रकाश भापुसे के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा अपनी सूझबूझता तथा कार्यशैली के आधार पर अपराध दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी सुभाष पिता श्रीचंद सोनबरसे उम्र 35 वर्ष निवासी भालवा थाना किरनापुर को विधिवत हिरासत में लिया गया एवं घटना में चोरी की गई मोटर सायकल एचएफ डीलक्स क्रमांक एमपी 50 एमटी 8089 भी जप्त कि गई। अपराध क्रमांक 299/25 धारा 303-2 बीएनएस के तहत आरोपी सुभाष पिता श्रीचंद सोनबरसे उम्र 35 वर्ष निवासी भालवा को मोटर सायकल समेत हिरासत में लिया जाकर न्यायालय में पेश किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

मोटर सायकल चोरी मामले में त्वरित कार्यवाही करने में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में थाना प्रभारी दीपसिंह परमार, सउनि परमानंद भगत, आशुतोष सिंह राजपूत, दिलीप यादव, सुजीत पाल, चेतन सोनी, महेन्द्र कुशवाह की सराहनीय भूमिका रही।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में आयोजित दो दिवसीय अंतराष्टीय सम्मेलन का 19 नवम्बर को समापन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. गोविंद सिरसाटे, डॉ. पी.एस. कातुलकर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एन.एम. कुरैशी, डॉ. उषा सिंह एवं सभी बाहर से आये शोधकर्ता उपस्थित हुए। इस अंतर्राष्टीय सम्मेलन का आयोजन हाईब्रिड मोड (आनलाईन/आफलाईन) किया गया, जिसका विषय एडवास्ड मटेरियलस इन इमरजिंन सांईस एण्ड टेक्नालाजी है। वर्तमान परिदृष्य में इस विषय पर अनेक शोध कार्य किये जा रहे है इस सम्मेलन में देश और विदेश के शोधकर्ता एवं प्राध्यापक ऑनलाईन तथा ऑफलाईन मोड में जुडकर उपरोक्त विषय पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। दो दिवसीय अंतर्राष्टीय सम्मेलन में समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में सिविल जज की भर्ती परीक्षा पर विवाद

कांग्रेस ने पूछा 121 आरक्षित पदों पर एक भी आदिवासी का सिलेक्शन क्यों नहीं हुआ

भोपाल। प्रदेश में सिविल जज परीक्षा 2022 के कुल 191 पदों में से 121 पद आदिवासी का चयन न होने पर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने आपत्ति जताई है। डॉ भूरिया ने एमपी आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम के साथ भोपाल प्रदेश कांग्रेस मु यालय में बुधवार को पत्रकार-वार्ता की।डॉ. भूरिया ने इस भर्ती परीक्षा को आरक्षित वर्ग के लिए दोबारा कराकर आदिवासी उ मीदवारों को शामिल करने की मांग की।

डॉ. भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सिविल जज-2022 के परिणाम ने पूरे आदिवासी समाज को गहरे आघात में डाल दिया है। कुल 191 पदों में से 121 पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित थे, लेकिन इन 121 आरक्षित पदों पर एक भी आदिवासी उ मीदवार का चयन नहीं होना केवल एक प्रशासनिक 'विफलता' नहीं, बल्कि सिस्टम में गहरे बैठे पक्षपात और संरचनात्मक भेदभाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। यह सवाल केवल इतना भर नहीं है कि परिणाम क्या आया, असली सवाल यह है कि क्या सचमुच 121 सीटों पर एक भी योग्य आदिवासी युवा नहीं मिला या फिर चयन प्रक्रिया और पूरी प्रणाली ने उन्हें शुरुआत की सीढ़ी पर ही रोक दिया। पिछले चार वर्षों से लगातार एक ही पैटर्न सामने आ रहा है कि सिविल जज भर्ती प्रक्रिया में एसटी उ मीदवारों को मु य परीक्षा की

सीढ़ी तक पहुँचने ही नहीं दिया जाता, प्रारंभिक चरणों में ही ऐसे मानक, कट-ऑफ और प्रक्रियाएँ लागू की जाती हैं जिनके चलते आदिवासी युवाओं को व्यवस्थित रूप से बाहर कर दिया जाता है।

डॉ. भूरिया ने कहाकि 121 आरक्षित सीटों पर एक भी आदिवासी का चयन न होना भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि संवैधानिक व न्यायिक संस्थाओं तक पहुँचने का रास्ता आदिवासी समाज के लिए किस तरह संकुचित और दुर्गम बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल 121 सीटों की बात नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के लगभग डेढ़ करोड़ आदिवासियों की अस्मिता, अधिकार और पहचान की लड़ाई का प्रश्न है।

डॉ. भूरिया ने कहा कि यह लड़ाई न्यायपालिका, प्रशासकीय प्रक्रिया और सरकारी नीतियों में बैठे संगठित भेदभाव के खिलाफ एक व्यापक संघर्ष है। यह संघर्ष इस बात के लिए है कि आदिवासी समाज को संवैधानिक संस्थाओं तक पहुँचने का, न्याय पाने का और निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी का समान अधिकार मिले, जो उन्हें संविधान ने दिया है।डॉ. भूरिया ने मांग की कि मध्यप्रदेश सिविल जज-2022 की पूरी चयन प्रक्रिया की न्यायिक जांच कराई जाए। स्क्रीनिंग, कट ऑफ, मूल्यांकन और इंटरव्यू के पूरे पैटर्न को सार्वजनिक किया जाए और विशेष रूप से यह सामने लाया जाए कि स्ब्र आरक्षित सीटों पर शून्य चयन की स्थिति कैसे बनी। उन्होंने यह भी मांग की कि उच्च न्यायालय/सुप्रीम कोर्ट या किसी स्वतंत्र आयोग की निगरानी में इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जाँच हो तथा भविष्य में न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक पदों पर आदिवासी वर्ग के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चितता हेतु ठोस और सकारात्मक सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ।

डॉ. भूरिया ने कहा कि अदालतों, आयोगों और सरकार—तीनों को मिलकर यह जवाब देना होगा कि 121 आरक्षित सीटों में शून्य चयन क्यों हुआ और इस तरह के संगठित भेदभाव के लिए कौन जि मेदार है। उन्होंने चेतावनी दी कि आदिवासी समाज अब चुप नहीं बैठेगा। हम न्याय के लिए लड़ेंगे, हम संविधान के लिए लड़ेंगे और हम आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए लड़ेंगे। यह लड़ाई सच्चाई, न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है, जिसमें पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता।

191 पदों पर ऐसा था आरक्षण

विज्ञापन में मूल रूप से 199 पद घोषित थे, बाद में यह 195 पद कराए गए। बाद में एक और सुधार में यह सं या 191 पद होने की सूचना आयी।

पदों का आरक्षण

अनारक्षित = 43
ओबीसी= 9
एससी= 18
एसटी= 121

बाघों की मौत में मप्र अव्वल

- टाइगर स्टेट में 11 महीने में 48 बाघों की मौत

भोपाल। देश में टाइगर स्टेट का तमगा रखने वाले मप्र में इस साल 11 महीने में ही अब तक 48 बाघ और शावकों की मौत हो गई। यह देशभर में इस साल हुई सबसे ज्यादा मौतों का आंकड़ा है। इसके बाद महाराष्ट्र है। चौंकाने वाली बात यह है कि मरने वाले बाघों में से 5 से 8 साल के उम्र की बाघिने भी हैं। ये प्रदेश में बाघों कुनबा बढ़ाने में मददगार साबित होतीं। मौतों की बड़ी वजह सरकारी लापरवाही और निगरानी तंत्र का फेल होना है। हालांकि कुछ मामलों में आपसी संघर्ष भी बाघों की जान गई है।

प्रदेश में एक तरफ बाघों की गणना करने की तैयारी चल रही है, वहीं दूसरी तरफ बाघों की मौत के आंकड़ों ने चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2013 से लेकर अब तक के आंकड़ों का आकलन करने पर यह तथ्य सामने आया है कि विगत 13 वर्षों में इस साल प्रदेश में सबसे अधिक बाघों की मौत हुई है। 2013 में 11 बाघों की मौत हुई थी। वहीं 2014 में 15, 2015 में 13, 2016 में 31, 2017 में 10, 2018 में 25, 2019 में 28, 2020 में 26, 2021 में 41, 2022 में 34, 2023 में 43, 2024 में 47 और 2025 में अभी तक 48 बाघों की मौत हो चुकी है।

इस बार रिकॉर्ड मौत

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में इस साल अब तक 48 बाघों की मौत हो चुकी है। यह देश में सबसे ज्यादा है। वहीं इस साल हुई बाघों की मौत के आंकड़ों ने पिछले सालों के सारे रिकॉर्ड भी तोड़ दिए हैं। साल के आखिर तक बाघों की मौत का आंकड़ा 50 से ऊपर पहुंच जाएगा। मप्र में पिछले साल 47 बाघों की मौत हुई थी। यह भी पिछले सालों में सबसे ज्यादा थी। अब पिछले साल की मौतों का रिकार्ड भी टूट गया है। गौरतलब है कि साल 2022 की बाघ गणना में मप्र में बाघों की संख्या 785 थी। बाघों की इस संख्या के साथ मप्र को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला था। बाघ गणना 2022 से 2025 तक चार साल हो गई हैं। अब बाघों की नई गणना भी शुरू हो चुकी है। पिछली बाघ गणना से अब तक प्रदेश में 172 बाघों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में बढ़ रहे बाघों की मौत के आंकड़े नई बाघ गणना को भी प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मामले में वन अधिकारियों का कहना है कि बाघों की संख्या बढ़ने की वजह से बाघों की मौत के आंकड़े बढ़े हैं।

पिछली गणना में थे 563 बाघ

प्रदेश में पिछली गणना में टाइगर रिजर्व के भीतर 563 बाघ मिले थे। सबसे ज्यादा 165 बाघ बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में थे। वहीं कान्हा टाइगर रिजर्व में 129 और पेंच टाइगर रिजर्व में 123 बाघ थे। कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है। इस वजह से इन टाइगर रिजर्व में बाघों के बीच आपसी संघर्ष के मामले बढ़ गए। हैरत की बात यह है कि बाघों के लिए संरक्षित क्षेत्र टाइगर रिजर्व में सबसे ज्यादा बाघ मारे जा रहे हैं। इस साल अब तक 29 बाघों की मौत टाइगर रिजर्व के भीतर हुई है। टाइगर रिजर्व के भीतर बाघों की मौत के आंकड़े बढ़ने की वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष बताया जा रहा है। वन अधिकारियों के मुताबिक टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में बाघों की संख्या बढ़ गई है। इससे बाघों के बीच आपसी संघर्ष बढ़ने लगा है। कमजोर बाघ अपनी टेरेटरी छोड़कर टाइगर रिजर्व से बाहर जा रहे हैं। ऐसे टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की मौत के मामले बढ़े हैं। बाघों की मौत के मामले में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व आगे रहता था। इस बार बाघों की मौत के नए स्पॉट पैच और कान्हा टाइगर रिजर्व बन गए है। इन टाइगर रिजर्व में इस साल बाघों की ज्यादा मौत हुई है। यह भी चिंता की बात है। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ने के साथ ही शिकार की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इस साल बाघों के शिकार के भी कई मामले पकड़ में आए है।

मप्र के आईएएस अफसर अविनाश लवानिया को बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के 2009 बैच के आईएएस अधिकारी अविनाश लवानिया को केंद्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। केंद्र ने उन्हें प्रतिनियुक्ति पर बुलाते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में डायरेक्टर पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत पांच साल के लिए की गई है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से राज्य की मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में लवानिया को तुरंत राज्य सरकार की ड्यूटी से मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। नए आदेश के बाद वे जल्द ही दिल्ली में पदभार ग्रहण करेंगे।

अविनाश लवानिया फिलहाल जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड में मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। ऊर्जा क्षेत्र में उनके योगदान और प्रबंधन क्षमता की अक्सर सराहना की जाती रही है। इससे पहले वे प्रदेश में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी संभाल चुके हैं और प्रभावी कार्यशैली के लिए पहचाने जाते हैं।

मप्र में रफ्तार नहीं पकड़ पर रहा एसआईआर

अब तक 9.72 प्रतिशत गणना पत्रक ही डिजिटाइज

भोपाल। मध्यप्रदेश में चुनाव आयोग की सख्ती के बाद अब तक कुल 9.72 प्रतिशत गणना पत्रकों का ही डिजिटाइजेशन किया गया है। चुनाव आयोग द्वारा इसको लेकर रोज की जा रही समीक्षा के आधार पर मप्र का नम्बर देश के 12 राज्यों में कराई जा रही एसआईआर की कार्यवाही में छठे स्थान पर। यह इस बात का प्रमाण है कि गणना पत्रक का प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। प्रमुख जिले ग्वालियर, इंदौर एवं भोपाल में डिजिटाइजेशन का कार्य लगभग पांच प्रतिशत ही हुआ है जो वास्तव में चिंता का विषय है। इसको लेकर भाजपा मप्र की निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रदेश स्तरीय टोली के प्रदेश संयोजक व विधायक भगवानदास सबनानी, पार्टी के प्रदेश मंत्री व सह संयोजक रजनीश अग्रवाल एवं एसएस उप्पल ने मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा को ज्ञापन सौंपा।

टोली के पदाधिकारियों ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना पत्रक दिए गए हैं लेकिन उनको भरने में कोई तत्परता नहीं दिखाई है। जिसके कारण प्रदेश में लगभग 10 प्रतिशत ही गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य हो पाया है। गणना पत्रक और फार्म छह, सात और आठ का वितरण एवं संग्रहण चार दिसंबर तक समाप्त करना है। मध्य प्रदेश में कुल मतदाता 5.74 करोड़ के लिए गणना पत्रक का मुद्रण एवं वितरण का कार्य निर्वाचन आयोग द्वारा 15 दिनों में पूर्ण करना है। अब इन गणना पत्रक के संग्रहण और डिजिटाइजेशन के लिए सिर्फ 15 दिन की अवधि ही शेष है। ऐसे में टोली के पदाधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा से अनुरोध किया कि गणना पत्रक के डिजिटाइजेशन के को गति देने के लिए जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, ईआरओ को समयावधि में लक्ष्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित करें।

कांग्रेस बढ़ाएगी सक्रियता

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में उन 12 राज्यों के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की जहां निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान चला रहा है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्ष तक इस काम में जुट जाएं। एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची से कटना नहीं चाहिए और एक भी अपात्र का नाम सूची में होना नहीं चाहिए। यदि कहीं भी गड़बड़ी पकड़ में आती है तो तुरंत उसे सार्वजनिक करें। बैठक में शामिल हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि मध्य प्रदेश में एसआइआर के काम को लेकर जिला, विधानसभा और ब्लाक प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। प्रदेश स्तरीय समिति गठित की गई है।

विनोद / 19 नवम्बर 25

अब हर ग्राम पंचायत में एक सचिव की नियुक्ति अनिवार्य

जिला स्तर पर बनाया जाएगा पंचायत सचिवों का कॉडर

भोपाल। लोकतंत्र की नींव के रूप में कार्य करने वाली ग्राम पंचायतें मानव संसाधन की कमी से जूझ रही हैं। इसका असर उनके काम के प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है। इसको देखते हुए मप्र सरकार पंचायत सचिवों का कॉडर बनाने जा रही है। जिसमें हर ग्राम पंचायत में एक पंचायत सचिव की नियुक्ति अनिवार्य होगी। वर्तमान में औसतन दो से चार ग्राम पंचायतों पर एक सचिव नियुक्त होता है। लेकिन अब प्रदेश में पंचायत सचिवों को एक से ज्यादा ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। सरकार ने तय किया है कि प्रत्येक जिले में ग्राम पंचायतों के बराबर सचिव पदस्थ किए जाएंगे। इसके लिए पंचायत सचिव के लिए जिला स्तर पर कॉडर बनाया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्राम पंचायतों और मजबूत बनाने के संकेत दिए थे। उसके बाद विभागीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें निर्णय लिए गए कि राज्य सरकार पंचायत सचिवों के लिए जिला स्तर पर कॉडर तैयार करेगा। इसमें हर जिले में यहां की ग्राम पंचायतों की संख्या के आधार पर पंचायत सचिवों की नियुक्ति की जाएगी। इसके जिला जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से उनके जिलों में आने वाली ग्रामपंचायतों की संख्या के साथ रिक्त पदों की जानकारी दी जाएगी। सभी जिलों से जानकारी मिलने के उपरांत राज्य सरकार कर्मचारी मंडल द्वारा पंचायत सचिवों की भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत करेगी। इसके लिए सरकार ने तीन स्तरीय वेतनमान की व्यवस्था तय की है।

आधे पदों पर मिलेगी रोजगार सहायकों को प्राथमिकता

विभागीय अधिकारियों की माने तो पंचायत सचिव की शुरुआती सेवाओं के दौरान उन्हें कार्यभार ग्रहण करने से 2 साल तक 10 हजार रुपए का फिक्स (निश्चित) वेतन दिया जाएगा। इस सेवा अवधि को पूरा करने के उपरांत सचिव सातवें वेतनमान के पात्र हो जाएंगे और उन्हें 19,500 से 62,200 तक दी जाएगें। पंचायत सचिव की सेवाएं 10 वर्ष पूरी होने के उपरांत उन्हें 23 हजार 500 से 80 हजार 500 रुपए का वेतनमान देय होगा। जानकारी के अनुसार पंचायत सचिव के कुल रिक्त पदों में से 50 प्रतिशत पदों पर रोजगार सहायकों को प्राथमिकता मिलेगी। यानि कि इतने पद रोजगार सहायकों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। हालांकि रोजगार सहायकों को भी भर्ती प्रक्रिया का पालन करना पड़ेगा। बताया गया है कि पंचायत सचिवों के रिक्त पदों की सूचना हर वर्ष जिला पंचायतों के मुख्यकार्यपालन अधिकारियों को 15 जनवरी तक कर्मचारी चयन मंडल को भेजनी होगी। जिसके द्वारा पात्रता परीक्षा केआधार पर अभ्यार्थियों की जिला और श्रेणीवार योग्यता सूची तैयार की जाएगी। इसमें 15 प्रतिशत अभ्यार्थियों के नाम प्रतीक्षा सूची में भी शामिल किए जाएंगे। पात्रता परीक्षा में समान अंक प्राप्त करने पर ऐसे अभ्यार्थी को प्रोवमिकता मिलेगी, जिसकी आयु अधिक और उसने कम्प्यूटर दक्षता परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त किए हो। मध्यप्रदेश में 23 हजार 6 ग्राम पंचायतें है। जानकारों की माने तो सरकार ने तय किया है कि अब प्रत्येक ग्राम पंचायतों के लिए एक सचिव की नियुक्ति की जाएगी। जानकारों की माने तो 23 हजार 11 पंचायत सचिव पद पर भर्ती की जाएगी। अगर मौजूदा स्थिति पर नजर डाले तो राज्य की 20 प्रतिशत से ज्यादा ग्राम पंचायतें ऐसी है, जहां के माजूद, सचिवों के पास एक से ज्यादा पंचायतों की जिम्मेदारी है। बए नियम के आधार अब किसी भी पंचायत सचिव को एक से ज्यादा पंचायतों की जिम्मेदारी नहीं जाएगी।

जनवरी 2026 से शुरू होगी पदों को भरने की प्रक्रिया

जानकारों की माने तो इस नए नियम के आधार पर जनवरी 2026 से पंचायत सचिवों के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरु होगी। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। पात्रता परीक्षा से चयनित किसी भी अभ्यार्थी की नियुक्ति उनके गृह ग्राम में आने वाली पंचायतों के लिए नहीं की जाएगी। ऐसे में उन्हें जिले की दूसरी ग्राम पंचायतों में ही नियुक्त किया जाएगा।

2 साल पूरा करने जा रही मोहन सरकार के दो फैसले पलटे

भोपाल। मध्य प्रदेश में 2 साल पूरे करने जा रही मोहन यादव सरकार ने बीते 24 घंटे के भीतर दो बड़े फैसले पलटे है। ये पहली बार है कि जब मोहन सरकार की ऐसी किरकिरी हुई है। सिंहस्थ लैंड पूलिंग एक्ट को वापस लेने के सरकार के फैसले के बाद किसानों ने उज्जैन में आतिशबाजी की। वहीं, ममलेश्वर लोक प्रोजेक्ट को रद्द करने के फैसले पर ओंकारेश्वर में भी लोगों ने भी जश्न मनाया।

अहम सवाल ये है कि आखिर इसकी नौबत क्यों आई? धार्मिक पर्यटन के लिए मोहन सरकार जो स्कीम ला रही है, उस योजना को बनाने से पहले लोगों से मशविरा क्यों नहीं हो रहा है?

बैंक से 1266 करोड़ की धोखाधड़ी,मामले में ईडी ने दुबई में 51 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

भोपाल । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से हुई 1266 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी की दुबई स्थित संपत्तियों को कुर्क किया है। आरोपी का नाम श्रीकांत भासी है जिसकी एडवांटेज ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड (एओपीएल) कंपनी ने बैंक से धोखाधड़ी की थी। दुबई में उसकी 51 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति होने की जानकारी जांच में पता चली थी जिसे अब ईडी ने कुर्क किया है।

दुबई के इन इलाकों में थी प्रॉपर्टियां

आरोपी श्रीकांत भासी की दुबई स्थित जिन संपत्तियों को कुर्क किया गया है उनमें लग्जरी अपार्टमेंट और व्यावसायिक स्थान शामिल हैं। इनमें से कुछ प्रॉपर्टी दुबई के सबसे प्रीमियम क्षेत्रों में स्थित हैं। बताया गया है कि सेंचुरियन रेजिडेंस - दुबई इन्वेस्टमेंट पार्क सेकंड, दुबई सिलिकॉन ओएसिस, लीवा हाइट्स (अल थान्याह फिफ्थ), बिज़नेस बे और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर रेजिडेंस में स्थित उक्त संपत्तियाँ, कानूनी तौर पर भासी की बेटी के नाम पर हैं, जिन्हें 2022 और 2023 के बीच गिफ्ट के तौर पर उसकी बेटी के नाम किया गया। ईडी अधिकारियों का कहना है कि ये सभी संपत्तियां अवैध व्यापार, बैंक ऋण के डायवर्जन, सर्कुलर ट्रेडिंग, दस्तावेजों के निर्माण और एओपीएल और उसकी सहयोगी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से अवैध आय अर्जित कर खरीदी गई थीं।

ऐसे हुई थी धोखाधड़ी

जाँच में सामने आया कि एओपीएल ने एसबीआई की शाहपुरा शाखा से कई विदेशी साख पत्र (एफएलसी) प्राप्त किए थे। अप्रैल और मई 2018 के बीच, एओपीएल द्वारा मार्जिन आवश्यकताओं को पूरा करने में कथित रूप से विफल रहने और एलसी रोलओवर के दौरान चूक करने के बाद, 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1,266.63 करोड़ रुपये के बराबर) मूल्य के 12 एफएलसी बैंक को हस्तांतरित कर दिए गए। बाद में सावधि जमा मार्जिन में कमी के कारण बैंक को विदेशी सप्लायरों को भुगतान करने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसके कारण बैंक को भारी नुकसान हुआ। ये हस्तांतरित साख पत्र, पीओसी का एक प्रमुख घटक हैं, जिन्हें बाद में संबंधित संस्थाओं के माध्यम से लेयराइज और दुरुस्त किया गया और विदेशी संपत्ति अर्जित करने के लिए उपयोग किया गया।

कैफे में उत्पात मचाने वाले आरोपियो के यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र होने का अनुमान

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में स्थित मैजिक स्टॉट कैफे में बीती रात जमकर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ करने वाले आरोपी निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र बताये जा रहे हैं। उनकी पहचान कर धरपकड़ के लिये तीन थानों मिसरोद, कटारा हिल्स और बागसेवनिया की संयुक्त टीमें जुटी हुई है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की है। लेकिन फरियादी की शिकायत पर नामजद एफआईआर दर्ज करते हुए दो संदेहियो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार रात करीब सात बजे कैफे में 20 से ज्यादा नकाबपोश बदमाशों ने तलवार-डंडों से जमकर तोड़फोड़ की थी। दो मिनट से भी कम समय में आरोपी वहाँ दहशत फैलाकर फरार हो गये। वारदात के सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुए है। जिसमें बदमाश हाथों में तलवार और डंडा लेकर हमला और तोड़फोड़ करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फरियादी सक्षम गोस्वामी की शिकायत पर आरोपी निखिल पटेल, वासु गुप्ता, अभिषेक, रिषभ व अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि हमला करने वाले आरोपी सेज यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। शुरुआती जांच के आधार पर अधिकारियो का कहना है कि आरोपियो की नियत लूटपाट नहीं थी, वे सीधे कैफे में घुसे और तोड़फोड़ कर फरार हो गए। इससे आशंका है की किसी बात को लेकर हुई रंजिश के चलते घटना हुई है। हालांकि कैफे संचालक सक्षम किसी तरह की अनबन की बात नहीं दे सके है।

बगैर बीमा वाले हेलिकॉप्टर में उड़ रहे सीएम

18 अक्टूबर को खत्म हो चुका है हेलिकॉप्टर का इंश्योरेंस, दोबारा बुलाए हैं टेंडर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समय बिना बीमा वाले हेलिकॉप्टर से उड़ रहे हैं। सीएम इस हेलिकॉप्टर से प्रदेश की राजधानी के अलावा अलग-अलग जिलों में पहुंच रहे हैं। फ्रांस की कंपनी से खरीदे गए हेलिकॉप्टर के बीमा के लिए सरकार ने बीमा कंपनियों से 70 करोड़ रुपए के ऑफर मांगे थे, लेकिन कोई कंपनी आगे नहीं आई। बताया जाता है कि 18 अक्टूबर से इस हेलिकॉप्टर का बीमा समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद सीएम, मंत्री और अधिकारियों की टीम इसमें दौरे कर रही है। अब 14 नवंबर को विमानन विभाग ने 27 नवंबर तक बीमा के लिए नया टेंडर जारी किया है।

हेलिकॉप्टर का बीमा कराने के लिए सरकार ने कंपनियों के समक्ष शर्त रखी है कि किसी भी दुर्घटना, हाईजैक या आतंकी हमले की स्थिति में नुकसान की भरपाई बीमा कंपनी करेगी। बीमा में फिजिकल लॉस या डैमेज, उड़ान, ऑपरेशन, टैक्सी सेवा या ग्राउंड कवरेज शामिल होंगे। थर्ड पार्टी लायबिलिटी के अंतर्गत हेलिकॉप्टर की प्रॉपर्टी, पैसेंजर और क्रू लीगल लायबिलिटी बीमा में शामिल होगी। प्रस्तावित मूल्य दो करोड़ रुपए तय किया गया है। वर्तमान बीमा में हल ऑल रिस्क, हल वार रिस्क, थर्ड पार्टी, पैसेंजर और क्रू लायबिलिटी डीजीसी नियमों के अनुसार शामिल हैं।

कोरोना काल में 6 मई 2021 को राज्य सरकार का प्लेन बिना बीमा के डैमेज हो गया था। यह विमान गुजरात से रेमडेसिविर इंजेक्शन लेकर ग्वालियर आ रहा था। लैंडिंग के दौरान रनवे से करीब 300 फीट पहले लगे अरेस्टर बैरियर से टकराने के कारण विमान क्षतिग्रस्त हो गया था। विमान का कॉकपिट और प्रोपेलर ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए थे। यह दो इंजन वाला किंग एयर बी-250 (टर्बोप्रॉप) विमान था, जिसमें 9 यात्री और 2 पायलट बैठ सकते थे। मई 2021 तक इस विमान ने 210 घंटे 2 मिनट की उड़ानें पूरी की थीं।

द.अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में हार्दिक-बुमराह का शामिल होना मुश्किल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की यह सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी। हार्दिक पिछले कुछ समय से चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं और उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल है क्योंकि माना जा रहा है कि हार्दिक का ध्यान फिलहाल खेल के सबसे छोटे प्रारूप पर केंद्रित है।

बुमराह के वर्कलोड पर ध्यान

प्रीमियर तेज गेंदबाजों के वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए बुमराह को भी इस वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। हार्दिक को सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगी थी जिस कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी हिस्सा नहीं ले सके थे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, हार्दिक चोट से उबर रहे हैं और फिलहाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंट में आरटीपी (रिटर्न टू प्ले) पर काम कर रहे हैं। फिलहाल चोट से सीधे उबर कर 50 ओवर के मैच खेलना जोखिम भरा हो सकता है। टी20 विश्व कप तक बीसीसीआई की मेडिकल टीम और हार्दिक का ध्यान टी20 पर ही केंद्रित है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल सकते हैं हार्दिक

यह समझा जाता है कि हार्दिक पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बडौदा के लिए खेलेंगे और अपनी मैच फिटनेस साबित करेंगे। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हिस्सा लेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को तीन वनडे भी खेलने हैं, लेकिन टी20 विश्व कप तक 50 ओवर के क्रिकेट को सीमित महत्व मिलेगा। आईपीएल के बाद सीनियर खिलाड़ियों का ध्यान 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप पर केंद्रित हो जाएगा।

दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी पहुंची टीम

वहीं, भारतीय टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए गुवाहाटी पहुंच गई है। भारत फिलहाल दो मैचों की इस सीरीज में 0-1 से पीछे चल रहा है और उसकी कोशिश सीरीज में बराबरी करने पर टिकी होंगी। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना भी चिंता का विषय है और उनके दूसरे मैच में खेलने पर संशय है।

पहले टेस्ट के लिए पोंटिंग की पसंदीदा टीम में युवा वेदरल्ड और डॉगेट शामिल

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने शुक्रवार इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। पोंटिंग ने अंपनी इस टीम में युवा जेक वेदरल्ड का समर्थन किया है और तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है।

इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की बढ़ती हुई चोटों को ध्यान में रखते हुए टीम संतुलन और संयोजन को ध्यान में रखते हुए पोंटिंग ने एक नए खिलाड़ी के साथ-साथ एक नए तेज गेंदबाज को भी शामिल किया है। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ टीम में जेक वेदराल्ड, (उस्मान) ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए बेहतर रहेंगे।

उन्होंने साथही कहा, उन्होंने लाबुशेन पिछले महीने में उनसे जो भी अपेक्षा की गई थी, वह सब कुछ किया है, अपनी इच्छानुसार शतक बनाए हैं और तीसरे नंबर पर टीम में वापसी की है। स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर, ट्रैविस हेड पांचवें नंबर पर, कैमरन ग्रीन छठे नंबर पर और कैरी सातवें नंबर पर उतरेंगे। स्कॉट बोलैंड, मिशेल स्टार्क के साथ गेंदबाजी करेंगे। डॉगेट को माइकल नेसर की जगह अवसर मिलेगा और स्पिनर नाथन लियोन टीम में होंगे।

पोंटिंग ने अपनी पसंदीदा एकादश की घोषणा के साथ बताया कि एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया की परेशानी जोश हेजलवुड के हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बढ़ी है। कप्तान कमिंस की अनुपस्थिति ने हेजलवुड की अनुपस्थिति को और बढ़ा दिया है, जिससे बोलैंड, स्टार्क और डोगेट ही मुख्य तेज गेंदबाजी विकल्प रह गए हैं, जबकि चयनकर्ताओं पहले टेस्ट के लिए माइकल नेसर को कवर के तौर पर टीम में रख सकते हैं1

पोंटिंग की ऑस्ट्रेलियाई अंतिम ग्यारह इस प्रकार है

जेक वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, स्कॉट बोलैंड, मिशेल स्टार्क, डॉगेट, नाथन

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम 8 मैच

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2026-27 सत्र के तीन मैच हार गयी है। दो बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस बार के चक्र में पहले 8 मैचों में से तीन मैच हार गयी है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और चार मैच जीते हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम को आगे के बचे हुए 10 मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी भी 10 मैच हैं जिसमें वह हालात बदल सकती है इसमें अगर वह आठ मैच जीतती है तो फाइनल में पहुंच जाएगी पर इससे कम में उससे काफी मुश्किलें होगी। अभी शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अंक तालिका में 54 फीसदी के करीब मैच जीतकर चौथे स्थान पर है। वहीं डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए 64 से 68 फीसदी जीत हासिल करनी होगी। इससे साफ है कि टीम को अब अधिक से अधिक मैच जीतने होंगे।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं।

रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

इस बार इंग्लैंड टीम जीत सकती है एशेज सीरीज - पनेसर

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर को उम्मीद है कि उनकी टीम 21 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरु होने जा रही एशेज सीरीज जीतने में सफल रहेगी। स्पिनर रहे पनेसर के अनुसार इंग्लैंड की टीम 3-2 या 3-1 से एशेज ट्रॉफी जीत सकती है। पनेसर का मानना है कि अगर उनकी टीम पर्थ में पहला टेस्ट जीत लेती है, तो सीरीज पर कब्जा करने में सफल रहेगी। पनेसर 2006-07 और 2013-14 में एशेज सीरीज में शामिल रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया साल 2011 के बाद से ही इंग्लैंड के खिलाफ कोई भी घरेलू टेस्ट नहीं हारी है ऐसे में वह इस बार जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है परन्तु पनेसर का मानना ??है कि जिस प्रकार से कप्तान पैट कमिंस, जोस हेजलवुड सहित कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हुए हैं उससे मेजबान टीम के जीतने की संभावना कमजोर कम हुई है। ऐसे में इंग्लैंड को लाभ मिलेगा। पनेसर ने कहा, आप ऑस्ट्रेलिया को देखिए, वहां न तो कमिंस हैं और न ही हेजलवुड।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध, किसी के बाहर रहने से फर्क नहीं

जो भी उतरेगा उसे अपनी भूमिका पता है

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनएं कम नहीं होती। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की रहा तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिन भी पहले टेस्ट में में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

रबाडा ने एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका तलाश लेते हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले मैच में हमारे लिए अहम योगदान दिया है पर वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।' दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बावुमा के बिना भी पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई खिलाड़ी बाहर है। जो भी मैदान पर उतरेगा वह अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ईडन गार्डन्स के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने कहा, ' कोलाकाता में पहली पारी में एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा योगदान दिया।

रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने

अब दो से तीन दिन में टेस्ट समाप्त हुआ तो टीमों के अंक काट सकती है आईसीसी !

नई दिल्ली। जिस प्रकार से हाल में पिच या किसी अन्य कारण से कुछ टेस्ट मैच दो या तीन दिनों में ही समाप्त हो रहे है। उसे क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) भी चिन्तित है। आईसीसी अब विचार कर रही है कि अब जो भी मैच कम दिनों में समाप्त होंगे उसमें टीमों के मैच अंक काटे जायें। वहीं ये बात चल रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में अब आईसीसी को अपने क्यूरेटर भेजने चाहिये। हाल में जिस प्रकार से सिडनी और अब कोलकाता में टेस्ट मैच तीन दिनों में समाप्त हुए हैं उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है। जनवरी 2025 में सिडनी की पिच बेहद ख़राब थी। बहुत वहीं जनवरी 2024 में केप टाउन का मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। जो याद रहता है वह यह कि ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में जीत दर्ज कर सीरीज़ 3-1 से अपने नाम की, और भारत ने न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर ऑल आउट कर हराया। न्यूलैंड्स की पिच से आईसीसी संतुष्ट नहीं है। इसके बावजूद टीमें अपनी पसंद की पिचें तैयार करवाती रही हैं, जिससे पांच दिन के टेस्ट मुकाबले तीन दिनों में सिमट जाते हैं। घरेलू हालातों से होने वाले लाभ से किसी को कोई परेशानी नहीं है। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। टर्नर पिचों या हरे मैदानों से भी किसी को आपत्ति नहीं है पर टेस्ट मैच ढाई दिन में समाप्त होना किसी को भी पसंद नहीं है। हाल ही में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ रोमांचक इसलिए थी क्योंकि हर मैच पांचवें दिन तक गया। कम से कम मैच चौथे दिन तक तो पहुँचना ही चाहिए। यही खेल को 150 वर्षों से बनाए हुए है, और कोई इसे कम नहीं कर सकता। कुछ भी हो, मैच जीतने की चाह और टेस्ट को दो दिन में खत्म होने से बचाने के बीच संतुलन ज़रूरी है। क्यूरेटर्स को यह अधिकार होना चाहिए कि अगर उन पर दबाव डाला जा रहा हो तो वे अपनी बात रख सकें, और आईसीसी को आगे आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तीन दिन से कम चलने वाले टेस्ट मैच टीमों के खिलाफ गिने जाएं।

भारत के प्रणय, आयुष और थारुण ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन के दूसरे दौर में पहुंचे

डनी। भारत के एचएस प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुण मन्नेपल्ली जीत के साथ ही 475,000 डॉलर इनामी वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। प्रणय ने पहले दौर के मैच में योहानेस मार्सेलिनो को 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। अब उनका अगले दौर में मुकाबला इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा । वहीं भारत के ही आयुष ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से हराया।

अब आयुष का मुकाबला दूसरे दौर में जापान के कोडाई नाराओका और कनाडा के शियाडोंग शेंग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही थारुण ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से पराजित किया। अब थारुण का सामना चीनी ताइपे के पांचवें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लिन चुन-यी से होगा। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही किरण जॉर्ज को को संघर्ष पूर्ण मुकाबले में जापान के केंटा निशिमोतो ने 21-11, 22-24, 17-21 से हराया दिया।

आईसीसी रैंकिंग में मिशेल नंबर एक पर पहुंचे, रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल नंबर एक पर पहुंच गये हैं। मिशेल ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछा छोड़ा है। रोहित अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर एक पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाने से मिशेल को लाभ हुआ और वह शीर्ष पर पहुंच गये।

मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था। इस पारी से वह अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक ऊपर पहुंच गये।

वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान सीरीज में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद 22वें और 26वें स्थान पर पहुँच गए हैं।

वहीं गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद श्रीलंका के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी के कारा 11 पायदान ऊपर आकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 9वें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं पाक के ही तेज गेंदबाज़ हारिस राउफ को पांच स्थान का लाभ हुआ है और वह 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स तीन स्थान की छलांग लगाकर 20वें स्थान जबकि रोस्टन चेज 46वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

वही टेस्ट रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं1 बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट लिए थे। कुलदीप यादव दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

वहीं दक्षिण अफ्रीकी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर 8 विकेट लेने के कारण 20 स्थान के लाभ के साथ ही अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच में बनाये कई रिकार्ड

नेपियर। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसी मैच में शतकीय पारी खेलकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस पारी के साथ ही उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 19 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। होप अब टेस्ट खेलने वाली हर टीम के खिलाफ शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। होप ने कठिन पिच पर बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 109 रन बनाये। अब वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ही ही 25 शतक लगाकर उनसे आगे हैं। यह शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनका पहला था, जिससे उन्होंने सभी टीमों के विरुद्ध शतक मारने की उपलब्धि पूरी कर ली इस मुकाबले के दौरान शाई होप ने अपने 6000 एकदिवसीय रन पूरे किये। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज़ बल्लेबाज और दुनिया के 9वें बल्लेबाज हैं। इस मामले में पहले नंबर पर हाशिम अमला है जिन्होंने केवल 123 पारी में 6000 एकदिवसीय रन बनाये थे। विकेटकीपर कप्तान के तौर पर होप का यह छठा शतक है। ऐसा कर उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

कप्तानी के दबाव के कारण शुभमन रन नहीं बना पा रहे - अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के बल्ले से पिछले कुछ समय से रन नहीं आ रहे। एकदिवसीय सीरीज में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। इसी को लेकर पूर्व सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने कहा है कि शुभमन गिल पर टेस्ट और एकदिवसीय दोनो की कप्तानी के कारण काफी अधिक दबाव है और इसका प्रभाव उनकी बल्लेबाजी पर पड़ रहा है। इसी कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की हार के बाद अलग प्रारुप में अलग कप्तान बनाने की मांग की थी। पहले टेस्ट में वह केवल 3 गेंद खेलने के बाद ही गर्दन की जकड़न के कारण बाहर चले गये थे। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया और वो मैच में आगे खेलने नहीं उतरे। वह दूसरी पारी में भी नहीं उतर पाये। ऐसे में उनका दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। टीम प्रबंधन उन्हें उतारने से पहले कार्यभार प्रबंधन भी करना चाहता है। इसका कारण है कि कप्तान पर काम का बढ़ता बोझ बढ़ता जा रहा है।

बीसीसीआई ने ईडन गार्डन में आदर्श पिच बनाने को कहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान की पिच की आलोचना से सबक लेते हुए गुवाहाटी में एक आदर्श पिच बनाने के निर्देश दिये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बारसापारा में लाल मिट्टी की पिच रहेगी। वहीं कोलकाता में काली मिट्टी की पिच थी। लाल मिट्टी की पिचें लगातार उछाल देती हैं और जल्दी टूटती नहीं हैं। इससे साफ है कि इस पिच पर बाद में स्पिनरों को लाभ होगा।

बीसीसीआई ने गुवाहाटी के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक को किस प्रकार की पिच बनानी है। इसकी जानकारी दे दी है। बोर्ड नहीं चाहता कि पहली बार टेस्ट का आयोजन कर रहे गुवाहाटी के साथ 'रैंक टर्नर' का तमगा जुड़ जाये। यही कारण है कि दूसरे टेस्ट में पिच से गति और उछाल मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर गेंद स्पिन भी करती है, तो भी वह गति और उछाल के साथ होगी। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान रहेगा। बीसीसीआई यह भी पक्का करना चाहता है कि पहले दिन से ही पिच में असमान उछाल न हो। ये सभी जानते हैं कि भारत में पिचें टूटती हैं और बल्लेबाज़ों को अनियमित उछाल के कारण परेशानी होती है। अब बोर्ड गुवाहाटी में कोलकाता जैसे हालात नहीं चाहता है।

त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराया

लाहौर। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पहले मैच में बमुश्किल जीत मिली है। इस मैच में पाकिस्तान में पाक के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम खाता नहीं खोल पाये। आजम पिछले चार मैचों में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरी बार बिना खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौटे हैं।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 रन बनाये और पाकिस्तान को जीत के किए 148 रनों का लक्ष्य दिया था। इस लक्ष्य को पाक टीम ने अंतिम ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में आजम एक भी रन नहीं बना पाये। वह 8वीं बार टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खाता नहीं खोल पाये हैं। वहीं पाक की ओर से वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए

हैं, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में में 8 या इससे ज्यादा बार शून्य पर आउट हुआ है। इस मामले में उन्होंने शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया है, जो टी20आई क्रिकेट में कुल 7 बार शून्य पर आउट हुए हैं। सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले अकमल और सैम अयूब हैं, जो 10-10 बार खाता नहीं खोल पाये थे।

इस मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी शुरुआत अच्छी रही और 72 रन पर पहला विकेट जिम्बाब्वे का गिरा था पर इसके बाद विकेट एक के बाद एक गिरते चले गये। पाकिस्तान की ओर से 2 विकेट मोहम्मद नवाज ने लिए। पाक की ओर से 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए फखर जमां ने सबसे अधिक 44 रन जबकि उस्मान खान ने 37 रन बनाये।

स्वदेशी अपनाएं भारत को विकसित बनाए -तोमर

मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रोजगार मेले के माध्यम से छात्र छात्राओं कों दिए नियुक्ति पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर 19 नवंबर को उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के खेल मैदान में आयोजित स्वदेशी मेले में हुए शामिल। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेले के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त छात्र व छात्राओं को नियुक्ति पत्र दिए। इस कार्यक्रम में सिवनी-बालाघाट सांसद श्रीमति भारती पारधी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति भारती ठाकुर, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमति मौसम बिसेन,कटंगी विधायक गौरव पारधी, लांजी विधायक राजकुमार करहे, कलेक्टर मृणाल मीना,पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर ने स्वदेशी व रोजगार मेले में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि बालाघाट जिला दुरस्थ व सीमावर्ति जिलों में आता है इस जिले में नवयुवकों को रोजगार मिलने से उनके घर की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया की मध्यप्रदेश राज्य के विकास के लिए हम सभी को स्वदेशी अपनाने पर जोर देना होगा तभी भारत देश का भी सम्पूर्ण विकास होगा। उन्होंने आम जन से भी वोकल फॉर लोकल होने पर जोर दिया ताकि स्वदेशी उत्पादनकर्ता को उसका लाभ मिल सकें।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमति मौसम बिसेन ने बताया कि स्वदेशी मेले की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती से हुई। इस मेले में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रोजगार मेले के माध्यम से लगभग 4 हजार से भी ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने आमजन से कहा कि वे स्वदेशी वस्तुओं के क्रय व विक्रय पर जोर दे ताकि भारत देश का सर्वांगीण विकास हो सकें।

कार्यक्रम कलेक्टर मृणाल मीना ने बताया की रोजगार मेले में 8 कंपनियों के माध्यम से लगभग 4 हजार से ज्यादा बच्चों कों रोजगार प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया की इस रोजगार मेले में ऐसे बच्चें भी शामिल हुए है जो अन्य राज्यों में दैनिक वेतन की मजदूरी करते थे। इन प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने से बच्चों कों एक नए जीवन की आशा की किरण मिली है। कलेक्टर श्री मीना ने बताया की स्वदेशी कों हम सभी कों अपनाना चाहिए ताकि मध्यप्रदेश के साथ साथ भारत का भी समुचित विकास हो सकें।

शहीद आशीष शर्मा कों दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

19 नवंबर कों उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान बालाघाट में आयोजित स्वदेशी मेले में मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित हुए। यहाँ पर उन्हें हाल ही में हुई नक्सली मुठभेड़ में हॉक फोर्स के जवान आशीष शर्मा के शहीद होने की खबर प्राप्त हुई। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष तोमर, अन्य जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारियों एवं मेले में उपस्थित समस्त जनों ने शहीद आशीष शर्मा की शहादत पर 02 मिनट का मौन धारण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

11 माह के बेटे को पैर से कुचलकर मारने वाले पिता को आजीवन कारावास

अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सुनाया फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश सुरेन्द्र सिंह गुर्जर के न्यायालय ने 11 माह के बेटे के पैर से कुचलकर मारने के आरोप में आरोपी राकेश पिता रामसिंह कुसरे 27 वर्ष निवासी ग्राम जैतपुरी थाना गढ़ी को धारा 302 भादंवि के आरोप में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास व 1500 रुपए के अर्थदंड और धारा 307 के आरोप में 10 वर्ष सश्रम कारावास व 1500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदायगी के व्यतिक्रम में 6 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतने हेतु दंडित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी सुखलाल मार्को विशेष लोक अभियोजक बैहर द्वारा की गई। विशेष लोक अभियोजक बैहर ने बताया कि 19 मई 2021 प्रार्थी सुन्दरी पति राकेश कुसरे और उसका पति राकेश कुसरे, उसके माता-पिता व भैया-भाभी परसामउ में चाचा तूनी परते के घर शादी में गये थे। जहां राकेश ने शराब पीकर मोटरसायकिल गिरा दिया था, तो परिवार के सभी लोगों ने उसे डांटा था। राकेश इन सबसे झगड़ा करके परसामउ से अपनी मौसी के घर महुआटोला चला गया था। 2-3 दिन तक अपने घर ग्राम धीरी वापस नहीं आया था। 23 मई 2021 को रात करीब 10.30 बजे जब फरियादिया अपने घर ग्राम धीरी में बच्चे भोलू के साथ सो रही थी, तभी उसे दरवाजा खोलने की आहट सुनाई दी। तभी अचानक उसका पति राकेश आया और उसे तथा उसके बच्चे भोलू को जान से मारने की नीयत से उनके गले को पैर से दबाकर खड़ा हो गया। तब पीड़िता ने पति राकेश के पैर को अपने गले से हटाया और पलटी तभी राकेश ने उसे जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार किया, जिससे चोट लगकर खून निकला। उसके शोर-शराबा करने पर उसका भाई सुन्दर आया। जिसे देखकर राकेश दौड़कर भाग गया। राकेश के पैरों से दबाने के कारण प्रार्थिया के बेटे भोलू कुसरे (उम्र - 11 माह) की मृत्यु हो गई। प्रार्थिया की रिपोर्ट के आधार पर थाना गढ़ी में धारा 302, 307 भादंवि का कायम किया गया। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। विचारण उपरांत न्यायालय ने अभियोजन साक्ष्य एवं अभियोजन अधिकारी के तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी को उपरोक्त सजा से दण्डित किया।

भानेश साकुरे / 19 नवंबर 2025

तहसीलदार ने बड़पानी का किया निरीक्षण

बीएलओ ईमानदारी से कर रहे एसआईआर का कार्य

पद्मेश न्यूज। कटंगी। चुनाव आयोग के निर्देशन पर इन दिनों एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। बालाघाट जिले के विधानसभा क्षेत्र कटंगी-खैरलांजी में 2 लाख से भी अधिक मतदाता है। जिनका बीएलओ घर-घर जाकर सर्वे कर रहे है। इस बीच एक समाचार वेबसाइड में तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के ग्राम बड़पानी के मतदान केंद्र क्रमांक 14 के बीएलओ योगराज चैधरी की खबर प्रसारित की गई कि वह घर-घर जाने की बजाए दफ्तर में बैठकर एसआईआर का कार्य कर रहे है। इस खबर को संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार गीता राहंगडाले ने बुधवार को दोपहर में बड़पानी के केंद्र क्रमांक 14 का निरीक्षण किया। तहसीलदार ने ग्रामीणों से चर्चा की और पंचनामा कार्रवाई पूरी की। ग्रामीणों के बयान और बीएलओ के कामकाज को देखते हुए, तहसीलदार ने खबर को निराधार बताया है। तहसीलदार ने बताया कि बीएलओ ने 06 नवंबर से अपना कार्य शुरू किया है। वह प्रतिदिन सुबह 9 बजे गांव पहुंच जाते है। जिसके बाद घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करते हुए दोपहर 12 बजे तक गणना पत्रक भरने का कार्य करते है और फिर दोपहर में डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जाता है। तहसीलदार के मुताबिक मतदान केंद्र क्रमांक 14 में 1012 मतदाता है और अब तक 422 मतदाताओं का डिजीटलाइजेशन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बीएलओ सुबह ही ग्रामीणों के घर पहुंच जाते है ताकि सभी से उनकी मुलाकात हो सकें क्योंकि ग्रामीण अंचलों में लोग खेती किसान से जुड़े कार्यो के लिए चले जाते है।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ पानगांव के ग्रामीण हुए लामबंद

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पानगांव के ग्रामीणों ने रेत घाट से बदस्तूर हो रहे रेत के उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाए जाने की मांग को लेकर तहसीलदार किरनापुर को ज्ञापन सौंपा है। अपनी समस्या के संबंध मे जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से ग्राम पंचायत पानगांव के रेत घाट से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मिली स्वीकृति से रेत ठेकेदारों द्वारा रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जाता रहा है और अभी भी बदस्तूर जारी है। लेकिन रेत ठेकेदारों द्वारा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश एवं जिला प्रशासन द्वारा विधिवत् सीमांकन कर चिन्हित करते हुए रेत ठेकेदारों को घाट सौंपे जाते हैं किंतु रेत ठेकेदार या कंपनी चिन्हित स्थान पर सीमांकन कर आवंटित किए जाने वाले क्षेत्र से रेत ना निकालकर दूसरे स्थानों से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए नदी की छाती को लगातार छलनी करती रही है और यह सिलसिला अभी भी लगातार जारी है। जिससे ग्राम पंचायत पानगांव में गर्मी के दिनों में कुंए सुख जाते है। और ग्रामीणों को काफी दूर से पानी लाकर अपनी पेयजल की आपूर्ति को पूरा करना पडता है। साथ ही पिछले वर्ष तो जल संकट जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी। और रबी की जोत वाली फसलें सुख गई थी जिससे किसानों को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा था।अतः निवेदन है, कि सरकार द्वारा यदि रेत घाट स्वीकृत है, तो उन्हें चयनित स्थान व आवंटित स्थान से ही रेत निकालने की अनुमति दी जाए यदि ठेकेदारों द्वारा दूसरे स्थान से रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जाता है, तो ग्राम पंचायत पानगांव के ग्रामीण चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए तैयार है। शिकायत करने वालों मे करन,भोजलाल,जनकलाल,देवराम नागकराज, राजकुमार माने,सुरेश,देवराम जयराम हरदे,महरा देशमुख,धनीराम,पंचम दिनेश,ओमप्रकाश सोनवाने अनतराम,बेड़ुलाल,सनतरार,रतन लाल ,मधुसुदन,राजा,अजील कामअमर, अंकुश,सुजलाल,महेश,टिकाराम,उम शंकर माने,संतोष खरे,सतोष वाढे,लोकेश देशमुख राजकुमार देशमुख,तुकाराम डोमे,लालचन्द,राजेश बाहु,अशोक बाहे,खेमराज सहित समस्त ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम ने बाघ का शिकार करने वाले 9 आरोपियों को सजा सुनाई

भोपाल। वन्य-प्राणी बाघ का शिकार करने वाले संगठित गिरोह के सभी 9 आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम द्वारा दोषी मानते हुए प्रत्येक आरोपी को 4 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 25 हजार जुर्माने से दण्डित किया गया है। यह निर्णय शासन हित में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम एवं स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा संयुक्त एवं प्रभावी कार्यवाही के बाद यह सफलता हासिल हुई है।

बोनकट्टा बैरियर में किसान महासम्मेलन की तैयारी

राजीव सागर और बिजली विभाग के अफसरों को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। पठार संघर्ष समिति और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के नेतृत्व में आगामी 27 नवंबर को बोनकट्टा के बैरियर चौक में किसान महासम्मेलन की तैयारी की जा रही है। इस महासम्मेलन में समूचे विधानसभा क्षेत्र कटंगी-खैरलांजी के किसानों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन की तैयारी को लेकर दो राज्यों की संयुक्त सिंचाई परियोजना राजीव सागर बांध और बिजली विभाग के सहायक यंत्री राजीव रंजन को ज्ञापन सौंपा गया है। विधायक गौरव सिंह पारधी को भी अपने प्रमुख मांगों को लेकर आयोजक ज्ञापन सौंपें जाने की तैयारी थी किंतु विधायक का दौरा कार्यक्रम होने की वजह से आयोजकों की उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। पठार संघर्ष समिति संयोजक आंजनबिहरी सरपंच दीपक पुष्पतोड़े और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर ने बताया कि बोनकट्टा के बैरियर चैक में किसानों का महासम्मेलन होगा। बता दें कि गत दिवस 30 अक्टूबर को जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न हुई है। इस बैठक में लघु, मध्यम और वृद्ध सिंचाई परियोजनाओं में पानी की उपलब्धता के आधार पर रबी की प्रमुख फसलों की सिंचाई के लिए पानी आंवटित करना सुनिश्चित किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि आगामी रबी के सीजन में धान की फसल को सिंचाई के लिए पानी दिया जाना संभव नहीं है केवल गेहूं, चना, उड़द, सूरजमुखी और कुसुम फसलों को ही पानी दिया जाएगा। इसी बात का क्षेत्र के किसान विरोध कर रहे है। खासतौर पर पठार अंचल के करीब 20 से अधिक गांवों के गन्ना उत्पादक किसानों में हड़कंप मच हुआ है। दरअसल, पठार अंचल के किसान प्रमुख तौर पर गन्ना और धान की फसल का उत्पादन करते हैं। इसके अलावा क्षेत्र में प्रमुख तौर पर रबी के सीजन में भी धान की फसल ही लगाई जाती है। किसानों का कहना है कि राजीव सागर बांध से सिंचित क्षेत्र में धान और गन्ने को छोड़कर चिन्हित की गई फसलों को लगाना संभव नहीं है। किसान पूर्व में उक्त चिन्हित की गई फसल लगाते थे किंतु समय काल परिस्थिति के अनुसार उसमें परिवर्तन किया गया है। इसके अलावा वन्य प्राणियों के द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जाता है। मजदूरों के अभाव में पकी हुई फसलें किसानों के घरों तक नहीं पहुंचती और वर्तमान में खेती की संरचना धान और गन्ने की फसलों के लिए तैयार की गई है। वैसे ही खेतों में अत्याधिक नमी होने के कारण जनवरी माह तक खेतों की जुताई नहीं हो पाती। क्षेत्र में अधिकांश जगह पर गन्ने की खेती की जाती है। गन्ने की खेती एक बार लगाने के बाद तीन से चार वर्ष तक फसल प्रदान करती है और बिजली विभाग भी किसानों को सिंचाई के लिए लगातार 10 घंटे तक बिजली नहीं देता है। ऐसी स्थिति में यदि इस वर्ष बांध का पानी सिंचाई के लिए नहीं दिया गया तो फसलें चैपट हो जाएगा और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

मप्र में लगातार बढ़ रही पुलिस पर हमले की घटनाएं

- 6 सौ से अधिक पुलिस जवान हुए घायल, ड्यूटी के दौरान 5 जवान हुए शहीद
- पुलिस वालो को घायल करने में गुना- राजगढ़ पहले नंबर पर
- जब निराशा गुस्से में बदले तब होती है हिंसक घटनायें-मनोचिकित्सक

भोपाल। एमपी में पुलिस पर लगातार बढ़ते हमले की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही है। आकंड़ो पर नजर डाली जाये तो बीते डेढ़ साल में यानी 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2025 के बीच प्रदेशभर में 612 पुलिसकर्मी घायल हुए और 5 जवान ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। पुलिसकर्मियो को घायल करने में गुना और राजगढ़ जहाँ पहले नंबर पर रहे यहाँ 40-40 पुलिसकर्मी घायल हुए वही झाबुआ में 33 और रतलाम में 28 जवान घायल हुए। सागर और टीकमगढ़ में 22-22 पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि आगरमालवा, हरदा और नर्मदापुरम जैसे जिलो में इस तरह की कोई घटना सामने नहीं आई। यानि डेढ़ साल में जहाँ 6 सौ से अधिक पुलिस जवान घायल हुए वहीं छिंदवाड़ा के माहलझिर, मऊगंज के शाहपुर, शहडोल के ब्यौहारी, सतना के जैतवारा और सिवनी कोतवाली थाने के अंतर्गत एक-एक पुलिसकर्मी सहित पाँच पुलिस जवान ड्यूटी के दौरान शहीद भी हुए। हैरानी वाली बात यह है की पुलिस पर हमलो की घटनाऐं महानगरों से ज्यादा छोटे जिलों में सामने आई है। वहीं भोपाल में 30, ग्वालियर में 16, जबलपुर में 15 और इंदौर में 14 पुलिसकर्मी घायल हुए। इस बीते डेढ़ साल में राजगढ़ में सबसे ज्यादा 14 घटनाओं में सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। इंदौर में 9 और झाबुआ में 6 मामलों में तोड़फोड़ की गई। गुना में 4 और विदिशा में 3 घटनाएं ऐसी हुई जहां आक्रोशित भीड़ ने लाखो रुपये की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। ऐसी घटनाओ के कारणो को लेकर मनोचिकित्सको का कहना है की छोटे जिलों में लोगों को अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को लेकर अक्सर ऐसा लगने लगता है, कि उनकी बात बड़े शहरों तक नहीं पहुंचती। वहीं प्रशासनिक व्यवस्था या स्थानीय अधिकारी उनकी समस्या के निराकरण को लेकर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देते, तब उनकी निराशा गुस्से में बदल जाती है। इसका हल यही है, कि स्थानीय स्तर पर आपसी संवाद, सामंजस्य और विश्वास की कड़ियो को मजबूत किया जाएं, ताकि गुस्से में आकर हिंसक होने वालो को बातचीत करने का अवसर मिले। और उन्हें आक्रोशित होने की जगह समझाइश देकर शांत कराया जा सके।

किसानों के सुख-दुख में हमेशा साथ है सरकार - राजस्व मंत्री वर्मा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त का वितरण देश के किसानों को कोयंबटूर तमिलनाडु से किया। जिसमें 9 करोड़ से अधिक किसानों को ?18 हज़ार करोड़ की सम्मान राशि हस्तांतरित की गई। इसमें प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को लगभग 1640 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त का वितरण का राज्य स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मण्डी, करोंद, भोपाल में आयोजित किया गया।

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों, गरीबों, युवाओं, महिलाओं सहित सभी के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार द्वारा किसान हितैषी कार्य लगातार किये जा रहे हैं। किसानों की फसलों को किसी भी कारण से क्षति होने पर सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम-किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की है।

सरकारी अस्पताल मैदान में होगा गायत्री महायज्ञ

पद्मेश न्यूज। कटंगी। समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने, कुरीतियों को दूर करने और आध्यात्मिक जागृति लाने के मकसद से गायत्री शक्तिपीठ कटंगी के द्वारा 04 दिवसीय प्रज्ञा पुराण 24 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाना है। शहर के सरकारी अस्पताल मैदान में यह आयोजन होगा। जिसके चलते बुधवार की शाम 04 बजे उपजोनल प्रभारी छिंदवा?ा दिनेश देशमुख, सहायक उपजोनल प्रभारी मानसिंह चैधरी, जिला समन्वयक प्रभारी पुष्पेश्वर पिछो? सहित स्थानीय गायत्री परिवार के सदस्यों ने सरकारी अस्पताल मैदान में विधि-विधान से भूमिपूजन किया। मंगलवार 2 दिसबंर से शुक्रवार 5 दिसंबर तक महायज्ञ होगा। जिसमें हजारों की संख्या में गायत्री परिवार के सदस्य और धर्मप्रेमी शिरकर कर धर्मलाभ लेगें। आयोजकों ने बताया कि पहले दिन ध्वजारोहण के बाद दोपहर 12 बजे यज्ञ स्थल से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी जो शहर के विभिन्न मार्गो में भ्रमण करते हुए वापस यज्ञ स्थल पर विराम लेगी जिसके बाद महाआरती का आयोजन होगा। दूसरे दिन सुबह 6 से 8 बजे तक ध्यान साधना प्रज्ञा योग और दोपहर 12 से 4 बजे तक पावन प्रज्ञा पुराण कथा होगी। तीसरे दिन भी सुबह और दोपहर में होने वाली कथा नियमित रहेगी शाम में महिला सशक्तिकरण दीप महायज्ञ का आयोजन होगा। महायज्ञ के अंतिम यानी चौथे दिन सुबह 8 से देव आव्हान पूजन 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और गुरु दीक्षा, विभिन्न संस्कार जैसे पुंसवन, नामकरण, मुंडन, विद्यारंभ आदि करवाएं जाएगें और पूर्णाहुति, शांति पाठ और महाप्रसादी का वितरण होगा।

अखिल विश्व गायत्री परिवार निरंतर मनुष्य में देवत्व का उदय, धरती पर स्वर्ग का अवतरण और 21वीं सदी उज्जवल भविष्य के निर्माण में गतिशील होते हुए यह आयोजन करवा रहा है। मनुष्य के चिंतन में उत्कृष्टता, सदाशयता को उभारने और विश्व में संव्याप्त पतन पीड़ा को दूर करने आध्यात्मिक पुरुषार्थ निरंतर संपन्न किये जा रहे हैं। इस संदर्भ में गुरुदेव और माताजी के सूक्ष्म संरक्षण तथा गायत्री शक्तिपीठ कटंगी के तत्वाधान व शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में कटंगी की धरा पर प्रज्ञा पुराण व राष्ट्र शौर्य समृद्धि 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ होने जा रहा है।

न्यूज गैलरी

किरनापुर में आयोजित प्लेंसमेंट में 400 युवा चयनित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) किरनापुर में 18 नवम्बर को आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 400 युवाओं का

चयन किया गया है। अधीक्षक शासकीय आईटीआई किरनापुर ने बताया कि कम्पनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड नागपुर के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया था, जिसमें 490 कैंडिडेट्स सम्मिलित हुए तथा इंटरव्यू के आधार पर 400 कैंडिडेट्स का ही अंतिम रूप से चयन हो पाया है। प्लेसमेंट ड्राइव के आयोजन में संस्था की प्राचार्य श्रीमति सुनीता गजभिए, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमति मीरा भीमटे, मुकेश कुमार लिल्हारे, सत्यप्रकाश कावरे टीपीओ , कंपनी के एचआर रवि श्रीवास्तव एवं संस्था के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय एथेलेटिक्स में छात्रा अर्चना धुर्वे का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की छात्रा अर्चना धुर्वे का राष्ट्रीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता भिवानी हरियाणा के लिए चयन किया गया है। संस्था में कार्यरत पीटीआई कमल किशोर तेलासे ने बताया कि राज्य स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन सागर में किया गया था, जिसमें कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 02 बालिकाये सम्मिलित हुई थी। इन बालिकाओं में कु. अर्चना धुर्वे का चयन रिले रेस 400 मीटर और 1600 मीटर दौड़ के लिए किया गया है। श्री तेलासे ने बताया कि राष्ट्रीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता 26 नवम्बर से 30 नवम्बर के बीच भिवानी हरियाणा में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि 19 से 23 नवम्बर तक सागर में राष्ट्रीय कैम्प का आयोजन किया गया है जिसमें अर्चना धुर्वे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी जो कि विद्यालय के साथ ही जिले के लिए भी गौरव की बात है। बैहर के ग्रामीण अंचल से आकर कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट में अध्ययन कर रही अर्चना इसके पूर्व फुटबॉल ओर फुटसल प्रतियोगिता में भी राज्य स्तर पर अपना हुनर दिखा चुकी है। अर्चना को राष्ट्रीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में चयनित होने के लिए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, संस्था के प्राचार्य पीके अंगूरे, जिला खेल प्रभारी डीके मेश्राम, एथलेटिक्स जिला संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारें, कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक साजिद कृष्णन कुट्टी, आकाशवाणी उद्घोशक अजय ठाकुर, शैलेंद्र यादव, समस्त पीटीआई एवं संस्था के समस्त स्टाफ ने बधाई और

चिखला के किसान लक्ष्मण के खाते में 70 हजार रूपये डालकर ठगों ने निकाला, फिर एफआईआर करा दी

साइबर ठगी का नया तरीका ● खाते में रकम डालकर हुई ठगी ● लखनऊ पुलिस ने किसान पर किया मामला दर्ज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

किरनापुर क्षेत्र के एक किसान के साथ साईबर ठगी का एक मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने किसान के बैंक खाते में रकम डाली और इसके बाद खाते से उनकी जमा पूंजी के साथ वह राशि भी निकाल ली। इसके बाद किसान को ही दूसरे व्यक्ति के खाते से गलत तरीके से पैसे निकालने का आरोपी बताते हुए उत्तरप्रदेश के लखनऊ स्थित गोसाईगंज थाने में मामला दर्ज कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद किसान बुरी तरह परेशान हैं। उनका कहना है कि ठगी का शिकार होने के बावजूद उन्हें ही दोषी बना दिया गया। पीड़ित किसान ने पूरे मामले की शिकायत साइबर शाखा और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की है तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जिले में साइबर ठगी के मामलों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेज और जनचेतना कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने के बावजूद ठग नए-नए तरीकों से लोगों की जमा पूंजी को निशाना बना रहे हैं। अब साइबर ठगों ने एक और नया तरीका अपनाया है किसी व्यक्ति के खाते में पहले रकम डालना, फिर उसी खाते से पैसे निकालकर वास्तविक पीडित और खातेधारक दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर देना। इसी तरह की घटना किरनापुर क्षेत्र के ग्राम चिखला के किसान लक्ष्मण पिता सोमाजी बम्बुरे के साथ हुई है। किसान ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि वह खेती-किसानी कर परिवार चलाते हैं। बीते दिनों उन्हें एक अनजान कॉल आया जिसमें कहा गया कि उन्होंने यूपी के एक व्यक्ति के खाते से पैसे निकाल लिए हैं और वह राशि उनके खाते में आई है। फोन आने के बाद लक्ष्मण बम्बुरे ने अपना बैंक खाता चेक किया तो पाया कि 70,000 रुपये अलग-अलग किस्तों में उनके खाते में आए थे, लेकिन अगले ही दिन उनकी अपनी जमा पूंजी 17,000 रुपये सहित कुल 70,000 रुपये भी खाते से निकाल लिए गए। खाते में मात्र 33 रुपये शेष रह गए। इसके बाद उन्हें यूपी के लखनऊ जनपद के गोसाईगंज थाने से पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा पैसे निकालने की शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई थी और उन्हें तीन दिन के भीतर थाने में उपस्थित होने को कहा गया। पीड़ित किसान के अनुसार, असल में वह स्वयं साइबर ठगी के शिकार हैं, लेकिन उन्हें

ही आरोपी बना दिया गया है। लक्ष्मण बम्बुरे ने इस पूरे मामले की शिकायत साइबर सेल, 1930 पर कॉल और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की है। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि न केवल उनके 17,000 रुपये वापस कराए जाएं, बल्कि इस धोखाधड़ी में शामिल साइबर अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

2 दिन पहले हुआ था मोबाइल हैक

लक्ष्मण सिंह ने पदमेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि यह पूरी घटना 12 सितंबर की है, लेकिन इसकी शुरुआत दो दिन पहले हुई थी। उनके एंड्रॉयड मोबाइल के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्ष फाइल के माध्यम से फोटो और वीडियो भेजे गए थे। फोटो डिलीट करने के प्रयास में लक्ष्मण ने अनजाने में क्ष फाइल पर क्लिक कर दिया, जिसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया था। उन्हें उस समय मोबाइल हैक होने की जानकारी नहीं थी। रात करीब 2:00 बजे किसी अनजान नंबर से लगातार कॉल भी आई, लेकिन संदेह होने पर उन्होंने कॉल रिसीव करने के बजाय नंबर को ब्लॉक कर दिया। साइबर सेल के विशेषज्ञों के अनुसार संभावना जताई जा रही है कि मोबाइल हैक होने के बाद साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते की पहुँच प्राप्त कर ली। इसके बाद ठगों ने किसी अन्य व्यक्ति के खाते से 70,000 रुपये चुराकर लक्ष्मण के खाते में जमा कर दिए, और बाद में लक्ष्मण की अपनी 17,000 रुपये की जमा पूंजी सहित कुल 70,000 रुपये निकाल लिए। खाते में केवल 33 रुपये ही शेष बचे।

लखनऊ पुलिस ने लक्ष्मण पर किया मामला कायम

ठगी का शिकार होने के बाद भी किसान पर ही आरोप लगने की स्थिति तब बनी जब लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र के राहुल नामक व्यक्ति ने लक्ष्मण सिंह को फोन कर आरोप लगाया कि उनके द्वारा उसके बैंक खाते से 70,000 रुपये निकाले गए हैं और वह रकम वापस लौटाई जाए। लक्ष्मण सिंह के अनुसार, उन्होंने राहुल को स्पष्ट कहा कि उनके द्वारा कोई राशि नहीं निकाली गई है और उन्हें इस पूरी घटना की कोई जानकारी नहीं है। लेकिन इसके बाद राहुल द्वारा गोसाईगंज थाने में लक्ष्मण के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि किसान ने उसके खाते से 70,000 रुपये चुराए हैं। शिकायत के आधार पर गोसाईगंज पुलिस ने लक्ष्मण के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत मामला कायम कर लिया है और अब उन्हें लखनऊ में उपस्थित होकर विवेचना में शामिल होने के लिए कहा जा रहा है।

मलाजखंड ताम्र खदान दुर्घटना में घायल मजदूर की मौत, गांव में मातम, प्रबंधन पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 11 नवंबर को ताम्र खदान क्षेत्र में हुए भीषण हादसे का दंश अब और गहरा हो गया है। दोपहर की शिफ्ट के दौरान अंडरग्राउंड जा रही एसएमएस कंपनी की मजदूर बस का साउथ ब्लॉक में अचानक ब्रेक फेल हो गया, जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर लंबी दूरी तक घिसटती रही। हादसे में कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए थे। दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया और सभी घायलों को पहले मलाजखंड अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण देर शाम तक मजदूरों को अलग-अलग शहर भिलाई, रायपुर और गोंदिया रेफर किया गया। इलाज के दौरान सबसे गंभीर घायल मजदूर मंगलेश यादव की मृत्यु हो गई, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।

मंगलेश यादव के निधन की सूचना बुधवार को गांव में पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीण तुरंत वाहनों से रायपुर के लिए रवाना हो गए ताकि परिजनों का साथ दे सकें। बताया जा रहा है कि शव रायपुर से मलाजखंड लाया जाएगा, जिसके बाद अंतिम संस्कार होगा। हादसे ने खदान क्षेत्र में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। परिजनों की शिकायत है कि घटना के बाद शुरुआती समय में उन्हें न तो सही जानकारी दी गई और न ही घायलों से मिलने की अनुमति मिली, जिससे असंतोष और बढ़ गया है। मलाजखंड थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने मंगलेश यादव की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना पर दर्ज एफआईआर में मजदूर की मौत के बाद अतिरिक्त धाराएँ जोड़ी जाएंगी। घटना को आठ दिन बीत जाने के बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ब्रेक फेल होने और बस के नियंत्रण खोने के पीछे वास्तविक कारण क्या था। मॉयल प्रबंधन की ओर से दुर्घटना जांच रिपोर्ट और मृतक परिवार को सहायता राशि के संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बस दुर्घटना के समय वाहन काफी लंबी दूरी तक घिसटता चला गया था, जिसके कारण अलाउद्दीन और मंगलेश सबसे ज्यादा गंभीर रूप से घायल हुए थे। अंततः मंगलेश अस्पताल में जीवन की जंग हार चुका हैं ।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी रोड आरटीओ ऑफिस मदरसा के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गया। घायल मोटरसाइकिल सवार युवक नितिन पिता राजकुमार भगत 30 वर्ष ग्राम बिरसोला थाना लालबर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नितिन भगत अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। जिसके परिवार में माता-पिता छोटा भाई के अलावा पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया गया है कि नितिन भगत सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में लोहा सेंट्रिंग का काम करता था। 19 नवंबर को दोपहर में नितिन भगत मोटरसाइकिल में सरदार पटेल कॉलेज आने निकला था। तभी वारासिवनी रोड आरटीओ ऑफिस मदरसा के पास कोई वाहन नितिन भगत की मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार नितिन भगत घायल हो गया और रोड किनारे पड़ा हुआ था। घटना के दौरान वहा पर भीड़ लग गई थी। उसी समय ग्राम रजेगांव से मरीज छोड़कर बालाघाट आ रहे 108 एंबुलेंस के पायलट संजय शेंडे ने घायल नितिन भगत को 108 एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल मैं नितिन भगत को भर्ती किये जाने के बाद खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंच चुके थे।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और न्यूज रूम में हम भर्ती कर रहे हैं !! हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता

समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ

रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह 21 नवंबर को बालाघाट आऐंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का 21 नवंबर को बालाघाट आगमन हो रहा है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह 21 नवंबर प्रातः 10 बजे ग्राम लोलरी जिला नरसिंहपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 01 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। मंत्री श्री सिंह दोपहर 02 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे। अपरान्ह 03:30 बजे वे बालाघाट से लोलरी के लिए प्रस्थान करेंगे एवं शाम 07 बजे लोलरी पहुंचेंगे।

आवश्यकता है
बजाज आटो लिमि. के स्थानीय डीलर
सांई आटोमोबाइल
(सांई बजाज) बालाघाट हेतु
1. मेकेनिक-अनुभव 5 से 8 साल का - 05 पद
2. मेकेनिक-अनुभव 2 से 3 साल का - 06 पद
3. हेल्पर (फ्रेसर) - 04 पद
4. बजाज चेतक हेतु ITI इलेक्ट्रिशियन मेकेनिक-04 पद
नोट-अनुभवी को मान्यता एवं सेलरी योग्यतानुसार
संपर्क करें-सांई बजाज, मोती तालब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट
मो.नं. 8770334649- इस नं. पर रिज्यूम भेजे-9669674379

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट